{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 03 अगस्त 2026
श्रावण कृष्ण 05 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 310
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

छह बांग्लादेशी पकड़ाए, वीजा नियमों के उल्लंघन का आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल स्टाफ की फॉरेन सेल ने ऑपरेशन विस्टा 1.0 के तहत 6 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है। इन सभी पर वीजा नियमों का उल्लंघन करने का आरोप है। पुलिस के मुताबिक सभी बांग्लादेशी नागरिक डबल एंट्री वीजा पर भारत आए थे। जांच में पता चला कि उन्होंने वीजा की शर्तों का उल्लंघन किया है। इसके बाद फॉरेन सेल ने सभी को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

स्वतंत्रता दिवस से पहले बॉर्डर पर मिली 50-करोड़ की हेरोइन

बीकानेर। स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) से पहले भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे बीकानेर जिले के खाजूवाला क्षेत्र में पुलिस ने नशे और हथियारों की एक बड़ी खेप बरामद की है। खाजूवाला थाना पुलिस ने ऑपरेशन शॉक वेव के तहत करीब 10 किलो अफगान मार्का हेरोइन, 11 विदेशी पिस्टल, 22 मैगजीन, 100 कारतूस और एक बाइक जब्त की है। बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 50 करोड़ रुपए आंकी गई है। मामले में तस्कर वीरेंद्र को गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि यह खेप पाकिस्तान की ओर से ड्रोन ड्रॉपिंग के जरिए सीमा क्षेत्र में गिराई गई थी। आरोपी इसे वहां से उठाकर आगे सप्लाई करने की तैयारी में था, लेकिन पुलिस ने समय रहते कार्रवाई कर पूरी साजिश को नाकाम कर दिया। पूछताछ के आधार पर तस्करी सिंडिकेट से जुड़े अन्य आरोपियों को भी नामजद किया गया है।

कल से शुरू होगी नीट-यूजी काउंसलिंग, 8 सितंबर से नया शैक्षणिक सत्र

नई दिल्ली,। देशभर के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस तथा अन्य स्नातक मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑल इंडिया कोटा (एआईक्यू) की नीट-यूजी 2026 काउंसलिंग 4 अगस्त से शुरू होगी। मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (एमसीसी) ने काउंसलिंग का विस्तृत कार्यक्रम जारी करते हुए बताया कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 की शुरुआत 8 सितंबर से होगी।

एमसीसी के अनुसार काउंसलिंग का पहला चरण 4 अगस्त से 17 अगस्त तक चलेगा, जबकि इस चरण में प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने की अंतिम तिथि 22 अगस्त निर्धारित की गई है। दूसरा चरण 24 अगस्त से 2 सितंबर तक आयोजित होगा। इसके बाद तीसरा चरण 10 सितंबर से 18 सितंबर तक चलेगा।

केरलम और कर्नाटक में भारी बारिश से बिगड़ हालात

लैंडस्लाइड से 11 की मौत, 8 लापता

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित है। केरलम में भारी बारिश के कारण लैंडस्लाइड और बाढ़ से 8 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 8 लोग लापता हैं। सरकार ने 209 राहत शिविर बनाए हैं, जहां 5,792 लोगों को सुरक्षित पहुंचाया गया है।

कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में रविवार सुबह लैंडस्लाइड में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में मल्लिकार्जुन (35), उनकी पत्नी नागवेणी (28) और 3 साल का बेटा संतोष शामिल हैं। हादसे के समय तीनों पहाड़ी के पास बने घर में सो रहे थे। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग और केदार घाटी में लगातार भारी बारिश के कारण लैंडस्लाइड और चट्टानें गिरने से केदारनाथ मार्ग और हाईवे बाधित हो रहे हैं। जिससे जारी कांवड़ यात्रा के दौरान यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, राजस्थान के 24 जिलों में बारिश हो रही है। इसकी वजह से अजमेर की सड़कों पर पानी भर गया।

किम नदी का जलस्तर अब भी बढ़ा हुआ

गुजरात के सूरत में फिलहाल बारिश रुक गई है, लेकिन किम नदी का जलस्तर अब भी बढ़ा हुआ है। नदी के किनारे स्थित मुक्तिधाम श्मशान घाट पानी में डूब गया, जिसके चलते लोगों को अंतिम संस्कार के लिए दूसरे श्मशान घाटों पर जाना पड़ रहा है।

केरल के अलप्पुझा में बाढ़ का खतरा बढ़ा

केरल के अलप्पुझा जिले के कुट्टनाड और अपर कुट्टनाड क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। पंबा और अचनकोविल नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे कई निचले इलाकों में पानी भर गया है। वीयापुरम और चेरुथाना गांवों में बाढ़ से 100 से अधिक घर प्रभावित हुए हैं। अलप्पुझा में 11 राहत शिविर चल रहे हैं, जहां 169 परिवारों के 580 लोगों को ठहराया गया है। केरल मुख्यमंत्री कार्यालय के मुताबिक, भारी बारिश से अब तक 8 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 8 लोग लापता हैं। इस आपदा में 13 लोग घायल हुए हैं। राज्यभर में 5,792 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाकर 209 राहत शिविरों में ठहराया गया है। बारिश और लैंडस्लाइड के कारण 27 घर पूरी तरह नष्ट हो गए हैं, जबकि 196 घरों को नुकसान पहुंचा है।

औसत से 13 प्रतिशत कम बारिश

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, 1 जून से अब तक प्रदेश में 15.7 इंच वर्षा हुई है, जबकि इस अवधि का सामान्य औसत 18.1 इंच है। यानी प्रदेश में करीब 2.4 इंच कम वर्षा हुई है। इसका सीधा असर जलाशयों पर पड़ा है। कोलार, बाणसागर, कुंडालिया, बरना, ओंकारेश्वर, इंदिरा सागर, गांधीसागर और तिघरा सहित कई प्रमुख बांध अभी आधी क्षमता तक भी नहीं भर पाए हैं। पिछले वर्ष जुलाई के अंत तक अधिकांश जलाशय लगभग भर चुके थे। फिलहाल केवल बैतूल का सतपुड़ा डैम ही ऐसा है, जिसके सात गेट खोले गए हैं। जलाशयों में अपेक्षित जलभराव नहीं होने से कई शहरों में नियमित पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने लगी है। यदि अगस्त में भी पर्याप्त वर्षा नहीं होती है तो आने वाले महीनों में जलसंकट और गहरा सकता है। मानसून की धीमी रफ्तार से खरीफ फसलों, विशेषकर सोयाबीन, धान, मक्का और दालों की खेती प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है।

सांसद पप्पू यादव पर दिल्ली में शख्स ने जूते फेंके

-दावा- आरोपी चाकू लेकर आया था

नई दिल्ली। बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पर उनके दिल्ली में स्थित आवास पर एक शख्स ने हमला कर दिया। पप्पू यादव प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे, इसी बीच एक आदमी ने उनके ऊपर जूता फेंक दिया। इसके बाद पप्पू के समर्थकों ने उसके साथ मारपीट की।पप्पू ने आरोप लगाया कि एक युवक ने चाकू लेकर उनकी हत्या की कोशिश की। उन्होंने कहा कि कुछ बाबा रोज कहते हैं- मुझे मार दो, जला दो, हम 51 लाख देंगे। हमने एक व्यक्ति को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस अभी आरोपी को पकड़कर ले गई है। उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

इससे पहले वाराणसी में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और दो सांसदों पप्पू यादव और अवधेश प्रसाद के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। ये रिपोर्ट दिल्ली में संसद भवन के बाहर राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में नाटक करने के खिलाफ हुई है। संतों ने बताया कि संसद में चढ़ावा चोरी के नाम पर जो कुछ भी दिखाया गया, वह सनातन का अपमान है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है था। संसद के मानसून सत्र के 10वें दिन शुक्रवार को बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया था। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे में हेराफेरी के मुद्दे को लेकर वो भगवा चोला और साधु के वेश में संसद भवन पहुंचे। पप्पू यादव ने संसद परिसर में बैठकर प्रदर्शन किया। वो दानपेटी भी साथ लेकर पहुंचे थे। संसद परिसर में विरोध के दौरान एक शॉर्ट प्ले किया गया। पुजारी बनकर आए पप्पू यादव ने सांसदों से दान लेना शुरू किया। इस दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी उन्हें पैसे दिए। दान के पैसे पप्पू यादव पेटी में न डालकर अपने पास रख रहे थे। प्रदर्शन के दौरान पप्पू यादव अयोध्या सांसद के पैर छूते दिखाई दिए।

कर्नाटक में जल्द होगा कैबिनेट विस्तार

डीके शिवकुमार और कांग्रेस आलाकमान की दिल्ली में बैठ

बेंगलुरु। कर्नाटक में मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के शपथ लेने के करीब दो महीने बाद भी मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं हुआ है। शिवकुमार और राज्य के कई कांग्रेस नेताओं ने गुरुवार को दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर आलाकमान से मुलाकात की। यहां कैबिनेट विस्तार पर चर्चा हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 20 नए मंत्रियों के नाम आज तय हो सकते हैं। वहीं, अगले सप्ताह शपथ ग्रहण हो सकता है। अभी कैबिनेट में सीएम समेत 14 मंत्री हैं। डीके शिवकुमार ने 3 जून को उपमुख्यमंत्री जी परमेश्वर और 12 अन्य मंत्रियों के साथ शपथ ली थी। कर्नाटक में संवैधानिक रूप से मुख्यमंत्री सहित कुल 34 मंत्री हो सकते हैं, जिसके चलते अभी भी लगभग 20 पद खाली हैं।

सूत्रों के मुताबिक, पार्टी हाईकमांड जातीय, सामुदायिक और नए-पुराने नेताओं में बैलेंस बनाने की कोशिश कर रहा है जिसकी वजह से कैबिनेट विस्तार में देरी हो रही है। इसके अलावा, डीके शिवकुमार और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के गुटों की ओर से अलग-अलग नाम सुझाए जा रहे हैं।

वोक्कालिगा, लिंगायत और कुरबा समाज अहम

कर्नाटक में लिंगायत (लगभग 17 प्रतिशत) सबसे बड़ा समुदाय है, जबकि दक्षिण कर्नाटक में वोक्कालिगा (लगभग 15 प्रतिशत) का दबदबा है, जिसका नेतृत्व उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार करते हैं। वहीं, कुरबा (लगभग 7-8 प्रतिशत) समाज एक प्रमुख पिछड़ा वर्ग है, जिससे मुख्यमंत्री सिद्धारमैया आते हैं और वे अपनी अहिंदा राजनीति के जरिए मजबूत पकड़ रखते हैं। सिद्धारमैया के बेटे डॉ. यतींद्र सिद्धारमैया को भी कैबिनेट में शामिल किया गया है।

अमरिंदर और भूपेश बघेल की मौजूदगी में पंजाब कांग्रेस की बैठक में फिर हंगामा, लगे नारे...

चन्नी लाओ, पंजाब बचाओ

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस में जारी अंतर्कलह थमने का नाम नहीं ले रही है। रविवार को एक बार फिर से कांग्रेस नेताओं में गुटबाजी देखने को मिली। पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा सांसद चरणजीत सिंह चन्नी के समर्थकों ने बरनाला में कांग्रेस की बैठक के दौरान उस वक्त हंगामा शुरू कर दिया जब अमरिंदर सिंह राजा बोल रहे थे और पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल भी बैठक में मौजूद थे। इस दौरान चन्नी समर्थकों ने नारे लगाए- चन्नी लाओ, पंजाब बचाओ। यह लगातार दूसरा दिन था जब पार्टी की सभा में इस तरह की नारेबाजी देखी गई।

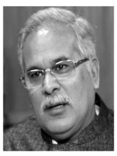

पंजाब कांग्रेस के प्रभारी भूपेश बघेल और पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा पार्टी संगठन को मजबूत करने के जनसंपर्क अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से मिलने के लिए रविवार को बरनाला में थे। बघेल और वड़िंग की उपस्थिति में यह नारेबाजी की गई। इस बैठक में चन्नी मौजूद नहीं थे। हालांकि, चन्नी समर्थक बड़ी संख्या में पार्टी की जिला स्तरीय सभाओं में भाग ले रहे हैं और सार्वजनिक रूप से उनके नेतृत्व के प्रति अपना समर्थन व्यक्त कर रहे हैं। चन्नी समर्थकों ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि पंजाब में कांग्रेस को मजबूत करने में चन्नी का नेतृत्व महत्वपूर्ण होगा। नारेबाजी पर प्रतिक्रिया देते हुए राजा वड़िंग ने पार्टी कार्यकर्ताओं से शांत रहने और अनुशासन बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पार्टी कार्यकर्ता को अपने विचार व्यक्त करने का अधिकार है, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संगठनात्मक अनुशासन भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

राजा वड़िंग के भाषण के दौरान चन्नी लाओ, पंजाब बचाओ के नारे लगाए जाने पर कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि यह पार्टी के अंदरूनी लोकतंत्र को दिखाता है और साथ ही यह भी कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस एकजुट है। वहीं, घनौर से कांग्रेस के पूर्व विधायक मदन लाल जलालपुर ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी को मजबूत करने के लिए पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को एकजुट होने की जरूरत है। पटियाला और संगरूर में कांग्रेस की सभाओं में भी इसी तरह की तस्वीर देखने को मिली। जहां चन्नी के समर्थकों ने बघेल और वड़िंग की उपस्थिति में उनके पक्ष में नारे लगाए। अब तक तीन जिलों में पार्टी की बैठकों में इसी तरह का प्रदर्शन की खबरें सामने आ चुकी हैं।

मथुरा-वृंदावन में भीड़ प्रबंधन विज्ञान आधारित नहीं, यातायात प्रबंधन तक सीमित है- कोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि मथुरा-वृंदावन में भीड़ प्रबंधन विज्ञान आधारित नहीं है और वहां भीड़ नियंत्रण का कार्य काफी हद तक केवल यातायात प्रबंधन तक सीमित है। कोर्ट ने राज्य सरकार को भीड़ प्रबंधन के संबंध में कई सुझाव दिए। न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर ने मथुरा-वृंदावन में होली समेत अन्य त्योहारों के दौरान मची भगदड़ जैसी हालिया घटनाओं का संज्ञान लेते हुए मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, जिला मजिस्ट्रेट, नगर आयुक्त और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से हलफनामे तलब किए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राजनीतिक रैलियों और खेल आयोजनों से अलग होती हैं, क्योंकि भावनात्मक जुड़ाव के कारण श्रद्धालु अक्सर संभावित खतरे के प्रति कम सतर्क रहते हैं। कोर्ट ने भीड़ विज्ञान पर हुए अध्ययनों का हवाला देते हुए कहा कि प्रति वर्ग मीटर चार से पांच लोगों की सघनता पर व्यक्तिगत नियंत्रण खत्म होने लगता है जबकि छह से सात लोगों की सघनता दम घुटने जैसी स्थिति पैदा कर सकती है। कोर्ट ने यह टिप्पणी शनिवार को वृंदावन में अवैध निर्माण से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान की।

याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि 23 अवैध निर्माणों में से केवल कुछ के खिलाफ ही कार्रवाई की गई। मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण के हलफनामे के मुताबिक 2021-22 से 2025-26 के बीच 2,453 नोटिस जारी किए गए, 700 मामलों में ध्वस्तीकरण के आदेश पारित हुए लेकिन इनमें से केवल 323 पर ही कार्रवाई की गई। प्राधिकरण ने बताया कि इस अवधि में 104 संपत्तियों को सील भी किया गया है। कोर्ट ने कहा कि मथुरा, अयोध्या, वाराणसी और चित्रकूट जैसे धार्मिक महत्व वाले नगरों के लिए दीर्घकालिक नगर नियोजन जरुरी है। कोर्ट ने साथ ही कहा कि तीर्थस्थलों पर अवैध निर्माण की समस्या के समाधान के लिए केवल सख्त कानून नहीं बल्कि मजबूत संस्थागत इच्छाशक्ति भी जरूरी है।

नीट पीड़ितों से मुलाकात कर बोले राहुल गांधी- छात्रों को नहीं, प्रधानमंत्री को मांगनी चाहिए माफी

चेन्नई,। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को चेन्नई दौरे के दौरान नीट परीक्षा से जुड़े मुद्दे पर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने नीट प्रभावित छात्रों तथा जान गंवाने वाले विद्यार्थियों के परिजनों से मुलाकात की और कहा कि छात्रों को प्रधानमंत्री की माफी की जरूरत नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री को उन छात्रों और उनके परिवारों से माफी मांगनी चाहिए, जिनका भविष्य कथित पेपर लीक और उससे उपजे संकट से प्रभावित हुआ। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि किसी भी माता-पिता को अपने बच्चे का शोक मनाते देखना सबसे पीड़ादायक अनुभव है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट पेपर लीक के बाद न तो प्रधानमंत्री पीड़ित परिवारों से मिले और न ही उन छात्रों से बातचीत की, जिनका भविष्य इस विवाद से प्रभावित हुआ। उन्होंने कहा कि सरकार को केवल बयान देने के बजाय प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। राहुल गांधी का यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस टिप्पणी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान कुछ छात्रों द्वारा उनके और उनकी माता के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा था कि वह उन बच्चों को माफ करते हैं, क्योंकि बचपन गलतियों को सुधारने का समय होता है। चेन्नई दौरे के दौरान राहुल गांधी ने परिसीमन (डिलिमिटेशन) के मुद्दे पर भी भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रस्तावित परिसीमन तमिलनाडु के लोगों के राजनीतिक अधिकारों को कमजोर करने की साजिश है। राहुल ने कहा कि इससे राज्य के प्रतिनिधित्व और अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

दिल्ली के नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट में महसूस हुए भूकंप के झटके

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रविवार तड़के भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार सुबह 4ः14 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 2.9 दर्ज की गई। इसका केंद्र दिल्ली के नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट में जमीन से 8 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। कम तीव्रता होने के कारण भूकंप से किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान या किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। हालांकि तड़के आए झटकों से कई लोग कुछ देर के लिए घरों से बाहर निकल आए। विशेषज्ञों का कहना है कि कम गहराई पर आने वाले भूकंप के झटके सतह पर अपेक्षाकृत अधिक महसूस होते हैं, लेकिन यदि तीव्रता कम हो तो नुकसान की संभावना भी काफी कम रहती है। दिल्ली और आसपास का क्षेत्र भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील माना जाता है और यहां समय-समय पर हल्के भूकंप दर्ज होते रहते हैं।

कुछ ना कहना

ईपीएफओ से धोखाधड़ी मामले में अनिल अंबानी और रिलायंस कैपिटल पर एफआईआर

नई दिल्ली,। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने रिलायंस कैपिटल लिमिटेड और उसके पूर्व अध्यक्ष अनिल डी अंबानी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। उन पर आरोप है कि कंपनी ने अपने नॉन-चेंज डिबेंचर में निवेश के जरिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) को 1,816.22 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाया।

जानकारी के मुताबिक यह मामला तब सामने आया है, जब केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय ने 21 जुलाई को शिकायत दर्ज की थी, जिसमें धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और ईपीएफओ को गलत तरीके से नुकसान पहुंचाने के अपराधों का आरोप लगाया गया। हालांकि, इन सभी गड़बड़ी से अनिल अंबानी ने इनकार किया है। शिकायत के मुताबिक रिलायंस कैपिटल ने 2013 और 2014 के दौरान सुरक्षित नॉन-चेंज डिबेंचर जारी किए। पोर्टफोलियो मैनेजर्स ने बाद में इन डिबेंचरों में ईपीएफओ फंड से 2,500 करोड़ रुपए का निवेश किया, जो क्रमशः 2023 और 2024 में मैच्योर होने वाले थे। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि इन निवेशों पर ईपीएफओ को 1,816.22 करोड़ का नुकसान हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिकायत में कहा गया है कि यह शिकायत ईपीएफओ की ओर से उसके अधिकृत अधिकारी के जरिए सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बाद रिलायंस कैपिटल लिमिटेड द्वारा जारी किए गए सुरक्षित गैर-परिवर्तनीय डिबेंचरों में निवेश के कारण ईपीएफओ को हुए भारी नुकसान और बाद में मिले ऐसे सबूतों के संबंध में दर्ज की जा रही है जो इस निवेश से जुड़े धोखाधड़ीपूर्ण आचरण का संकेत देते हैं। श्रम मंत्रालय ने कहा कि ईडी की ओर से दी गई जानकारी के बाद उसने शिकायत दर्ज की, जिसमें बताया गया था कि उसे बीडीओ इंडिया एलएलपी द्वारा किए गए ट्रांजेक्शन के साथ-साथ दस्तावेजों से सबूत मिले हैं, जो पहली नजर में 7 दिसंबर 2019 और 6 दिसंबर 2021 के बीच रिलायंस कैपिटल और कंपनी का मैनेजमेंट करने वालों से जुड़े धोखाधड़ी वाले लेनदेन का संकेत देते हैं।

शिकायत में आरोप लगाया गया कि पहले के समय में भी फ्रॉड वाले ट्रांजेक्शन हुए थे और कंपनी के फंड की कथित हेराफेरी के जरिए रिलायंस कैपिटल के पतन में इनका योगदान रहा। इसमें ईडी द्वारा अनियमित लोन देने, धन के दुरुपयोग, सुरक्षा में कमी और अन्य लेनदेन के निष्कर्षों का भी हवाला दिया गया है जिनकी जांच की जरुरत है।

एफआईआर पर अनिल अंबानी के प्रवक्ता ने कहा कि यह मामला रिलायंस कैपिटल लिमिटेड से संबंधित है और उन्होंने बताया कि उन्होंने 2005 से नवंबर 2021 तक कंपनी के गैर-कार्यकारी निदेशक और बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, जब भारतीय रिजर्व बैंक ने बोर्ड को भंग कर दिया और एक प्रशासक नियुक्त किया। प्रवक्ता ने कहा कि अनिल अंबानी किसी भी प्रकार की गलती से इनकार करते हैं और कानून के अंतर्गत उपलब्ध अपने सभी अधिकारों को सुरक्षित रखते हैं।

तीन कंपनियां और 100 यूट्यूबर रडार पर

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन से जुड़े मामले में दिल्ली पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। पुलिस की जांच अब तीन निजी डिजिटल मार्केटिंग और सोशल मीडिया मैनेजमेंट कंपनियों के साथ-साथ 100 से अधिक यूट्यूबर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स तक पहुंच गई है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या प्रदर्शन से जुड़ा विवादित वीडियो किसी सुनियोजित डिजिटल अभियान, टूलकिट या जनसंपर्क रणनीति के तहत बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया था। प्रारंभिक तकनीकी जांच में पुलिस को संदेह है कि वीडियो का वायरल होना सामान्य या स्वतः नहीं था। आशंका जताई जा रही है कि इस तय रणनीति के तहत सही समय पर विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया गया और एल्गोरिदम का उपयोग कर इसकी पहुंच बढ़ाई गई। इसी आधार पर पुलिस संबंधित कंपनियों के दस्तावेज, सर्वर लॉग और आंतरिक गतिविधियों की जांच कर रही है। जांच में शामिल अधिकारियों के अनुसार, संबंधित कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों और कुछ यूट्यूबर्स को पूछताछ के लिए जल्द नोटिस भेजे जा सकते हैं। साथ ही मुंबई स्थित एक प्रमुख इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग एजेंसी और उसके क्रिएटर नेटवर्क की भूमिका भी जांच के घेरे में है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि क्या इस नेटवर्क से जुड़े सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को प्रदर्शन के प्रचार, भीड़ जुटाने या ऑनलाइन माहौल बनाने के लिए सक्रिय किया गया था। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि इन सभी पहलुओं की पुष्टि तकनीकी और दस्तावेजी जांच पूरी होने के बाद ही की जा सकेगी। मामले में वित्तीय लेनदेन की भी जांच की जा रही है। पुलिस यह जानने का प्रयास कर रही है कि प्रदर्शन और उससे जुड़े सोशल मीडिया अभियान के लिए धन कहां से आया तथा डिजिटल प्रचार गतिविधियों पर कितना खर्च किया गया।

सावन का पहला सोमवार आज, शिवालयों में उमड़ेगी श्रद्धालुओं की भीड़

गूंजेंगे -बम बम भोले के जयकारे,जगह जगह से निकाली जाएगी कावड़ यात्रा, डीजे की धुन पर थिरकते नजर आएंगे कावडिए

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भगवान शिव की आराधना का पावन महीना सावन पिछले 30 जुलाई गुरुवार से शुरू हो चुका है। जहां आज सोमवार को सावन मास का पहला सावन सोमवार है।पहले ही सावन सोमवार से नगर सहित जिले के तमाम शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में शिव भक्तों का जन सैलाब देखने को मिलेगा। जहा भक्त भगवान शिव का जलाभिषेक कर उनकी विशेष पूजा अर्चना करते नजर आएंगे। सावन के पवित्र माह को देखते हुए मंदिरों में इस बार विशेष व्यवस्थाएं देखने को मिल रही है। जहां सावन मास के इस पावन महीने को देखते हुए जिले के तमाम शिवालयों को रंग रोगन कर आकर्षक रूप से सजाया गया है तो वही भक्तों के आने जाने ,उनके पूजा करने सहित अन्य कार्यक्रमों के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। बताया जा रहा है कि इस बार सावन का महीना 28 अगस्त शुक्रवार तक रहेगा। वही एक बार फिर से जिले भर में जगह-जगह कावड़ यात्रा की धूम देखने को मिलेगी।

इन शिवालयों में बम बम भोले के गूंजेंगे जयकारे, लगेगा मेला

सावन मास शुरु होने के साथ ही 3 अगस्त से पहले सावन सोमवार की शुरुआत होगी जहां भगवान शिवशंकर की भक्ति के लिए भक्तों का तांता शिव मंदिरों में सुबह से ही नजर आएगा ।जिसका क्रम देर रात तक जारी रहेगा। बालाघाट जिले में कोटेश्वर धाम के साथ ही भंगवान शंकर के प्राचीन व सिद्ध पीठ मंदिर है। जिनमें शंकर घाट स्थित शंकर मंदिर, डोंगरगांव की पहाड़ी पर गुफा के अंदर विराजित बाबा गुप्तेश्वर मंदिर, रमरमा की पहाड़ी पर विराजित रमरमा महादेव, कटंगी के भसियागंढ़ की पहाड़ी पर महादेव खोली में विराजित महादेव, बैहर के प्राचीन शिवमंदिर, सावरझोड़ी गुप्त शिवलिंग, जाम का शिवमंदिर, धनसुआं गोसाई शिव मंदिर, काली पाठ के शिवमंदिर समेत अन्य शिव मंदिर में सावन मास के दौरान प्रत्येक सोमवार को मेला लगेगा और पवित्र वैनगंगा समेत अन्य जल स्त्रोत से कावढिएं कावढ़ में जल भरकर इन मंदिरों में पहुंचकर जलभिषेक कर पूजा-अर्चना कर भगवान शिवशंकर से सुख-समृद्धि का आर्शीवाद प्राप्त करेंगे ।वही जिले के सभी शिवालयों में सुबह से लेकर देर शाम तक बम बम भोले के जयकारे गूंजते रहेंगे।

4 माह भगवान शिवशंकर संभालेंगे सृष्टि का कार्यभार

धार्मिक पौराणिक मान्यताओं के अनुसार ऐसा माना जाता है कि देव उठनी ग्यारस के दिन से भगवान विष्णु आराम करने चले जाते है और ये चार माह भगवान शिवशंकर सृष्टि का कार्यभार संभालते है। ऐसी स्थिति में प्रत्येक वर्ष सावन मास माह का अधिक महत्व होता है और सावन मास के दौरान लोग भवगान शिवशंकर की भक्ति में लीन हो जाते है। इस वर्ष भगवान शिवशंकर की भक्ति का पवित्र माह पिछले गुरुवार से शुरु हो चुका हैं ।जिसको लेकर रोजाना ही बड़ी संख्या में भक्तगण शिवालय पहुचकर भगवान शिवशंकर का जाप करते नजर आ रहे है।

श्रावण मास की पहली कावड़ यात्रा आज

सावन के महीने में भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना करने का अलग ही महत्व है। जिसके चलते पूरे महीने शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ रहती है ।खासकर सावन के पवित्र महीने में पड़ने वाले सोमवारऔर शिवरात्रि के मौके पर शिवालयों में खासी भीड़ उमड़ती है। शास्त्रों के अनुसार, इस माह भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा अर्चना करने से भगवान शिव प्रसन्न होते है ।और भक्तो की मनमुराद पूरी करते है ।शायद यही वजह है इस माह में कांवड़ियों द्वारा जलाशयों से पानी कावड़ में ले जाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विशेष प्रथाएं की जाती है ।जिसका एक नजारा पहले सावन सोमवार से ही नगर मे देखने को मिलेगा। जहाँ बड़ी तादात मे कांवड़िए भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने कावड़ यात्रा ले जाते नजर आएंगे ।इस दौरान कावडिए भारी तादाद में डीजे की धुन में भक्ति गानों पर थिरकते झूमते, और बम बम भोले के जयकारे लगाते हुए दिखाई देंगे ।बताया जा रहा हैं की श्रद्धालु भक्त वैनगंगा या अन्य जलाशयों का पानी कावड़ में ले जाकर भगवान शिव का जलाभिषेक कर अपनी मनोकामनाओ की मन्नत मांगेंगे ।जिसकी तैयारियां भी पूर्ण कर ली गई है।

मनोकामनाओ की होती हैं पूर्ति

बताया जा रहा हैं की इस माह में पति की लंबी उम्र के लिए महिलाएं सावन के सोमवार का व्रत करती हैं।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन में जिसने सच्चे मन से भगवान भोलेनाथ की सेवा की उसके समस्त पाप खत्म हो जाते हैं ।मान्यता है कि सावन सोमवार को व्रत रख रुद्राभिषेक करने से वैवाहिक जीवन में खुशहाली और संतान सुख की प्राप्ती होती।

शंकरघाट में भी होंगे विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन

बताया गया कि 3 अगस्त को पहला सावन सोमवार है। जहां हजार से अधिक श्रद्धालुओं का शंकर घाट में प्रवेश होगा। उनकी पूजा-अर्चना के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं ।वहीं इस सावन भर में रुद्राभिषेक , हवन ,पूजन, महा आरती, प्रसाद वितरण, भंडारा सहित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन होंगे ।बताया गया कि यह मंदिर एक सदी पुराना है मंदिर में हर किसी की मनोकामना पूरी होती है। इसीलिए प्रतिवर्ष यहां मप्र, महाराष्ट्र छत्तीसगढ़ सहित दूर-दूर से लोग पूजा-अर्चना के लिए आते हैं।

समनापुर से लांजी तक निकलेगी डाक कांवड़ यात्रा, 5 अगस्त को मां वैनगंगा का जल होगा दादा कोटेश्वर महादेव को अर्पित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। श्रावण मास के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्राम समनापुर से डाक कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। महाकाल सेवा मंडल समनापुर एवं हनुमान मंदिर समिति समनापुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह धार्मिक यात्रा 5 अगस्त (बुधवार) को सुबह लगभग 8 बजे प्रारंभ होगी। समिति के प्रभारी त्रिलोक सुलाखे ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि कांवड़िए ग्राम समनापुर स्थित मां वैनगंगा नदी से पवित्र जल भरकर बिना रुके एवं निर्धारित धार्मिक नियमों का पालन करते हुए डाक कांवड़ यात्रा प्रारंभ करेंगे। यात्रा समनापुर से भटेरा चौकी, बालाघाट काली पुतली, आंबेडकर चौक, हनुमान चौक, कोसमी, नवेगांव, हट्टा और किरनापुर होते हुए लांजी पहुंचेगी, जहां भगवान दादा कोटेश्वर महादेव का वैनगंगा के पवित्र जल से जलाभिषेक किया जाएगा। समिति ने बताया कि यह डाक कांवड़ यात्रा का चौथा वर्ष है। हर वर्ष बड़ी संख्या में शिवभक्त इस यात्रा में शामिल होकर भगवान भोलेनाथ की आराधना करते हैं। यात्रा का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ-साथ समाज में भक्ति, अनुशासन और एकता का संदेश देना है। आयोजकों ने जिले के सभी दादा कोटेश्वर महादेव एवं भगवान भोलेनाथ के श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में डाक कांवड़ यात्रा में शामिल होकर बाबा भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करें तथा इस पुण्य अवसर के सहभागी बनें।

पुराने यादगार नगमों की संगीतमय श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

पदमेश न्यूज। किरनापुर। तहसील मुख्यालय ग्राम पंचायत किरनापुर के गांधी चौक मे आज एक भावपूर्ण एवं संगीतमय श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन सुर संगम सांस्कृतिक समिति किरनापुर द्वारा किया गया। इस विशेष अवसर पर क्षेत्र के संगीत प्रेमियों एवं गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर भारतीय संगीत जगत के महान फनकारों और उनके द्वारा गाए अमर/यादगार नगमों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम की प्रमुख बातें

संगीतमय प्रस्तुतियाँ- स्थानीय कलाकारों एवं गायकों ने पुराने दौर के एक से बढ़कर एक सदाबहार गीतों की प्रस्तुतियाँ ,एक प्यार का नगमा है मौजों की रवानी है ये जिंदगी और कुछ भी नहीं तेरी मेरी कहानी है , ए दिल उनकी निगाहों के साये जैसी शानदार पुराने गीत की प्रस्तुति देकर जनसमूह को भावविभोर कर दिया। महान संगीतकारों को नमन- मोहम्मद रफ़ी, किशोर कुमार, लता मंगेशकर और मुकेश जैसे महान पार्श्व गायकों के कालजयी गीतों को गाकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। श्रोताओं का उत्साह- गुजरी चौक पर देर शाम तक लोगों का हुजूम जुटा रहा। पुराने नगमों की सुरीली धुनों ने पूरे माहौल को संगीतमय और यादों से सराबोर कर दिया। संगीत केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यह समय की सीमाओं से परे जाकर पीढ़ियों को जोड़ने का कार्य करता है। आज के इस आयोजन ने उन अमर सुरीली यादों को पुन: जीवंत कर दिया।

आयोजन समिति

स्थानीय लोगों की गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में नगर के वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों ,नागरिकों, महिलाओं की बड़ी संख्या में उपस्थित रही लोगों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल पुरानी सांस्कृतिक धरोहर और सुरीले संगीत को बढ़ावा मिलता है, बल्कि समाज में आपसी प्रेम और सद्भाव भी सुदृढ़ होता है। कार्यक्रम के अंत में आयोजन समिति द्वारा सभी कलाकारों एवं पधारे हुए श्रोताओं का आभार व्यक्त किया गया

ऑपरेशन सिंदूर के रणनीतिकार वाइस एडमिरल प्रमोद बने नौसेना के उपप्रमुख

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय नौसेना की रणनीतिक तैयारियों को मजबूती देने वाले वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने शनिवार को डिप्टी चीफ ऑफ नेवल स्टाफ यानी नौसेना के उपप्रमुख का पदभार संभाल लिया। यह जिम्मेदारी ऐसे समय दी गई है, जब हिंद महासागर से लेकर पश्चिम एशिया तक समुद्री सुरक्षा चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं और भारतीय नौसेना अपनी क्षमताओं के विस्तार पर जोर दे रही है।

करीब 36 साल के सैन्य करियर में वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने युद्ध संचालन, रणनीतिक योजना और समुद्री सुरक्षा से जुड़े कई अहम दायित्व निभाए हैं। दिसंबर 2023 से जुलाई 2026 तक डायरेक्टर जनरल नेवल ऑपरेशंस के पद पर रहते हुए उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नौसेना की तैयारियों और तीनों सेनाओं के बीच समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पहलगाम आतंकी हमले के बाद शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में मौजूद आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की थी। इस अभियान के दौरान नौसेना ने समुद्री मोर्चे पर अपनी रणनीतिक तैयारी मजबूत रखी थी। वाइस एडमिरल प्रमोद उन अधिकारियों में शामिल थे, जिन्होंने इस पूरे अभियान में नौसेना की ऑपरेशनल क्षमता को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा था कि भारतीय नौसेना समुद्री क्षेत्र में मजबूत स्थिति में है और किसी भी चुनौती का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि भारत के पास दुश्मन को जवाब देने के लिए बेहतर संख्या और गुणवत्ता वाली सैन्य क्षमता मौजूद है। वाइस एडमिरल प्रमोद ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के दौरान भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली। समुद्री सुरक्षा अभियान के तहत भारतीय नौसेना ने संकटग्रस्त क्षेत्रों से गुजरने वाले कई व्यापारी जहाजों को सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराया। यह अभियान ऐसे समय चलाया गया, जब लाल सागर और आसपास के समुद्री इलाकों में सुरक्षा हालात बेहद चुनौतीपूर्ण थे।

1990 में भारतीय नौसेना में शामिल हुए एएन प्रमोद कम्युनिकेशन और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर के विशेषज्ञ माने जाते हैं। उन्होंने आईएनएस राजपूत, आईएनएस अभय, आईएनएस शार्दुल और आईएनएस सतपुड़ा जैसे प्रमुख युद्धपोतों की कमान संभाली है। कारगिल युद्ध के दौरान ऑपरेशन विजय, 2001 के ऑपरेशन पराक्रम और गलवान संघर्ष के बाद ऑपरेशन स्नो लेपर्ड जैसी महत्वपूर्ण सैन्य गतिविधियों में भी उन्होंने जिम्मेदारियां निभाईं। नौसेना मुख्यालय में उन्होंने विमान अधिग्रहण, नौसैनिक विमानन और रणनीतिक योजना से जुड़े पदों पर काम किया। वे भारतीय नौसेना अकादमी के डिप्टी कमांडेंट और महाराष्ट्र नेवल एरिया के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग भी रह चुके हैं। उनकी सेवाओं को देखते हुए उन्हें अति विशिष्ट सेवा मेडल और युद्ध सेवा मेडल से सम्मानित किया जा चुका है।

जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में तोड़-फोड़ की साजिश रचने वाला निकला जैश का आतंकी

बंगाल एसटीएफ का दावा- नेताओं की गतिविधियों पर नजर रखने जुटा रहा था जानकारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने दावा किया है कि बर्धमान जिले से गिरफ्तार जैश-ए-मोहम्मद ऑपरेटिव ने दिल्ली के जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में तोड़-फोड़ की साजिश रची थी। हमीम मंडल, कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में पुलिस की वर्दी पहनकर घुसपैठ करने वाला था। एसटीएफ के आईजी ने बताया कि जांच में यह भी पता चला है कि बंगाल सीएम शुभेंदु समेत कई नेता और पुलिस अधिकारी उसके निशाने पर थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक मंडल पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में था। उनके कहने पर ही नेताओं की गतिविधियों पर नजर रखने और जानकारी जुटा रहा था। जांच में उसके मोबाइल फोन और सोशल मीडिया चैट से वाट्सएप, टेलीग्राम और इंस्टाग्राम के जरिए पाकिस्तान कॉन्टेक्ट्स के सबूत मिलने का दावा किया गया है। एसटीएफ ने शुक्रवार रात अर्पिता सरकार नाम की महिला को भी गिरफ्तार किया है, जो मंडल की सहयोगी और गर्लफ्रेंड बताई जा रही है।

एसटीएफ ने दावा किया कि मंडल और उसकी गर्लफ्रेंड ने मिलकर पश्चिम बंगाल के एक राज्य मंत्री के बेटे को हनी-ट्रैप में फंसाने की साजिश रची थी। इन दोनों ने मंत्री के बेटे को किडनैप करने और परिवार से पैसे ऐंठने का प्लान बनाया था। एसटीएफ के एक सीनियर अफसर ने कहा कि जांच में पता चला है कि यह साजिश पाकिस्तान के हैंडलर्स ने रचाई थी। हर आरोपी की भूमिका, इसमें और कितने लोग शामिल थे, इसकी जांच की जा रही है।

अर्पिता और मंडल ने पाकिस्तानी हैंडलर्स के कहने पर सेंसिटिव जानकारी निकालने के लिए असरदार लोगों के साथ पर्सनल रिश्ते बनाने की योजना बनाई थी। दोनों पिछले चार साल से कॉन्टैक्ट में थे, पहले इंस्टाग्राम पर जान-पहचान हुई और बाद में पर्सनली मिले। एसटीएफ के मुताबिक 23 साल का हमीम मंडल हावड़ा में काम करता था। बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले वह बर्धमान चला गया था, जहां उसने अपार्टमेंट किराए पर लिया। जांच एजेंसियों की नजर से बचने के लिए वह पिछले दो-तीन महीनों से छिपा हुआ था। एक साल पहले सोशल मीडिया के जरिए आतंकवादी संगठन के उस मॉड्यूल से जुड़ा, जिसे गैंगस्टर शहजाद भट्टी और उसके सहयोगी अजमल गुज्जर चलाते थे। मंडल को सीएम की गतिविधियों पर नजर रखने का काम सौंपा था। उसे उन जगहों के बारे में जानकारी इकट्ठा करने के लिए कहा था जहां सीएम बिना सुरक्षा के रह सकते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि मॉड्यूल की जांच तब शुरू हुई जब सरकार के मंत्री से पैसे ऐंठने और हनी-ट्रैप का इस्तेमाल करके उनके बेटे को किडनैप करने की साजिश के बारे में इनपुट मिले। जांच में सामने आया कि इसके पीछे एक ऑर्गनाइजेशन का हाथ है। इससे साहिबगंज के एक सोशल मीडिया हैंडल का पता चला, जिसे अर्पिता सरकार नाम की एक महिला ऑपरेट कर रही थी। सोशल मीडिया अकाउंट की जांच से ऑफिसर्स को मंडल का पता चला।

भविष्य की रणनीति का खाका तैयार करेगी सीजेपी

मुंबई। नीट पेपर लीक मामले में दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक महीने तक चले लंबे आंदोलन के बाद कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) अब अपनी आगे की रणनीति बनाने में जुट गई है। पार्टी के कोर सदस्यों की एक बेहद अहम बैठक 5 अगस्त को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में होने जा रही है। इस बैठक में संगठन के भविष्य के रोडमैप और आगे की कार्ययोजना को लेकर विस्तार से चर्चा की जाएगी। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, यह महत्वपूर्ण बैठक सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके के आवास पर होगी। इसमें संगठन के मुख्य रणनीतिकार, वरिष्ठ सदस्य और अहम चेहरे शामिल होंगे। इस बैठक का मकसद देश के युवाओं और छात्रों से जुड़े नए मुद्दों की पहचान करना और आगे के आंदोलन की दिशा तय करना है। जंतर-मंतर पर महीने भर चले थका देने वाले विरोध प्रदर्शन के बाद संगठन के शीर्ष नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं और वालंटियर्स को एक छोटा सा ब्रेक दिया था। उनसे कहा गया था कि वे अपने-अपने घर लौटकर परिवार के साथ कुछ वक्त बिताएं। इसके साथ ही कार्यकर्ताओं को यह जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी कि वे अपने इलाकों में छात्रों, युवाओं और स्थानीय लोगों से बातचीत करें। उनसे मिले सुझावों और विचारों को 5 अगस्त की बैठक में पेश करने को कहा गया है। बैठक के दौरान देश भर से आए कार्यकर्ताओं के सुझावों पर गहराई से मंथन किया जाएगा। इसके तुरंत बाद, 5 अगस्त को ही सीजेपी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाएगी। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी अपने भावी अभियानों और भावी रणनीति का आधिकारिक ऐलान करेगी। बैठक की तैयारियों के बीच सीजेपी संस्थापक अभिजीत दिपके ने अपने आवास पर स्थानीय लोगों, छात्रों और आसपास के जिलों से आए समर्थकों से मुलाकात की। उन्होंने रविवार को फ्रेंडशिप डे के मौके पर बच्चों और युवाओं के साथ समय बिताया। इस दौरान उन्होंने बच्चों के साथ मिलकर इस खास दिन को मनाया।

आकाश के ससुर बसपा से निष्कासित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने पार्टी में बड़ा अनुशासनात्मक कदम उठाया है। उन्होंने पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक सिद्धार्थ को एक बार फिर पार्टी से निष्कासित कर दिया है। साथ ही ये भी कहा है कि अब दोबारा उन्हें किसी भी कीमत पर पार्टी में शामिल नहीं किया जाएगा। मायावती ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया है। जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया कि अशोक सिद्धार्थ को तत्काल प्रभाव से पार्टी से बाहर किया गया है और अब भविष्य में उन्हें किसी भी स्थिति में दोबारा बसपा में शामिल नहीं किया जाएगा। अशोक सिद्धार्थ, बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक रह चुके हैं और उनका नाम इसलिए भी चर्चा में रहता है क्योंकि वो बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद के ससुर हैं। बीते साल (2025) मायावती ने उनको पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था, हालांकि करीब छह माह बाद आकाश के साथ उनको भी माफ कर दोबारा पार्टी में वापस ले लिया था।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

मित्रता दिवस पर दृढ़शक्ति फाउंडेशन ने पौधों से निभाई दोस्ती, किया पौधारोपण

पदमेश न्यूज। बालाघाट। मित्रता दिवस के अवसर पर रविवार, 2 अगस्त 2026 को दृढ़शक्ति फाउंडेशन द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधों के साथ मित्रता दिवस मनाया गया। संस्था ने प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी पौधारोपण अभियान चलाते हुए गोंदिया रोड

स्थित मुख्य मार्ग के डिवाइडर पर 10 पौधे रोपे और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। दृढ़शक्ति फाउंडेशन की संस्थापक बरखा नाग गंगवानी ने बताया कि संस्था प्रत्येक वर्ष जुलाई एवं अगस्त माह में जिले के विभिन्न स्थानों, विशेषकर विद्यालयों में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित करती है। इस बार मित्रता दिवस को विशेष रूप से पर्यावरण को समर्पित करते हुए उन पौधों के साथ मनाया गया, जो मानव जीवन को ऑक्सीजन प्रदान कर धरती को हरा-भरा और सुरक्षित बनाए रखते हैं। उन्होंने कहा कि पौधे हमारे सच्चे मित्र हैं, जो बिना किसी स्वार्थ के हमें शुद्ध वायु, छाया और जीवन प्रदान करते हैं। इसी भावना के साथ संस्था ने फलदार, छायादार एवं शुद्ध हवा देने वाले पौधों का रोपण किया। संस्था का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ, हरित और प्रदूषण मुक्त बनाने में जनसहभागिता बढ़ाना है। बरखा नाग गंगवानी ने कहा कि दृढ़शक्ति फाउंडेशन समाज, पर्यावरण एवं जनहित से जुड़े कार्यों में लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहा है और भविष्य में भी ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रम जारी रहेंगे। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक नीलू पीपलेवार, मंजुला तिवारी, जिला अध्यक्ष अश्विन तिवारी, मेघा नाग, पायल सावलानी, मीना धुवारे, राशि बोथरा, जानकी वाधवानी, कुंती जी, ममता पीपलेवार, राजा ठाकुर, विनय गुप्ता एवं महेश ठाकरे सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने पौधों की नियमित देखभाल और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी लिया।

110 दिन से सड़क पर महिलाएं, फिर भी नहीं पसीजा प्रशासन

बूढ़ी शराब दुकान हटाने की मांग पर गरजीं विधायक अनुभा मुंजारे, बोलीं नशा मुक्ति के दावे सिर्फ दिखावा, महिलाओं का अनिश्चितकालीन आंदोलन बना जनआंदोलन, विधायक ने सरकार और प्रशासन को घेरा

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

शहर के बूढ़ी क्षेत्र स्थित शराब दुकान को हटाने की मांग अब केवल स्थानीय महिलाओं का विरोध नहीं, बल्कि जनआक्रोश का रूप लेती जा रही है। पिछले 110 दिनों से लगातार आंदोलन कर रही वार्ड क्रमांक 12 और 13 की महिलाएं आज भी शराब दुकान के सामने डटी हुई हैं, लेकिन जिला प्रशासन, आबकारी विभाग और सरकार के कानों पर अब तक जूं तक नहीं रेंगी है। शनिवार देर रात इस आंदोलन को नया बल तब मिला, जब बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे स्वयं धरना स्थल पहुंचीं और महिलाओं के साथ बैठकर सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार एक ओर नशे से दूरी है जरूरी जैसे अभियान चलाकर वाहवाही लूट रही है, वहीं दूसरी ओर नशे के खिलाफ लड़ रही महिलाओं की आवाज को सुनने तक को तैयार नहीं है।

बूढ़ी क्षेत्र में संचालित शराब दुकान को हटाने की मांग वर्षों पुरानी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रिहायशी क्षेत्र के बीच संचालित इस दुकान के कारण पूरे इलाके का माहौल बिगड़ चुका है। दिनभर शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है। महिलाओं और युवतियों को आवागमन में असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है, वहीं स्कूली बच्चों पर भी इसका गलत असर पड़ रहा है। कई बार शराब के नशे में विवाद, मारपीट और अभद्रता की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। इसके बावजूद संबंधित विभाग दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित करने के बजाय लगातार अनदेखी करता रहा। आंदोलनकारी महिलाओं ने बताया कि पिछले साढ़े तीन महीने से अधिक समय में उन्होंने लोकतांत्रिक तरीके से हर संभव प्रयास किया। ज्ञापन सौंपे, रैलियां निकालीं, धरना-प्रदर्शन किए, सांकेतिक विरोध किया और कई बार शराब खरीदने आने वाले लोगों का फूल-माला पहनाकर स्वागत करते हुए उनसे शराब नहीं खरीदने की अपील भी की। लेकिन प्रशासन ने हर बार केवल आश्वासन दिया, समाधान नहीं।

अब बारिश का मौसम शुरू होने के बाद भी महिलाओं का हौसला नहीं टूटा। उन्होंने शराब दुकान के सामने ही एक भवन किराए पर लेकर उसे आंदोलन स्थल बना दिया है। सुबह से लेकर देर रात तक महिलाएं वहीं

बैठकर लोगों से शराब का बहिष्कार करने और अपने आंदोलन का समर्थन करने की अपील कर रही हैं। महिलाओं का कहना है कि यह लड़ाई किसी राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को नशे से बचाने की है। धरना स्थल पहुंचीं विधायक अनुभा मुंजारे ने महिलाओं के संघर्ष को न्यायोचित बताते हुए सरकार और प्रशासन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में नशा मुक्त समाज बनाना चाहती है तो सबसे पहले उन महिलाओं का सम्मान करना चाहिए जो बिना किसी स्वार्थ के समाज को बचाने के लिए 110 दिनों से संघर्ष कर रही हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पुलिस विभाग नशे से दूरी है जरूरी अभियान चलाकर लोगों को जागरूक कर सकता है तो उसी उद्देश्य से सड़क पर बैठी महिलाओं की मांगों को गंभीरता से क्यों नहीं लिया जा रहा। विधायक ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे को विधानसभा में भी प्रमुखता से उठाया था और सरकार का ध्यान बूढ़ी शराब दुकान की ओर आकर्षित कराया था। इसके बावजूद आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल विज्ञापन और अभियान चलाने में व्यस्त है, जबकि जमीनी स्तर पर लोगों की समस्याओं का समाधान करने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि आंदोलनकारी महिलाओं ने इस मामले में न्यायालय की शरण भी ली थी। न्यायालय ने जिला प्रशासन, नगर पालिका और संबंधित विभागों को समन्वय स्थापित कर समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए थे, लेकिन न्यायालय के निर्देशों के बाद भी शराब दुकान अपने स्थान पर संचालित हो रही है। यह प्रशासनिक उदासीनता और जिम्मेदार अधिकारियों की निष्क्रियता को उजागर करता है। अनुभा मुंजारे ने कहा कि यदि प्रशासन अब भी नहीं जागा तो आंदोलन और उग्र होगा। उन्होंने घोषणा की कि जिले में नए कलेक्टर के पदभार ग्रहण करने के बाद वह स्वयं महिलाओं के साथ कलेक्टर कार्यालय पहुंचेंगी और पूरे मामले को उनके समक्ष रखेंगी। यदि इसके बाद भी कार्रवाई नहीं हुई तो लोकतांत्रिक तरीके से बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। धरना दे रही महिलाओं ने भी स्पष्ट शब्दों में कहा कि अब वे पीछे हटने वाली नहीं हैं। उनका कहना है कि यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा, जब तक शराब दुकान को रिहायशी क्षेत्र से हटाकर किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित नहीं किया जाता। महिलाओं ने कहा कि वर्षों से नेताओं और अधिकारियों ने केवल आश्वासन दिए हैं, लेकिन अब उन्हें आश्वासन नहीं, निर्णय चाहिए। बूढ़ी शराब दुकान को लेकर 110 दिनों से जारी यह आंदोलन अब प्रशासन की कार्यशैली और सरकार के नशा मुक्ति अभियान दोनों पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। एक ओर सरकार नशे के खिलाफ जागरूकता की बात करती है, वहीं दूसरी ओर उसी उद्देश्य के लिए सड़क पर बैठी महिलाओं का संघर्ष लगातार लंबा होता जा रहा है। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन इस जनआंदोलन को गंभीरता से लेते हुए कोई ठोस निर्णय करता है या फिर यह विरोध आने वाले दिनों में और बड़ा रूप लेता है।

गांजा पीने से रोकना पड़ा महंगा, तलवार लेकर घर में घुसा युवक, मां-बेटों समेत महिलाओं पर हमला, मोहल्ले में दहशत

रजा नगर में पुरानी रंजिश ने लिया हिंसक रूप, दोनों पक्ष पहुंचे कोतवाली, गांजा-शराब बेचने के आरोप भी आए सामने, पुलिस ने शुरू की जांच

पदमेश न्यूज। बालाघाट। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक-10 रजा नगर में मामूली विवाद ने रविवार शाम हिंसक रूप ले लिया। गांजा पीने से रोकने की बात को लेकर शुरू हुआ विवाद अगले ही दिन खूनी संघर्ष में बदल गया। आरोप है कि एक युवक तलवार लेकर प्रतिद्वंद्वी के घर पहुंचा और मां-बेटों सहित कई लोगों पर जानलेवा हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंची महिलाओं से भी मारपीट की गई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में महिलाएं शिकायत लेकर कोतवाली थाने पहुंचीं। जानकारी के अनुसार शनिवार को अनम आटा चक्की के पास सचिन चौहान उर्फ सचिन अंडा अपने कुछ साथियों के साथ खुलेआम गांजा पी रहा था। इसी दौरान मोहल्ले के निवासी तौसिफ ने उसे ऐसा करने से मना किया। बात बढ़ी तो दोनों पक्षों के बीच कहासुनी और विवाद हो गया। स्थिति बिगड़ते देख स्थानीय लोगों ने डायल-112 को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाइश देकर मामला शांत करा दिया। उस समय लगा कि विवाद समाप्त हो गया है, लेकिन अगले ही दिन यह रंजिश हिंसक हमले में बदल गई। रविवार शाम करीब 6:30 बजे आरोप है कि सचिन चौहान बदला लेने की नीयत से तलवार लेकर तौसिफ के घर पहुंचा। वहां उसने तौसिफ, उसके भाई साजिद और उनकी मां हलीमा खान पर हमला कर दिया। हमले में हलीमा खान के हाथ में गंभीर चोट आई, जबकि तौसिफ की उंगली भी घायल हो गई। अचानक हुए हमले से

परिवार में चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। घटना के दौरान जब मोहल्ले की महिलाएं बीच-बचाव के लिए आगे बढ़ीं तो आरोप है कि हमलावर ने उनके साथ भी मारपीट की। इतना ही नहीं, महिलाओं के चेहरे पर डाले गए दुपट्टे खींचने का भी प्रयास किया गया, जिससे क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। महिलाओं का कहना है कि यदि समय रहते लोग बीच-बचाव नहीं करते तो कोई बड़ी अप्रिय घटना हो सकती थी। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि सचिन चौहान और उसके साथी लंबे समय से मोहल्ले में गांजा और शराब के अवैध कारोबार से जुड़े हुए हैं। तौसिफ और साजिद, जो ड्राइवरी का कार्य करते हैं, का कहना है कि उन्होंने पहले भी इस संबंध में पुलिस को लिखित शिकायत दी थी, लेकिन समय पर कार्रवाई नहीं होने के कारण आरोपियों के हौसले बढ़ गए। उनका कहना है कि यदि पहले ही सख्त कदम उठाए जाते तो रविवार की यह घटना टाली जा सकती थी। दूसरी ओर, मामले ने उस समय नया मोड़ ले लिया जब आरोपी पक्ष भी शिकायत लेकर सामने आ गया। सचिन चौहान की बहन ने आरोप लगाया कि साजिद जबरन उनके घर में घुस आया और ईंट-पत्थरों से हमला किया। इस प्रकार दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। घटना के बाद बड़ी संख्या में महिलाएं कोतवाली थाना पहुंचीं और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। महिलाओं का कहना है कि यदि मोहल्ले में खुलेआम नशे का कारोबार और असामाजिक गतिविधियों पर समय रहते अंकुश नहीं लगाया गया तो भविष्य में और भी गंभीर घटनाएं हो सकती हैं। फिलहाल कोतवाली पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत दर्ज कर पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल की परिस्थितियों, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई कर रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि क्षेत्र में अवैध रूप से गांजा और शराब बेचने संबंधी लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई है। इस घटना ने एक बार फिर शहर में बढ़ती नशाखोरी और उससे जुड़े अपराधों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो छोटे-छोटे विवाद इसी तरह हिंसक घटनाओं में बदलते रहेंगे। फिलहाल पूरे मामले पर पुलिस की जांच और आगामी कार्रवाई पर सभी की नजर बनी हुई है।

सिर्फ एक किलोमीटर सड़क के लिए वर्षों से तरस रहा दैहानटोला

बरसात में कीचड़ बनी मौत की राह, वायरल वीडियो ने खोली विकास की हकीकत, बिरसा के समनापुर पंचायत का मामला, पक्की सड़क की मांग वर्षों से अधूरी, वन विभाग पर मुरूम डालकर रास्ता और खराब करने का आरोप

पदमेश न्यूज। बालाघाट। विकास के दावों और करोड़ों रुपये की सड़क योजनाओं के बीच बिरसा विकासखंड की ग्राम पंचायत समनापुर का आश्रित ग्राम दैहानटोला आज भी महज एक किलोमीटर की सड़क के लिए संघर्ष कर रहा है। बरसात शुरू होते ही यह रास्ता सड़क कम और दलदल अधिक नजर आता है। कीचड़, फिसलन और गड्ढों से भरे इस मार्ग पर रोजाना सैकड़ों ग्रामीण अपनी जान जोखिम में डालकर आवागमन करने को मजबूर हैं। हालात इतने बदतर हैं कि स्कूली बच्चों से लेकर बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं तक के लिए यह रास्ता किसी परीक्षा से कम नहीं रह गया है। अब इस मार्ग की बदहाली का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों की पोल खुल गई है।

ग्रामीणों द्वारा पद्मेश न्यूज़ को भेजे गए वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि सड़क पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो चुकी है। जगह-जगह फिसलन इतनी अधिक है कि पैदल चलना भी जोखिम भरा हो गया है। छोटे-छोटे स्कूली बच्चे किताबों का बैग लेकर गिरते-पड़ते स्कूल पहुंच रहे हैं। कई स्थानों पर बुजुर्गों को एक-दूसरे का सहारा लेकर रास्ता पार करना पड़ रहा है, जबकि गर्भवती महिलाओं और बीमार लोगों को इस रास्ते से अस्पताल तक पहुंचाना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि हर वर्ष बरसात में यही स्थिति बनती है, लेकिन जिम्मेदार विभाग केवल कागजी दावे करता है। ग्रामीण मानसिंह मरावी ने बताया कि दैहानटोला पहुंच मार्ग केवल एक किलोमीटर लंबा है, लेकिन वर्षों से इसका निर्माण नहीं हो सका। उन्होंने आरोप लगाया कि इस बार कान्हा बफर जोन उत्तर के वन विभाग ने सड़क सुधारने के नाम पर मुरूम डलवा दी, जिससे हालात और अधिक खराब हो गए। बारिश का पानी गिरते ही पूरी मुरूम कीचड़ में बदल गई और अब सड़क पहले से अधिक फिसलनभरी हो चुकी है। उनका कहना है कि यदि शुरुआत से ही इस मार्ग का पक्का निर्माण कराया जाता तो आज ग्रामीणों को इस तरह परेशान नहीं होना पड़ता। ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई नया मामला नहीं है। कई वर्षों से इस सड़क के निर्माण की मांग लगातार की जा रही है। ग्राम पंचायत से लेकर जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन तक कई बार आवेदन, ज्ञापन और मांगपत्र दिए जा चुके हैं, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला। चुनाव के समय नेताओं ने सड़क निर्माण के बड़े-बड़े वादे किए, लेकिन चुनाव खत्म होते ही यह मार्ग फिर अपनी बदहाली के भरोसे छोड़ दिया गया। परिणाम यह है कि आज भी ग्रामीण बुनियादी सुविधा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। दैहानटोला का यह मार्ग केवल एक गांव की सड़क नहीं, बल्कि सैकड़ों लोगों के जीवन का प्रमुख संपर्क मार्ग है। इसी रास्ते से बच्चे स्कूल जाते हैं, किसान खेतों तक पहुंचते हैं, महिलाएं बाजार जाती हैं और मरीज अस्पताल ले जाए जाते हैं। बरसात के दौरान यदि किसी गर्भवती महिला या गंभीर मरीज को तत्काल अस्पताल पहुंचाना पड़े तो यही सड़क सबसे बड़ी बाधा बन जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार लोग फिसलकर घायल भी हो चुके हैं, लेकिन इसके बाद भी प्रशासन की संवेदनाएं नहीं जागीं। जबकि संबंधित विभाग भी एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर मामले को टालते रहे। नतीजा यह है कि वर्षों बाद भी एक किलोमीटर की सड़क नहीं बन सकी। लोगों का कहना है कि यदि करोड़ों रुपये की योजनाएं जिले में संचालित हो सकती हैं तो एक किलोमीटर सड़क के लिए धन की कमी का तर्क समझ से परे है। अब ग्रामीणों का धैर्य जवाब देने लगा है। उनका कहना है कि यदि जल्द ही इस सड़क के निर्माण की स्वीकृति देकर पक्का मार्ग नहीं बनाया गया तो वे बड़े जनआंदोलन के लिए मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि इस बार केवल ज्ञापन देकर शांत नहीं बैठेंगे, बल्कि सड़क निर्माण तक आंदोलन जारी रहेगा। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा यह वीडियो प्रशासनिक दावों और जमीनी हकीकत के बीच की बड़ी खाई को उजागर कर रहा है। एक ओर गांवों तक विकास पहुंचाने के दावे किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर दैहानटोला जैसे गांव आज भी महज एक किलोमीटर सड़क के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अब देखना यह होगा कि वायरल वीडियो और ग्रामीणों के आक्रोश के बाद जिला प्रशासन और संबंधित विभाग इस दिशा में कोई ठोस कदम उठाते हैं या फिर यह सड़क अगले मानसून तक भी इसी तरह कीचड़ और बदहाली की तस्वीर बनी रहेगी।

कुएं में डूबने से युवक की मौत, ससुराल आए थे पत्नी को लेने

किरनापुर थाना क्षेत्र के दत्ता गांव की घटना, पुलिस ने मर्ग कायम कर शुरू की जांच

पदमेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम दत्ता में शनिवार रात एक दर्दनाक हादसा हो गया।जहां कुए की मुडेर पर बैठे एक 40 वर्षीय व्यक्ति की कुएं में गिरकर डूबने से मौत हो गई।मृतक का नाम मूलतः ग्राम सिवनीकला निवासी अमित हटिले बताया गया है।घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुची पुलिस ने, शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है तो वही मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पत्नी को लेने ससुराल आया था अमित

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक अमित हटिले (40) निवासी ग्राम सिवनीकला अपनी पत्नी को लेने उसके मायके ग्राम दत्ता आया था। रात करीब 8 बजे वह घर से यह कहकर निकला कि दुकान से गुटखा लेकर आता है। कुछ देर बाद गांव के एक युवक ने परिजनों को सूचना दी कि अमित हटिले गांव में स्थित कुएं की मुंडेर पर बैठे थे और अचानक कुएं में गिर गए।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

उधर मामले की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और तत्काल डायल-112 की सहायता ली। ग्रामीणों की मदद से अमित को कुएं से बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किरनापुर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।किरनापुर पुलिस ने धारा 194 बीएनएसएस के तहत मर्ग कायम कर शव का पंचनामा एवं पोस्टमार्टम कराने के बाद मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

रायपुर में जूते चप्पल बनाकर बेचने का करते थे काम

बताया गया कि मूलतः सिवनीकला निवासी अमित अपनी पत्नी व बच्चो के साथ पिछले 10 वर्षो से रायपुर में रहकर जूता चप्पल बनाने व बेचने का काम करते थे।पत्नी आशा का मायका ग्राम दत्ता में हैं।जो पिछले 6 महिनो से अपने मायके नही गई थी,मायके वालों की याद आने पर आशा करीबन एक सप्ताह पहले अपने बेटी निकिता हटिले के साथ मायके ग्राम दत्ता आई थी।बताया गया कि शनिवार को सुबह करीबन 11 बजे पति अमित हटिले,पत्नी को लेने रायपुर से अपने ससुराल ग्राम दत्ता आये थे और खाना खाकर दोपहर मे आराम किये,रात करीब 08 बजे पत्नी को बोले के मैं दुकान तरफ से गुटखा लेकर आता हूँ, ऐसा बताकर घर से निकले थे करीबन 08.30 बजे गांव के संजय भोडेंकर ने आशा के भतिजे दुर्गेश बारेकर को फोन कर बताया कि तेरे मामाजी अमित हटिले, धेड़ू सिंघनधुपे के घर सामने बने कुएं के मुंडेर पर बैठे थे जो बैठे-बैठे अचानक कुएं में गिर गये। जानकारी लगते ही मायके पक्ष के सभी लोग मौके पर जाकर देखे तो अमित कुएं के पानी में पट हालत में पडे थे, तब किसी ने 112 नम्बर पर फोन लगाये ,गांव वालो की सहायता से अमित को कुएं के पानी से बाहर निकालकर तत्काल ईलाज के लिए शासकीय अस्पताल किरनापुर लेकर आये जहाँ डाक्टर द्वारा अमित को मृत घोषित कर दिया।

किसी पर कोई शक नही, यह सिर्फ एक हादसा है- आशा

मृतक की पत्नी आशा हटिले ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि उन्हें अपने पति की मौत पर किसी प्रकार का संदेह नहीं है। उनके अनुसार यह एक दुर्घटना है और अमित की मौत कुएं में गिरकर डूबने से हुई है।

रमपुरी-सिहोरा मार्ग पर बना अस्थाई पुल बहा, आधा दर्जन ग्रामों का टुटा संपर्क

आवागमन बंद होने से राहगीर परेशान, किसानों को खेत तक पहुंचना हुआ दूभर, पुल का नवीन निर्माण करवाने की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से 6 किमी. दूर ग्राम पंचायत सिहोरा से रमपुरी को जोड़ने वाले प्रमुख मार्ग पर बना अस्थाई पुल एक बार फिर बारिश की भेंट चढ़ गया है। मिट्टी और मलबे से बनाया गया यह अस्थाई रास्ता बह जाने के कारण इस मार्ग पर आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया है। पुल टूटने से न केवल राहगीर बल्कि क्षेत्र के किसान और स्कूली बच्चे भी भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। जबकि लंबे समय से इस क्षतिग्रस्त पुल का नवीन निर्माण करवाने की मांग की जा रही है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है।

दो वर्ष पहले बहा था मुख्य पुल, पंचायत ने की थी अस्थाई व्यवस्था

आपकों बता दे कि सिहोरा से रमपुरी पहुंच मार्ग के बीच से नाला गुजरा है। लेकिन नाले के ऊपर पुल नही होने के आवागमन करने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। जिससे परेशान ग्रामीण एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से पक्की सड़क निर्माण के साथ ही नाले पर पुल निर्माण की मांग किये थे। जिसके बाद शासन से पुल निर्माण कार्य स्वीकृत होने के बाद विगत वर्ष पुर्व डामरीकीरण सड़क के साथ ही नाले पर पुल का निर्माण किया गया था किन्तु पुल का निर्माण गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण एवं दो वर्ष पूर्व तेज बारिश होने पर नाले में बाढ़ आने एवं पानी के तेज बहाव में पुल ढह गया यानि की क्षतिग्रस्त हो चुका है। जिसके बाद से इस मार्ग से आवागमन बंद हो गया था। वहीं दो वर्ष से ग्रामीणजन एवं राहगीर इस क्षतिग्रस्त पुल का नवीन निर्माण करवाने की मांग कर रहे है लेकिन प्रशासन के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। वहीं पुल क्षतिग्रस्त हो जाने से ग्रामीणजन एवं राहगीरों को आवागमन में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। जिसको मद्देनजर रखते हुए ग्राम पंचायत द्वारा मिट्टी और गिट्टी डालकर मरम्मत कार्य करवाकर एक अस्थाई रास्ते का निर्माण करवाया गया था। लेकिन गत दिवस हुई तेज बारिश के पानी के तेज बहाव में मिट्टी का यह बहाव टिक नहीं सका और अस्थाई पुल फिर से बह गया। पुल के बहते ही मार्ग पर गड्डे और गहरा नाला बन गया है, जिससे दुपहिया और चौपहिया सहित अन्य वाहनों से आवाजाही पूरी तरह से बंद हो गई है। वहीं पैदल आने-जाने वाले जान जोखिम में डालकर आवागमन कर रहे है जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है।

बालाघाट-सिवनी हाईवे को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग

यह मार्ग क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि यह लगभग आधे दर्जन से अधिक ग्रामों को सीधे बालाघाट-सिवनी हाईवे से जोड़ता है। रोजाना सैकड़ों लोग नौकरी, व्यापार, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य जरूरी कामों के लिए इसी रास्ते से हाईवे तक पहुंचते थे। अब रास्ता बंद होने के कारण लोगों को अधिक दुरी तय करनी पड़ेगी। जिससे समय और ईधन दोनों की बर्बादी हो रही है। वहीं पुल के उस पार दर्जनों किसानों के खेत स्थित हैं। वर्तमान में खेती-किसानी का सीजन चल रहा है, खरीफ धान का रोपाई कार्य जारी है, लेकिन पुल बह जाने से किसान न तो अपने खेतों तक ट्रैक्टर व कृषि उपकरण ले जा पा रहे हैं और न ही खाद-बीज पहुंचा पा रहे हैं। किसानों का कहना है कि अगर जल्द ही इसका कोई ठोस समाधान नहीं निकाला गया, तो उनकी फसलें प्रभावित हो सकती हैं। स्थानीय ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों का कहना है कि हर बार अस्थाई मरम्मत कर देने से समस्या का स्थाई समाधान नहीं होता। हल्की सी बारिश होते ही मिट्टी बह जाती है और स्थिति जस की तस हो जाती है। शासन-प्रशासन और संबंधित निर्माण विभाग से मांग की है कि इस मार्ग पर प्राथमिकता के आधार पर एक मजबूत और पक्के उच्च स्तरीय नवीन पुल का निर्माण करवाये ताकि हर साल बारिश में उत्पन्न होने वाली इस गंभीर समस्या से निजात मिल सके।

नवीन पुल का जल्द निर्माण करवाये प्रशासन - श्यामलाल

रमपुरी सरपंच श्यामलाल मानेश्वर ने बताया कि सिहोरा से रमपुरी पहुंच मार्ग पंचायत भवन के समीप नाले के ऊपर बना पुल दो वर्ष पूर्व क्षतिग्रस्त हो चुका है, जिसका नवीन निर्माण करवाने की मांग शासन-प्रशासन से कर रहे है लेकिन अब तक निर्माण कार्य नही किया गया है। पुल ढह जाने से आवागमन में हो रही परेशानियों को देखते हुए पंचायत के द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था के तहत कच्चा अस्थाई मरम्मत कार्य करवाया गया था। लेकिन गत दिवस हुई बारिश में वह बह चुकी है और गहरा गड्ढा बन गया है, जिससे पुनः आवागमन बंद हो चुका है। जिससे किसानों, स्कूली बच्चों एवं राहगीरों में आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, प्रशासन से मांग है कि नवीन पुल का जल्द निर्माण करवाये।

सेवानिवृत्ति पर प्रधानपाठक एमएल अड़मे को दी गई विदाई

ददिया के शास. माध्य. स्कूल में विदाई समारोह का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत ददिया स्थित शासकीय माध्यमिक स्कूल में शनिवार को विदाई समारोह कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम सरपंच श्रीमती रिषी पक्षी भलावी, पूर्व सरपंच, बीडीसी प्रतिनिधि मनीराम भोयर, पूर्व बीडीसी तुलसीराम बोपचे, सेवानिवृत्त प्रधानपाठक एमएल अड़मे, एसएमसी अध्यक्ष संजय तुमसरे, स्व-सहायता समूह अध्यक्ष मोहपत चौधरी, लकेश पंचेश्वर, गणेश आश्वले, प्रभारी प्राचार्य राजकुमार बेलेश्वर की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। विदाई समारोह के अवसर पर उपस्थित शिक्षकशिक्षिकाओं ने सेवानिवृत्त प्रधानपाठक एमएम अड़मे का तिलकवंदन कर शाल, श्रीफल, उपहार भेंट कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हे भावभीनी विदाई दी। वहीं उपस्थित अतिथियों ने सेवानिवृत्त प्रधानपाठक एमएल अड़मे के शिक्षा विभाग में ब'चों की पढ़ाई सहित अन्य जो कार्य किये गये है उसकी सराहना भी की है। आपकों बता दे कि सेवानिवृत्त प्रधानपाठक एमएल अड़में की प्रथम नियुक्ति 2 मार्च 1984 को शासकीय प्राथमिक स्कूल मिरेगांव में हुआ था, जहां अपनी सेवाएं देने के बाद 6 जुलाई 2000 में स्थानांतरण होने के बाद शासकीय कन्या माध्यमिक स्कूल अमोली में पदस्थ हुए जहां वर्ष 2010 तक सेवाएं दी है। जिसके बाद वर्ष 2010 में शासकीय हाई स्कूल बल्हारपुर में स्थानांतरण हुआ जहां उन्होने विद्यार्थियों के सर्वागीण विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य किये। वहीं 20 अप्रैल 2011 को पदोन्नत होकर प्रधानाठक बनकर शासकीय माध्यमिक स्कूल ददिया में पदस्थ हुए जहां अपनी सेवाएं दी और 62 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 31 जुलाई 2026 को सेवा निवृत्त हुए है। इस तरह प्रधानपाठक एमएल अड़मे ने शिक्षा विभाग में 42 साल सेवाएं प्रदान की है। वहीं सेवानिवृत्त प्रधानपाठक श्री अड़मे ने अपने 42 वर्ष के शिक्षा विभाग में अनुशासन, समयपालन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं विद्यार्थियों के नैतिक एवं बौध्दिक विकास को सदैव सर्वोंच प्राथमिकता दी है। वहीं विदाई कार्यक्रम के अवसर पर विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजाति के फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम के अंत में बैड़बाजे के साथ जुलूस निकालकर प्रधानपाठक श्री अड़मे को विदाई दी गई। जिसमें ग्रामीण एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपस्थित अतिथियों ने कहा कि सेवानिवृत्त प्रधानपाठक श्री अड़मे ने सदैव विद्यार्थियों के हित को प्राथमिकता देते हुए विद्यालय में अनुशासित एवं सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण तैयार किया। उनके नेतृत्व में विद्यालय ने निरंतर प्रगति की तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हुई। साथ ही श्री अड़मे के सरल, सौम्य, मिलनसार एवं कर्मनिष्ठ व्यक्तित्व की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने व्यवहार, कार्यशैली एवं ईमानदार सेवा से समाज में एक आदर्श शिक्षक की पहचान स्थापित की है। उन्होंने शिक्षा को केवल नौकरी नहीं बल्कि समाज निर्माण का माध्यम माना और अपने पूरे सेवाकाल में इसी भावना के साथ कार्य किया है। वहीं सेवानिवृत्त प्रधानपाठक श्री अड़मे ने कहा कि शिक्षा विभाग में नौकरी के दौरान बहुत कुछ सीखने को मिला है और मेरे द्वारा बच्चों को अ'छी शिक्षा प्रदान करने का कार्य किया गया है एवं अन्य शिक्षकों से भी अपील है कि वे बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के साथ ही उचित मार्गदर्शन दे ताकि उनका भविष्य बेहतर बन सके। इस अवसर पर शिक्षक संजय सोनबिरसे, देवानंद निकोसे, श्रीमती प्रतिमा पटले, प्रभारी शिक्षक सुभाष वैद्य, गनीराम रहांगडाले, नारायण टेम्भरे, वरिष्ठ शिक्षक दिनेश भोयर, सहायक शिक्षक बी.आर. नगपुरे, सहयोगी रसोइया श्रीमती श्यामकला सपाटे, श्रीमती जीरनबाई ढबाले सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कंजई में सेवानिवृत्त शिक्षकों को दी गई विदाई, नीट सफल छात्रा का हुआ भव्य सम्मान

ग्राम की बेटी श्रध्दा बिसेन का एमबीबीएस में प्रवेश मिलने की सफलता पर पूरे क्षेत्र ने जताया गर्व

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कंजई के रैन बसेरा सभागार में शुक्रवार को एक भव्य एवं गरिमामयी सम्मान सह विदाई समारोह का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत कंजई सरपंच अधि. आनंद बिसेन के मार्गदर्शन तथा समस्त ग्राम पंचायत व शाला प्राचार्य एवं शिक्षकों के संयुक्त सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में सेवानिवृत्त शिक्षकों को विदाई देने के साथ ही नीट परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता हासिल करने वाली ग्राम की बेटी का भव्य अभिनंदन किया गया। यह कार्यक्रम उपस्थित अतिथियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ, जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। जिसके बाद शिक्षा के क्षेत्र में वर्षों तक निष्ठापूर्वक सेवाएं देने वाले सेवानिवृत्त शिक्षक केशोराय तुरकर शासकीय एकीकृत माध्यमिक स्कूल टेंगनीखुर्द, सूर्यकला मेश्राम शासकीय एकीकृत माध्यमिक स्कूल कंजई को शाल, श्रीफल एवं उपहार भेंट कर विदाई दी गई। तत्पश्चात नीट परीक्षा में सफलता प्राप्त कर एमबीबीएस में प्रवेश पाने वाली प्रतिभावान छात्रा कु. श्रध्दा/अधिवक्ता आनंद बिसेन का भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने कहा कि शिक्षक समाज के असली शिल्पकार होते हैं, जो न केवल विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हैं बल्कि एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण भी करते हैं। उनका अनुभव सदैव नई पीढ़ी को दिशा दिखाता रहेगा। साथ ही श्रध्दा बिसेन की इस उपलब्धि को पूरे गांव के लिए ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण बताया। अतिथियों ने कहा कि श्रध्दा की यह सफलता गांव के अन्य छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी और उन्हें उच्च लक्ष्य तय कर मेहनत करने की सीख देगी। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कंजई सरपंच अधिवक्ता आनंद बिसेन ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और युवाओं, विद्यार्थियों से निरंतर परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ जीवन में आगे बढ़ने का आव्हान किया है। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, शासकीय माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यामिक स्कूल कंजई के शिक्षक-शिक्षिकाएं, ग्रामीणजन एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का गुरूपूजन एवं समर्पण उत्सव आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के पांढरवानी रोड़ स्थित लॉन में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का 3 अगस्त की शाम 6 बजे गुरूपूजन एवं समर्पण उत्सव का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम देशभक्ति व समाज सेवा के प्रति समर्पित भाव से बड़े ही हर्ष व उत्साह के साथ मनाया जायेगा। चर्चा में लालबर्रा खंड कार्यवाह आकाश चौहान व खंड संरक्षक संजय अग्रवाल ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गुरूपूजन व समर्पण उत्सव प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी देशभक्ति, राष्ट्र हित व समाज हित के भाव से बड़े ही उत्साह के साथ यह उत्सव मनाया जा रहा है। संघ के पदाधिकारी ने आगे बताया कि परम पवित्र भगवा ध्वज को गुरू मानकर अपने लालबर्रा का गुरू पूजन व समर्पण उत्सव होना निश्चित किया गया है। इस गुरू पूजन व समर्पण उत्सव में सामाजिक देशभक्ति कार्यक्रम में संघ के पदाधिकारियों-कार्यकर्ताओं सहित सभी सामाजिक धार्मिक संगठनों से जुड़े एवं हिंदुत्व वादी विचारधारा से जुड़े लोग तथा सर्व हिंदू सनातन समाज को इस गुरू पूजन व समर्पण उत्सव में शामिल होने की अपील की है। उक्त उत्सव में संघ के पदाधिकारी, कार्यकर्ता गणवेश में पहुंचेगें एवं अन्य सभी सर्व हिंदू सनातन समाज के लोग शुभवेश में पहुंचकर उत्सव में शामिल होवें।

20 महीने पुराने गुमशुदगी मामले में डीएनए से सुलझी मौत की गुत्थी

ब्रह्मपुर। बक्सर के परमहंस प्रसाद के बेटे विमल कुमार की 20 महीने पुराने गुमशुदगी मामले का पटाक्षेप हो गया है। एक अज्ञात शव के कंकाल से डीएनए मैच करने के बाद युवक की मौत की पुष्टि हो गई। इसके बाद पिता ने अपने पुत्र का श्राद्ध किया। ठाणे रेलवे में ग्रुप डी पद पर कार्यरत ब्रह्मपुर निवासी विमल कुमार दिसंबर 2024 में रहस्यमय ढंग से लापता हो गए थे, जिसकी प्राथमिकी उनके जीजा दीपक कुमार ने 11 जनवरी 2025 को ठाणे रेल पुलिस में दर्ज कराई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक करीब आठ महीने तक युवक का कोई सुराग पुलिस या परिवार को नहीं मिला था। मामले में मोड़ तब आया, जब आठ अगस्त 2025 को सर्विलांस के आधार पर ठाणे पुलिस ने रामगढ़ से एक किशोरी के पास से विमल का मोबाइल बरामद किया। किशोरी ने बताया कि उसे यह लावारिस मोबाइल छह माह पहले घास काटने के दौरान मिला था। रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई पुलिस और ब्रह्मपुर पुलिस ने ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के रामगढ़ गांव के बधार में घटनास्थल पर जाकर जांच की तो पाया कि 6 जनवरी 2025 को इसी स्थल से वन्य जीवों द्वारा क्षत-विक्षत किया गया एक अज्ञात युवक का नरकंकाल बरामद हुआ था। इसी आधार पर पुलिस को शक हुआ वह शव विमल का ही हो सकता है। मोबाइल और नरकंकाल मिलने का स्थान एक ही होने के आधार पर पुलिस ने कंकाल की डीएनए जांच कराई और उनके परिवार के सदस्यों से इसका मिलान हो गया। एसपी के आदेश पर पिता परमहंस प्रसाद को इसकी जानकारी दी गई। रिपोर्ट मिलते ही परिजनों की विमल के जीवित होने की उम्मीद खत्म हो गई और पिता ने धार्मिक रीति-रिवाज से उनका श्राद्ध किया। विमल वहां किन परिस्थितियों में पहुंचे और उनकी मौत कैसे हुई, यह मामला अब भी उलझा है। पिता ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई है। उन्होंने इसे साजिशन हत्या बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ठाणे पुलिस द्वारा मोबाइल से मिले डिजिटल साक्ष्यों को सौंपने के प्रस्ताव के बावजूद ब्रह्मपुर पुलिस प्रक्रियात्मक स्वीकृति का हवाला देकर महाराष्ट्र नहीं गई और न्याय के नाम पर केवल आश्वासन दे रही है।

गर्रा-पिपरिया डामर मार्ग खस्ताहाल राहगीर परेशान

जर्जर सड़क से बढ़ी ग्रामीणों की मुसीबत हादसों को न्योता दे रहे जानलेवा गड्ढे

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत गर्रा से पिपरिया को जोड़ने वाला डामर मार्ग इन दिनों काफी बदहाली हो गया है। देखरेख के अभाव में सड़क की डामर की परतें उखड़ रही हैं और सड़क पर बारीक गिट्टी बिखरी पड़ी है। बारिश के पानी के ठहराव और लगातार वाहनों की आवाजाही से सड़क पर बड़े.बड़े जानलेवा गड्ढे बन गए हैं जिससे इस मार्ग पर सफर करना बेहद खतरनाक हो गया है। खस्ताहाल सड़क को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है और वे जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत या पुनर्निर्माण की मांग कर रहे हैं।

डबल कोट का काम भी साबित हुआ बेअसर

प्राप्त जानकारी के अनुसार गर्रा से पिपरिया जाने वाला यह मार्ग आरंभा को सीधा जोड़ता है वहीं आगे जाकर डोंगरमाली की ओर भी निकलता है। वारासिवनी मुख्यालय पहुँचने के लिए इस एक सुगम और बायपास मार्ग के रूप में बड़ी संख्या में लोग इस्तेमाल करते हैं। बताया जा रहा है कि कुछ समय पूर्व ही संबंधित विभाग के द्वारा इस सड़क पर डबल कोट का कार्य कराया गया था। लेकिन खराब निर्माण या देखरेख की कमी के कारण यह कार्य कुछ महीने भी नहीं टिक सका। वर्तमान में डामर की परतें उधड़ चुकी हैं और साइड शोल्डर कटने से सड़क पर अनगिनत छोटे.बड़े गड्ढे उभर आए हैं। मानसून के दौरान इस मार्ग की स्थिति और अधिक नारकीय हो जाती है। सड़क पर बने गहरे गड्ढों में जलभराव होने के कारण चालकों को गड्ढों की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। इसके परिणामस्वरूप आए दिन मोटरसाइकिलें अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो रही हैं। इस मार्ग का सबसे ज्यादा उपयोग स्कूली छात्र.छात्राएं, कॉलेज के विद्यार्थी और दैनिक कार्यों से मुख्यालय आने जाने वाले ग्रामीण करते हैं। आए दिन हो रही दुर्घटनाओं में कई लोग चोटिल भी हो चुके हैं जिससे लोगों का गुस्सा लगातार बढ़ता जा रहा है। ग्रामीण लंबे समय से इस मार्ग की स्थिति में सुधार के लिए संबंधित विभाग और प्रशासन से गुहार लगा रहे हैं। इसके बावजूद प्रशासनिक स्तर पर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। विभाग की इस अनदेखी का खामियाजा रोज हजारों राहगीरों को अपनी जान जोखिम में डालकर भुगतना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि जल्द सड़क की मरम्मत या नवीन निर्माण का कार्य शुरू कराया जायें।

बारिश में रोड के गड्ढे समझ नहीं आते हैं चलना मुश्किल हो गया है-गंगाधर मालेवार

राहगीर गंगाधर मालेवार ने बताया कि इस मार्ग से हमारा प्रतिदिन आना जाना बना रहता है। यह जो सड़क है वह आरंभा से वारासिवनी को जोड़ती है चिचोली कन्हडगांव होते हुए जाती है। इसको एक बार बनाया गया है फिर दोबारा इसे बनाया नहीं गया है भयंकर गड्ढे हो गए हैं। बारिश में रोड के गड्ढे समझ नहीं आते हैं चलना मुश्किल हो गया है। लगातार दुर्घटनाएं होती रहती है गड्ढे समझ नहीं आते हैं पानी भरा रहता है। यह जो गर्रा से पिपरिया का मार्ग है यह बहुत ज्यादा खराब है जबकि इस मार्ग से आधा दर्जन ग्राम के लोग जोड़ते हैं। कुछ लोग नवेगांव होते हुए जाते हैं परंतु उधर से उन्हें लंबा फेरा पड़ता है इस सड़क की स्थिति ठीक नहीं है। इसे बनाया जाना चाहिए मरम्मत किया जाना चाहिए वैसे तो वारासिवनी आधा घंटे का रास्ता है पर सड़क के कारण एक घंटा लगता है।

इस मार्ग की स्थिति पर प्रशासन गंभीरता से संज्ञान ले-रामचंद्र गाते

ग्रामीण रामचंद्र गाते ने बताया कि हम गर्रा रहते हैं इस सड़क से आना.जाना होता रहता है इसकी स्थिति बहुत ज्यादा बेकार हो गई है। डामर की परतें उधड रही है १ वर्ष पहले इस सड़क पर डबल कोट किया गया था उसके बाद यह सड़क फिर खराब हो गई और मरम्मत फिर आज तक नहीं हुई है। भारी परेशानियों के बीच लोग आना जाना करते हैं आरंभ वालों के लिए यह समीप का मार्ग है। विद्यार्थी भी यही से प्रतिदिन विद्यालय के लिए आना जाना करते हैं। सभी के साथ आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है संभावना बनी हुई है यहां से लोग आगे बेनी, साकड़ी ,डोंगरमाली तक जाते हैं। सबसे ज्यादा समस्या रात्रि के समय होती है क्योंकि मार्ग पर प्रकाश व्यवस्था भी नहीं है विभाग को इस मार्ग की स्थिति पर गंभीरता से संज्ञान लेना चाहिए।

१७ साल की सेवा के बाद लौटे मां भारती के वीर सपूत मनोज बिसेन

पूर्व मंत्री जायसवाल व विधायक पटेल ने किया सम्मान,डीजे.आतिशबाजी के साथ निकाली भव्य स्वागत रैली

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। भारतीय सेना में राष्ट्र सेवा का अपना कर्तव्य पूरी निष्ठा साहस और समर्पण के साथ निभाकर वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम लालपुर के वीर सपूत मनोज बिसेन सेवानिवृत्त होकर अपने गृह नगर व गांव वापस लौटे हैं। १७ वर्षों से अधिक समय तक देश की सीमाओं और अति दुर्गम इलाकों की सुरक्षा करने के बाद २ अगस्त की दोपहर में मनोज बिसेन का आगमन वारासिवनी क्षेत्र में हुआ। उनके आगमन की खबर मिलते ही पूरे नगर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में देशभक्ति का अद्भुत उत्साह और जश्न का माहौल देखने को मिला। सेवानिवृत्त फौजी मनोज बिसेन के वारासिवनी आगमन पर जय स्तंभ चौक पर ग्रामीण एवं नगरवासियों ने जमकर आतिशबाजी की और भारत माता के जयकारों के साथ उनका ऐतिहासिक स्वागत किया। इस गरिमामय अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल एवं क्षेत्रीय विधायक विवेक पटेल ने विशेष रूप से उपस्थित होकर सेवानिवृत्त जवान मनोज बिसेन का शाल भेंट कर आत्मीय अभिनंदन किया। दोनों जनप्रतिनिधियों ने उनके १७ वर्षों के अदम्य साहस की सराहना करते हुए उनके दीर्घायु जीवन और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं कीं। जय स्तंभ चौक पर सम्मान समारोह के पश्चात देशभक्ति के गीतों और डीजे की धुन पर सेवानिवृत्त जवान मनोज बिसेन को फूलों से सजी जिप्सी में सवार करवाया गया। तत्पश्चात एक विशाल स्वागत रैली निकाली गई जिसने वारासिवनी नगर के विभिन्न प्रमुख चौक.चौराहों, गलियों और बाजारों का भ्रमण किया। जगह जगह नगर वासियों ने पुष्पवर्षा कर वीर सपूत का अभिवादन किया। इसके बाद यह रैली दीनदयाल चौक से होते हुए रामपायली रोड के मार्ग से गुजरी और विभिन्न ग्रामों में ग्रामीणों का अभिवादन स्वीकार करते हुए उनके गृह ग्राम लालपुर पहुंची। जहाँ ग्राम में भव्य स्वागत कार्यक्रम संपन्न किया गया। जवान मनोज बिसेन ने अपने १७ साल से अधिक के लंबे और गौरवशाली सेवाकाल में देश के कई अति.संवेदनशील मोर्चों पर अपनी सेवाएं दी हैं। उनकी प्रथम पोस्टिंग पठानकोट में रही इसके आलावा उन्होंने कारगिल, भटिंडा, जोशीमठ, बिनगुड़ी, सिकंदराबाद सहित अनेक स्थानों पर अपनी सेवा दी है। गृह ग्राम लालपुर पहुँचने पर परिजनों और ग्रामवासियों ने अपनी आंखें नम कर गर्व से अपने लाल का स्वागत किया। ग्रामीणों ने कहा कि मनोज बिसेन ने कठिन परिस्थितियों में देश की रक्षा कर पूरे वारासिवनी क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इसी भावना के साथ समस्त ग्रामवासी ने अपने वीर सपूत को सेवानिवृत्त जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नगरवासी सहित ग्रामवासी मौजूद रहे।

नगरीय क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था लड़खड़ाई

बार-बार हो रही बिजली कटौती से आम नागरिक परेशान

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगरीय क्षेत्र लांजी में पिछले करीब एक पखवाड़े से विद्युत व्यवस्था पूरी तरह लड़खड़ाई हुई नजर आ रही है। दिन हो या रात, बिना पूर्व सूचना के बार-बार हो रही बिजली कटौती ने आम नागरिकों के साथ-साथ उन व्यापारियों की मुश्किलें भी कई गुना बढ़ा दी हैं जिनका कारोबार पूरी तरह विद्युत आपूर्ति पर निर्भर है। हालात यह हैं कि नगरवासियों में विभागीय कार्यप्रणाली को लेकर भारी नाराजगी व्याप्त है। नगर में पिछले कई दिनों से कभी मेंटेनेंस तो कभी फाल्ट के नाम पर बिजली आपूर्ति लगातार बाधित हो रही है। लोगों का कहना है कि यदि पूरे वर्ष विद्युत लाइनों और उपकरणों का नियमित मेंटेनेंस किया जाता है तो मामूली बारिश या हल्के आंधी-तूफान के बाद ही व्यवस्था बार-बार क्यों चरमरा जाती है। बार-बार होने वाली कटौती ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर मेंटेनेंस का वास्तविक लाभ उपभोक्ताओं को क्यों नहीं मिल पा रहा है। लगातार बाधित हो रही विद्युत सेवा का सबसे अधिक असर छोटे व्यापारियों पर पड़ा है। कम्प्यूटर सेंटर, फोटो कॉपी, प्रिंटिंग, वेल्डिंग, मोबाइल रिपेयरिंग, सैलून सहित बिजली आधारित कई व्यवसायों का काम प्रभावित हो रहा है, जिससे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। वहीं घरेलू उपभोक्ताओं को भी भीषण गर्मी और उमस के बीच घंटों अंधेरे में समय बिताना पड़ रहा है। इधर नगर में यह चर्चा भी तेज है कि मेंटेनेंस कार्य में उपयोग की जा रही सामग्रियों की गुणवत्ता को लेकर लोगों के बीच असंतोष है। लगातार सामने आ रही तकनीकी खराबियों के कारण उपभोक्ताओं का विभागीय व्यवस्था से भरोसा डगमगाने लगा है। नगरवासियों का मानना है कि यदि समय रहते व्यवस्था को स्थायी रूप से दुरुस्त नहीं किया गया तो आने वाले बारिश के दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

इनका कहना है

आज डोंगरगांव लाइन में फाल्ट होने के कारण विद्युत सेवा प्रभावित हुई है। अलग-अलग दिनों में भी विभिन्न कारणों से विद्युत आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिसे हमारे द्वारा तत्काल सुधारकर निर्बाध रूप से चालू करने का प्रयास किया जाता है। उपकरणों के बार-बार खराब होने का कोई बड़ा कारण नहीं है। जो भी उपकरण हमें उपलब्ध होते हैं, वे वरिष्ठ स्तर पर जांच-पड़ताल के बाद ही प्राप्त होते हैं।

ललित सिंह मार्को,
कनिष्ठ अभियंता,
विद्युत विभाग, लांजी

मंगेझरी में जंगली सूअरों का आतंक से ग्रामीणों ने की बैठक

बैठक में फूटा ग्रामीणों का गुस्सा उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी वन विभाग अंतर्गत आने वाले ग्राम मंगेझरी में जंगली सूअरों के बढ़ते आतंक और हमलों से ग्रामीणों में भारी दहशत और आक्रोश का माहौल है। लगातार हो रहे हमलों और जन.धन की हानि से परेशान ग्रामीणों की पहल पर २ अगस्त को गांव में वन विभाग के अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। यह बैठक सुबह ९ बजे आयोजित हुई जो लगभग २ घंटे तक चली। इसमें वन विभाग की ओर से डिप्टी रेंजर ताराचंद डोंगरे और वनरक्षक आलोक बिसेन उपस्थित रहे। बैठक के दौरान ग्रामीणों ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गहरा असंतोष व्यक्त करते हुए स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए गए तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

बीते एक माह में लगातार हमले ४ घायल १ मवेशी की मौत

विभिन्न टोलों में बंटे ग्राम मंगेझरी की सीमाएं सीधे जंगल क्षेत्र से लगती हैं। जुलाई माह से लेकर अब तक जंगली सूअरों के हमलों में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं जबकि एक पशु की जान जा चुकी है इसमें ९ जुलाई को मंगल चौधरी पर हमला हुआ ,२९ जुलाई को तेजलाल उदयपुरे और उनकी पत्नी चेतना उदयपुरे पर जानलेवा हमला,१ अगस्त को महेंद्र मर्सकोले पर हमला हुआ सभी को गंभीर चोटें आईं हैं जिनका उपचार जारी हैं। वही जंगली सूअर के हमले में राधेलाल नेवारे की एक बकरी की मौत हो गई। इन सिलसिलेवार घटनाओं से ग्रामीणों में भय व्याप्त है और वे अपने खेतों व घरों से बाहर निकलने में भी कतरा रहे हैं। बैठक में आक्रोशित ग्रामीणों ने अधिकारियों के समक्ष अपनी मांगें रखी कि जानवरों को जंगल की ओर खदेड़ा जाए। वन विभाग तत्काल अभियान चलाकर गांव में घूम रहे जंगली सूअरों को वापस घने जंगलों की ओर खदेड़े। आवासीय व कृषि क्षेत्रों से लगे जंगल के किनारों पर मजबूत फेंसिंग की जाए एवं हाल ही में हुए हमलों और नुकसान के सभी मामलों में नियमानुसार त्वरित प्रकरण दर्ज कर पीडितों को उचित मुआवजा प्रदान किया जाए। यदि यह मांगे पूरी नहीं हुई तो जल्द उग्र आंदोलन होगा और सारी जानकारी विभाग की होगी।

समाधान नही होने पर उग्र आंदोलन किया जाएगा जिसकी जिम्मेदारी वन विभाग की होगी-देवेंद्र चौहान

वन समिति अध्यक्ष देवेंद्र चौहान ने बताया कि ग्राम में जंगली सूअर का आतंक बढ़ गया है। जुलाई से अभी तक जंगली सूअर के हमले में चार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए तो वही एक बकरी की मौत भी हो गई है। ग्रामीण डरे हुए हैं लोगों के जान माल की हानि हो रही है। विभाग वन्यजीवों की सुरक्षा और ग्रामीणों की जान माल की रक्षा करने में पूरी तरह से विफल साबित हो रहा है। विभाग के सामने हमने कुछ मांगे रखी है यदि जल्द से जल्द इन मांगों पर अमल करते हुए क्षेत्र को सुरक्षित नहीं करता तो आने वाले दिनों में एसडीएम सहित वन विभाग के समस्त अधिकारियों को ज्ञापन देकर उग्र जन.आंदोलन किया जाएगा जिसकी पूरी जिम्मेदारी वन विभाग की होगी।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि मंगेझरी के कुछ लोग जंगली सूअर के हमले में घायल हो चुके हैं। जिससे आक्रोशित ग्रामीणों ने बैठक बुलाई थी ग्रामीणों के द्वारा जंगली सूअर को पकड़ने खदेडने फेंसिंग करने मांग की जा रही है। जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों अवगत करवा दिया गया। वहीं घायल लोगों के प्रकरण भी तैयार कर दिए गए हैं।

ताराचंद डोंगरे
डिप्टी रेंजर वन विभाग वारासिवनी

साकड़ी में अज्ञात बाइक की टक्कर से दो व्यक्ति घायल जिला चिकित्सालय रिफर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम साकड़ी में रविवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यहाँ एक अज्ञात मोटरसाइकिल चालक ने वाहन चलाते हुए सामने से आ रही बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कटंगझरी निवासी पूरनलाल रहाँगडाले ६५ वर्ष, प्रिंस रहाँगडाले १४ वर्ष के साथ मोटरसाइकिल के द्वारा किसी निजी काम से देवरी महाराष्ट्र जा रहे थे। यात्रा के दौरान जैसे ही वे ग्राम साकड़ी के समीप पहुँचे तभी सामने से आ रही एक अज्ञात मोटरसाइकिल के चालक ने उनकी बाइक को जबरदस्त टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि पूरनलाल रहाँगडाले ने वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया और मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। दुर्घटना में पूरनलाल और प्रिंस दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। घटना के तुरंत बाद राहगीरों की मदद से संजीवनी १०८ एम्बुलेंस को सूचना दी गई। मौके पर पहुँची १०८ की टीम ने दोनों घायलों को तत्काल उपचार के लिए सिविल अस्पताल वारासिवनी पहुँचाया। जहाँ डॉक्टरों ने घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के उपरांत उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रिफर कर दिया है।

चंदा चोरी पर घिर रही थी भाजपा, विपक्ष ने भगवा लाकर खुद के पैर पर मार ली कुल्हाड़ी

राजनीति में एक बहुत पुरानी कहावत है कि जब आपका विरोधी खुद गलती कर रहा हो, तो उसके रास्ते में कभी नहीं आना चाहिए। लेकिन विपक्ष के सलाहकारों को शायद यह बुनियादी बात समझ नहीं आती। वे अक्सर विरोधी के पैर पर कुल्हाड़ी मारने का इंतज़ार नहीं करते, बल्कि खुद ही कुल्हाड़ी उठाकर अपने पैर पर मार लेते हैं। शुक्रवार की घटना को ही देख लीजिए। एक तरफ चंदा चोरी के मुद्दे पर सत्ता पक्ष पूरी तरह बैकफुट पर था। जनता के बीच गंभीर सवाल तैर रहे थे और सरकार के पास कोई साफ जवाब नहीं था। यह एक ऐसा बना-बनाया मुद्दा था, जिसे विपक्ष आसानी से अपने पक्ष में भुना सकता था। लेकिन ठीक इसी मोड़ पर विपक्ष के किसी परम ज्ञानी रणनीतिकार ने अपना दिमाग चलाया। उन्होंने चंदा चोरी के एक ड्रामे में भगवा कपड़े पहने एक संत को चोर के रूप में पेश कर दिया। नतीजा क्या हुआ? जो मुद्दा भ्रष्टाचार, पारदर्शिता और जनता की गाढ़ी कमाई की लूट का था, वह पलक झपकते ही बदल गया। अब वह सनातन के अपमान का नैरेटिव बन गया । अब उल्टा विपक्ष हाथ जोड़कर यह सफाई दे रहा है कि उनका उद्देश्य किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाना नहीं था। यह पहली बार नहीं है जब विपक्ष ने अपनी ही टीम के खिलाफ आत्मघाती गोल किया हो। असल समस्या यह है कि विपक्ष के रणनीतिकारों को ज़मीन का कोई ज्ञान ही नहीं है। वे वातानुकूलित कमरों में बैठकर सोशल मीडिया के ट्रेंड्स को ही पूरे देश का मूड मान लेते हैं। उन्हें लगता है कि आम जनता उनके बारीक कटाक्ष और प्रतीकों को उसी तरह समझेगी जैसे कोई बुद्धिजीवी समझता है। सच तो यह है कि आज देश के लोग इस तरह के व्यंग्य समझने के मूड में बिलकुल नहीं हैं। राजनीति हमेशा एक नैरेटिव से चलती है। लेकिन विपक्ष हर बार उसी पिच पर खेलने चला जाता है जिसे भाजपा ने उनके लिए तैयार किया है। विपक्ष को यह बात गाँठ बाँध लेनी चाहिए कि वे हिंदुत्व की पिच पर भाजपा का मुकाबला कभी नहीं कर सकते। वह उनकी अपनी पिच है और वहां उनका मुकाबला करने का मतलब है सीधे क्लीन बोल्ड होना। विपक्ष के पास मुद्दों की कभी कोई कमी नहीं रही, लेकिन अपनी रणनीतिक कमियों के कारण उन्होंने हमेशा बड़े मौके गँवाए हैं। जब भी देश में बेरोजगारी, महंगाई या पेपर लीक जैसे युवा और आम जनता से जुड़े मुद्दे गर्म होते हैं, विपक्ष सरकार को घेरने के बजाय किसी सांस्कृतिक या धार्मिक विवाद में कूद पड़ता है। जब जनता महंगाई से त्रस्त होती है, तब विपक्ष के कुछ नेता संसद से लेकर सड़क तक भगवान, धर्मग्रंथों या आस्था से जुड़ी चीज़ों पर ऐसी टिप्पणियां कर देते हैं जिससे पूरी बहस का रुख ही मुड़ जाता है। नतीजा यह होता है कि जो जनता सुबह सरकार की आर्थिक नीतियों से नाराज थी, वह शाम तक अपनी आस्था के बचाव में खड़ी हो जाती है। जहां आपको सरकार की जवाबदेही तय करनी थी, वहां आपने पूरी बहुसंख्यक आबादी को ही रक्षात्मक मुद्रा में लाकर अपने खिलाफ खड़ा कर लिया। विपक्ष को अब यह तय करना होगा कि उन्हें राजनीति करनी है या समाज सुधारक बनना है। आप एक साथ दोनों नावों पर सवारी नहीं कर सकते। जनता आज नौकरी, सड़क, पानी, अस्पताल और अपने बच्चों के भविष्य पर बात करना चाहती है।

तेल, युद्ध, ब्याज दर और निवेश- वैश्विक आर्थिक तूफान में भारत की बाजार- नाव कितनी सुरक्षित?

वैश्विक स्तरपर वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में वर्ष 2026 का समय एक ऐसे दौर के रूप में उभर रहा है,जिसमें ईरान-अमेरिका, यूक्रेन-रूस युद्ध, भू- राजनीतिक तनाव,ऊर्जा संकट,ऊंची ब्याज दरें, वैश्विक पूंजी का तेज आवागमन और तकनीकी परिवर्तन,सभी मिलकर विश्व अर्थव्यवस्था की दिशा तय कर रहे हैं। ऐसे वातावरण में भारत का शेयर बाजार केवल घरेलू निवेशकों की आशावादिता का प्रतिबिंब नहीं,बल्कि भारत की आर्थिक क्षमता, राजनीतिक स्थिरता, डिजिटल विस्तार, बुनियादी ढांचा निवेश और दीर्घकालिक विकास संभावनाओं का संकेतक भी बनता जा रहा है।बता दे कि दिनांक 1 अगस्त 2026 से भारत सरकार ने वाणिज्यिक सिलेंडर में 200 रूपए की कमी की है जो तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है। 3 से 5 अगस्त 2026 के बीच होने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक में ब्याज दर,महंगाई, विकास, रुपये और वैश्विक जोखिमों के बीच संतुलन प्रमुख विषय रहेंगे। 31 जुलाई 2026 को भारतीय बाजारों में लगातार तीसरे सत्र की तेजी दिखाई दी और सेंसेक्स लगभग 78 हजार अंक के स्तर के आसपास बंद हुआ, जबकि निफ्टी 24,350 के ऊपर बना रहा। यह मजबूती ऐसे समय में आई है,जब पश्चिम एशिया की अस्थिरता, बढ़ती ऊर्जा कीमतें और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल वैश्विक निवेशकों के सामने नई चिंताएं खड़ी कर रहे हैं।अगस्त 2026 के शुरुआती हफ्ते (3 अगस्त से 7 अगस्त) के लिए भारतीय शेयर बाजार का रुझान सतर्कता के साथ मजबूती की ओर इशारा कर रहा है बाजार के जानकारों के मुताबिक, इस हफ्ते 4 बड़े ट्रिगर्स हैं जो मार्केट की दिशा तय करेंगे।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि भारतीय बाजार की यह मजबूती इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि विश्व अर्थव्यवस्था आज दो विपरीत शक्तियों के बीच खड़ी है। एक ओर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, सेमी कंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा और नई औद्योगिक क्षमता निवेश के अवसर पैदा कर रहे हैं; दूसरी ओर युद्ध, आपूर्ति- श्रृंखला बाधाएं, ऊर्जा असुरक्षा, व्यापारिक संरक्षणवाद और महंगी पूंजी विकास की गति पर दबाव डाल रहे हैं। अमेरिका में 31 जुलाई को प्रमुख शेयर सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए और जुलाई का समापन सकारात्मक रहा। मजबूत कॉर्पोरेट परिणामों तथा एआई निवेश से जुड़ी आशाओं ने बाजार को समर्थन दिया, लेकिन बढ़ते तेल मूल्य और ऊंचे ट्रेजरी प्रतिफल ने महंगाई तथा भविष्य की ब्याज दरों को लेकर सटीकता से चिंता भी बढ़ाई। साथियों, भारत के लिए सबसे बड़ी बाहरी आर्थिक चुनौती कच्चे तेल की कीमत है।भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करता है।इसलिए तेल की कीमत बढ़ने का प्रभाव केवल पेट्रोल और डीजल तक सीमित नहीं रहता,बल्कि परिवहन लागत, खाद्य कीमतों,औद्योगिक उत्पादन,उर्वरक, विमानन, व्यापार घाटे और सरकारी वित्त तक पहुंचता है। पश्चिम एशिया में तनाव या आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में भारत का आयात बिल बढ़ सकता है और रुपये पर दबाव आ सकता है। वर्तमान परिस्थितियों में भारतीय तेल कंपनियों द्वारा स्पॉट बाजार से अतिरिक्त कच्चे तेल की खरीद यह संकेत देती है कि ऊर्जा आपूर्ति की निरंतरता और जोखिम प्रबंधन अब आर्थिक नीति का अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं।तेल की बढ़ती कीमतों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव बहुस्तरीय होता है। पहला प्रभाव चालू खाते के घाटे पर पड़ता है, क्योंकि अधिक विदेशी मुद्रा तेल आयात पर खर्च होती है। दूसरा प्रभाव रुपये पर पड़ता है; यदि डॉलर की मांग बढ़ती है तो रुपये में कमजोरी आ सकती है। तीसरा प्रभाव महंगाई पर पड़ता है, क्योंकि परिवहन और उत्पादन लागत बढ़ने से वस्तुओं तथा सेवाओं के मूल्य प्रभावित होते हैं। चौथा प्रभाव कंपनियों के लाभ पर पड़ता है, विशेषकर विमानन, रसायन, परिवहन, लॉजिस्टिक्स और ऊर्जा-गहन उद्योगों पर। इसलिए भारतीय शेयर बाजार की वर्तमान मजबूती को समझते समय यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि क्या बाजार तेल जोखिम को पर्याप्त रूप से ध्यान में रख रहा है, या निवेशकों का विश्वास अभी घरेलू विकास संभावनाओं पर अधिक केंद्रित है। साथियों, दूसरी बड़ी वैश्विक चुनौती अमेरिकी बॉन्ड यील्ड है।जब अमेरिका के दीर्घकालिक सरकारी बॉन्डों पर प्रतिफल बढ़ता है, तो वैश्विक निवेशकों के सामने भी एक अपेक्षाकृत सुरक्षित निवेश विकल्प अधिक आकर्षक हो जाते हैं। इससे उभरते बाजारों में विदेशी पूंजी का प्रवाह धीमा पड़ सकता है।हाल के घटनाक्रमों में अमेरिकी 30- वर्षीय ट्रेजरी यील्ड लगभग 5 प्रतिशत से ऊपर पहुंचने और मौद्रिक नीति की विश्वसनीयता तथा महंगाई के संबंध में चिंताओं ने वैश्विक वित्तीय बाजारों को प्रभावित किया है।ऊंची अमेरिकी बॉन्ड यील्ड का भारत पर प्रभाव तीन प्रमुख माध्यमों से पड़ सकता है। पहला, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारतीय शेयर और बॉन्ड बाजार से धन निकालकर अमेरिकी परिसंपत्तियों की ओर जासकते हैं। दूसरा, डॉलर मजबूत होने पर रुपये पर दबाव बढ़ सकता है। तीसरा, भारत में सरकारी और कॉर्पोरेट उधारी की लागत बढ़ सकती है। 31 जुलाई 2026 को भारत की 10-वर्षीय सरकारी बॉन्ड यील्ड लगभग 6.81 प्रतिशत के आसपास रही, जो यह दर्शाती है कि घरेलू बॉन्ड बाजार भी वैश्विक ब्याज दरों, तेल कीमतों और विदेशी निवेश प्रवाह से प्रभावित है। साथियों,फिर भी भारत की स्थिति कई अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अपेक्षाकृत मजबूत दिखाई देती है। भारत के पास बड़ा घरेलू उपभोक्ता बाजार,युवा जनसंख्या,डिजिटल भुगतान प्रणाली, तेजी से बढ़ता बुनियादी ढांचा, विनिर्माण विस्तार और सेवा क्षेत्र की क्षमता है। भारत की अर्थव्यवस्था केवल निर्यात पर निर्भर नहीं है; घरेलू मांग भी विकास का एक महत्वपूर्ण आधार है। यही कारण है कि वैश्विक अनिश्चितता के बावजूद भारत को दीर्घकालिक निवेश के लिए एक महत्वपूर्ण गंतव्य माना जा रहा है। लेकिन भारत को सुरक्षित निवेश केंद्र कहना तभी उचित होगा,जबआर्थिक वृद्धि के साथ रोजगार, उत्पादकता, निजी निवेश, निर्यात क्षमता और वित्तीय स्थिरता भी मजबूत बनी रहे।भारतीय शेयर बाजार की वर्तमान मजबूती में घरेलू निवेशकों की भूमिका भी उल्लेखनीय है। म्यूचुअल फंड, व्यवस्थित निवेश योजनाओं और खुदरा निवेशकों की बढ़ती भागीदारी ने बाजार को विदेशी पूंजी के उतार-चढ़ाव से कुछ हद तक सुरक्षा प्रदान की है। पहले विदेशी संस्थागत निवेशकों की बड़ी बिकवाली के समय बाजार में तीव्र गिरावट देखने को मिलती थी, लेकिन अब घरेलू संस्थागत निवेशक और खुदरा निवेशक बाजार को स्थिर रखने में अधिक सक्षम दिखाई देते हैं। हालांकि इसका दूसरा पक्ष यह है कि अत्यधिक उत्साह के कारण कुछ शेयरों का मूल्यांकन वास्तविक आय और लाभ वृद्धि से आगे निकल सकता है। इसलिए बाजार की तेजी को आर्थिक मजबूती के साथ-साथ मूल्यांकन और जोखिम के आधार पर भी परखना आवश्यक है। साथियों, भारत के सामने एक महत्वपूर्ण अवसर चीन-प्लस-वन रणनीति और वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखला के पुनर्गठन से भी जुड़ा है। अनेक अंतरराष्ट्रीय कंपनियां उत्पादन को एक ही देश पर निर्भर रखने के बजाय विभिन्न देशों में विस्तार करना चाहती हैं।भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल निर्माण, सेमीकंडक्टर, रक्षा उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा, ऑटोमोबाइल और डिजिटल सेवाओं में अपनी भूमिका बढ़ा सकता है। यदि भारत भूमि, बिजली, लॉजिस्टिक्स, कौशल, अनुसंधान और नियामकीय प्रक्रियाओं में सुधार की गति बनाए रखता है, तो वैश्विक निवेश का बड़ा हिस्सा आकर्षित किया जा सकता है। इस दृष्टि से भारत केवल बाजार नहीं, बल्कि भविष्य की उत्पादन और तकनीकी शक्ति बनने की क्षमता रखता है।इसके साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक की आगामी मौद्रिक नीति बैठक भी बाजार और अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण होगी।

3 से 5 अगस्त 2026 के बीच होने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक में ब्याज दर, महंगाई, विकास, रुपये और वैश्विक जोखिमों के बीच संतुलन प्रमुख विषय रहेंगे। आर्थिक विशेषज्ञों के एक सर्वेक्षण में अधिकांश प्रतिभागियों ने अनुमान लगाया है कि आरबीआई अगस्त में नीतिगत दर को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रख सकता है, क्योंकि पश्चिम एशिया से जुड़े जोखिम और विकास संबंधी चिंताएं तत्काल दर वृद्धि के पक्ष में नहीं हैं। साथियों, आरबीआई के सामने चुनौती यह है कि यदि तेल की कीमतों के कारण महंगाई बढ़ती है, तो ब्याज दरों को लंबे समय तक कम रखना कठिन हो सकता है। लेकिन यदि ब्याज दरें बढ़ाई जाती हैं, तो उद्योग, आवास, वाहन और छोटे व्यवसायों के लिए ऋ्रण महंगा हो सकता है। इसलिए मौद्रिक नीति को केवल महंगाई नियंत्रण के उपकरण के रूप में नहीं, बल्कि आर्थिक विकास, वित्तीय स्थिरता और निवेश विश्वास के संतुलन के रूप में देखना होगा। भारतीय बाजार की अगली दिशा काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगी कि आरबीआई वैश्विक जोखिमों को अस्थायी मानता है या दीर्घकालिक। भारत के बॉन्ड बाजार के लिए एक अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम वैश्विक बॉन्ड सूचकांक में भारतीय सरकारी प्रतिभूतियों के शामिल होने में देरी है। यह निर्णय विदेशी पूंजी प्रवाह और भारत के वैश्विक वित्तीय एकीकरण की अपेक्षाओं को प्रभावित कर सकता है। हालांकि यह अल्पकालिक निराशा का विषय है, लेकिन इसे बाजार ढांचे, निपटान प्रणाली और निवेशक पहुंच में सुधार के अवसर के रूप में भी देखा जाना चाहिए।भारत को केवल विदेशी पूंजी आकर्षित करने के बजाय ऐसा वित्तीय ढांचा विकसित करना होगा, जो दीर्घकालिक निवेश को स्थिरता और पारदर्शिता के साथ बनाए रख सके।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

निर्वाचित तानाशाही की अभेद्य दीवार में छेद:युवाओं ने दिखाया रास्ता

-राम पुनियानी

कॉकरोच जनता पार्टी की स्थापना और जंतर मंतर पर उसके हालिया जबरदस्त विरोध प्रदर्शन के बारे में हम सब जानते हैं। वर्दीधारी पुलिस और गैर-वर्दीधारी शंकास्पद व्यक्तियों ने दिल्ली और अन्य स्थानों पर युवाओं पर लाठीचार्ज किया और उनके खिलाफ पैलेट गन और यहां तक कि एके-47 राइफल तक का इस्तेमाल किया गया। यह सब लोकतांत्रिक मूल्यों और प्रजातान्त्रिक तौर-तरीकों के एकदम खिलाफ था। विरोध प्रदर्शन का दूसरा पहलू था नाचते-गाते युवा, एक साथ मिलकर पोस्टर बनाते युवा, हँसते-गाते युवा जो हमें कार्ल मार्क्स के प्रसिद्ध कथन की याद दिलाते हैं कि क्रांति आमजनों का उत्सव होती है। हालांकि जंतर मंतर और देश के अन्य भागों में हुए विरोध प्रदर्शनों की पृष्ठभूमि और आकार-प्रकार किसी क्रांति से पूरी तरह अलग था। तानाशाही प्रवृत्ति की सरकार, जो जनता की जाय? मांगों की ओर जरा सा भी ध्यान नहीं देती थी, बहुत लंबे समय के बाद झुकी। कारण यह कि विरोध नए-नए शहरों में फैलता जा रहा था और तानाशाह सरकार का डर पिघलता जा रहा था। हमने पहले देखा है कि किसानों के 12 महीने तक चले आंदोलन के दौरान सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंगीं और चुनाव नजदीक आने पर ही उसने तीन कृषि कानून वापिस लिए। सरकार ने शाहीन बाग में चल रहे विरोध प्रदर्शन में बाधा डालने के लिए असामाजिक तत्वों को प्रोत्साहन दिया। पेपर लीक के खिलाफ समय-समय पर उठाई गई आवाजों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया। इस बार स्थिति अलग थी। सरकार ने आंदोलन की उपेक्षा करने की कोशिश की लेकिन आखिरकार उसे मांगे मानने पर मजबूर होना पड़ा। इसमें सबसे प्रमुख मांग थी शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा। उनकी जगह प्रहलाद जोशी को शिक्षा मंत्री बनाया गया। जोशी भी संघी पृष्ठभूमि के हैं। उनके व्यक्तित्व का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने बिलकीस बानो के साथ दुष्कर्म करने वालों को रिहा किए जाने का समर्थन किया था। पेपर लीक के मसले पर विचार करने और इसे रोकने के लिए उठाए जाने वाले कदमों के बारे में सुझाव देने के लिए एक समिति का गठन किया गया है। यहां यह बताना दिलचस्प होगा कि प्रियंका गांधी के अनुसार इस समिति में एक ऐसे सज्जन को भी शामिल किया गया है जो गौमूत्र विशेषज्ञ हैं और कई ऐसे लोगों को भी जो शिक्षा प्रणाली का क, ख ग भी नहीं जानते। अभी जहां छात्र नेता यह सुनिश्चित करने में जुटे हैं कि सरकार अपने लिखित आश्वासनों को पूरा करे, वहीं यह जरूरी है कि हम इस छात्र आंदोलन की कामयाबीं' को समझें। यह आंदोलन कहीं से भी फ्रांस में 1968 में हुए छात्र आंदोलन, या हमारे पड़ोसी देशों श्रीलंका, बांग्लादेश या नेपाल में हुई छात्र विद्रोहों जैसा नहीं था। लेकिन फिर भी यह भाजपा के आईटी मीडिया सेल द्वारा निर्मित धारणाओं में काफी कुछ बदलाव लाने में कामयाब रहा। इसने उस प्रोपेगेंडा के प्रभाव को भी कुछ कम किया जो गोदी मीडिया और संघ परिवार द्वारा अपनी शाखाओं, हजारों स्कूलों और अन्य अनुषांगिक संगठनों के माध्यम से किया जाता है। सरकार के खिलाफ हिम्मत से बोलने का साहस धीरे-धीरे लोगों में वापिस लौटेगा, ऐसी संभावना है। जहां कॉकरोच जनता पार्टी और उसके नेता अभिजीत दीपके इस प्रदर्शन के केन्द्र में थे वहीं इसकी नींव पिछले कई सालों से तैयार हो रही थी। बढ़ती बेरोजगारी, जीवनयापन का लगातार महंगा होते जाना और बढ़ते अभावों के कारण यह आंदोलन खड़ा हुआ। अभिव्यक्ति की आजादी, धार्मिक स्वतंत्रता, भूख और आनंद के सूचकांकों पर भारत के लगातार नीचे गिरते जाने को भले ही सरकार खारिज करती रही हो मगर यह समाज के बिगड़ते हालातों को प्रतिबिंबित करता था। मुख्यधारा के मीडिया ने अपनी भूमिका सत्ताधारियों के स्तुतिगान और प्रतिपक्ष की आलोचना करने तक सीमित कर ली है। इस चौथे स्तंभ का किस कदर अध:पतन हुआ है और उसकी छवि कैसी बन गई है, यह इससे साफ है कि लोगों ने गोदी मीडिया के पत्रकारों को हूट किया। हालांकि यह किसी भी दृष्टि से उचित नहीं था, लेकिन इससे पता लगता है कि आम लोगों में गोदी मीडिया की कितनी बुरी छवि बन गई है। यह इसलिए क्योंकि वह अपनी सही भूमिका त्यागकर सत्ताधारियों की सेवक बन गई है। ऐसे वातावरण में लोकतांत्रिक आजादियों पर पाबंदियों के खिलाफ लड़ने में युवाओं का जोश बहुत खुशी का सबब है। क्या इस आन्दोलन ने अपना लक्ष्य पूरी तरह हासिल कर लिया है? इसका उत्तर इस बात पर निर्भर है कि पूरी तरह की परिभाषा क्या है। हालांकि शिक्षा मंत्री को बदले जाने से 'नॉन बायोलॉजिकल का अहं काफी हद तक चकनाचूर हुआ, लेकिन इससे कोई बड़ा बदलाव आने वाला नहीं है क्योंकि नागनाथ को हटाकर सांपनाथ को बिठा दिया गया है। पेपर लीक होने की मुख्य वजह - समाज में फैले भ्रष्टाचार का बाल बांका भी नहीं हुआ है। भ्रष्टाचार में कमी केवल अधिक पारदर्शी और समाज द्वारा जांची-परखी जा सकने वाली व्यवस्था लागू करने पर ही आ सकती है। हालांकि भ्रष्टाचार के मुद्दे पर आरएसएस ने अन्ना आंदोलन की रूपरेखा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी जिसके चलते बाद में कांग्रेस को चुनौती देने के लिए आम आदमी पार्टी का गठन हुआ। मगर एनडीए सरकारों ने भ्रष्टचार उन्मूलन के लिए कोई कदम नहीं उठाया। ना ही सत्ताधारियों को इसकी चिंता थीं। सड़कों और पुलों के निर्माण पर खर्च की गई भारी भरकम रकम बारिश और बाढ़ में इनके बह जाने से बर्बाद हो गई क्योंकि संभवत: भाजपा सरकार के दौरान हुए इन निर्माणों में जमकर भ्रष्टाचार हुआ था। यह तो मानना ही पड़ेगा कि जो भी कामयाबी हासिल हुई, उसके लिए जमीन तैयार करने में राहुल गांधी की महत्वपूर्ण भूमिका थी। उन्होंने सामाजिक मुद्दों के प्रति सकरार के उपेक्षापूर्ण रवैये की कलई खोलकर रख दी। यह कहना मुश्किल है कि क्या आरएसएस-भाजपा द्वारा किया गया धर्म-आधारित ध्रुवीकरण जंतर मंतर पर हुए आन्दोलन से कम हुआ है। हमारे तंत्र में क्या खराबी है इसे एक व्यापक समझ के जरिये ही जाना जा सकता है। क्या यह आंदोलन लंबे समय तक चुनावी राजनीति से दूर रहा पाएगा और क्या वह यह मूल मुद्दा उठा पायेगा कि किस तरह साम्प्रदायिक शक्तियों ने देश को शांति और उन्नति की राह से दूर कर दिया है। आजादी की लड़ाई के दौरान और हमारे संविधान में जिस भारत का सपना देखा गया था उसे अत्यंत कुटिलता से पीछे कर देश को हिन्दू राष्ट्र के विचार की ओर धकेल दिया गया है। राष्ट्र निर्माण के मुद्दे की जगह मस्जिदों और विश्वविद्यालयों को ढहाए जाने के मुद्दे को केन्द्र में ला दिया गया है। राज्य सत्ता में धीरे-धीरे उन लोगों की घुसपैठ बढ़ती जा रही है जिन्होंने आरएसएस शाखाओं में विभाजकनारी प्रशिक्षण लिया है या जो गोदी मीडिया और सोशल मीडिया की मदद से फल-फूल रहे हैं और जिन्हें व्हाटस एप् यूनिवर्सिटी कहा जाता है। यह विरोध प्रदर्शन ताजी हवा के एक झोंके की तरह था। जरूरत इस बात की है कि उसकी यह यात्रा जारी रहे और दुबारा हमारी पहचान हिंदू या मुस्लिम की होने के बजाए भारतीय नागरिक की बने। यह देश उसमें रहने वालों का है, उसमें रहने वाले सभी लोगों का।

जबकि साम्प्रदायिक राजनीति मनुस्मृति पर आधारित हिन्दू राष्ट्र के निर्माण पर जोर देती हैं। उनका पूरा एजेंडा ब्राम्हणवादी मूल्यों को लादने का है जिसमें मुसलमान, ईसाई, आदिवासी, दलित, श्रमिक और महिलाएं दूसरे दर्जे के नागरिक होंगें इस समय तो विरोध आन्दोलन की सफलता की वजह से उत्साह एवं प्रसन्नता का माहौल है। यह मानना भूल होगी कि उसने अपने सारे लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। हम जब तक साम्प्रदायिक शक्तियों को पूरी तरह परास्त नहीं कर देते, या कम से उनली ताकत को बहुत हद तक क्षीण नहीं कर देते, तब तक मौजूदा सत्ताधारी हमारे साथ एक के बाद एक तरह-तरह के अन्याय करते रहेंगे। हम युवाओं/छात्रों की सराहना करते हैं और उन्हें सलाम करते हैं और उम्मीद करते हैं कि भविष्य में भी वे संविधान पर अपरोक्ष आक्रमण की चुनौती का अच्छे से मुकाबला करेंगे।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त-हिंदी की आत्मा राष्ट्र चेतना के अमर गायक और खड़ी बोली के महान शिल्पी

हिंदी साहित्य के इतिहास में कुछ नाम ऐसे हैं जिन्होंने केवल शब्दों की रचना नहीं की बल्कि एक युग का निर्माण किया। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ऐसे ही महाकवि थे, जिन्होंने अपनी लेखनी के माध्यम से राष्ट्रप्रेम, भारतीय संस्कृति, सामाजिक चेतना और मानवीय मूल्यों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनकी कविताओं ने गुलामी की बेड़ियों में जकड़े भारत में स्वतंत्रता का भाव जगाया, लोगों को अपने गौरवशाली अतीत से परिचित कराया और भविष्य के लिए नई आशा का संदेश दिया। यही कारण है कि उनकी जयंती 3 अगस्त को प्रतिवर्ष कवि दिवस के रूप में मनाई जाती है। यह केवल एक कवि का जन्मदिन नहीं बल्कि हिंदी भाषा, साहित्य और भारतीय सांस्कृतिक चेतना का उत्सव है।

मैथिलीशरण गुप्त का जन्म 3 अगस्त 1886 को उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के चिरगांव में एक समृद्ध वैश्य परिवार में हुआ था। उनके पिता सेठ रामचरण स्वयं साहित्य और काव्य के प्रेमी थे। परिवार के इसी साहित्यिक वातावरण ने बालक मैथिलीशरण के मन में कविता के प्रति रुचि पैदा की। उनकी प्रारंभिक शिक्षा घर पर ही हुई। उन्होंने हिंदी के साथ-साथ संस्कृत, बांग्ला और मराठी का भी गंभीर अध्ययन किया। बाल्यकाल में वे ब्रजभाषा में कनकलता नाम से कविताएं लिखते थे। बाद में रसिकेश, रसिकेंद्र, मधुप, भारतीय और नित्यानंद जैसे उपनामों का भी प्रयोग किया। साहित्य जगत उन्हें स्नेहपूर्वक दद्दा कहकर पुकारता था।

मैथिलीशरण गुप्त के साहित्यिक जीवन में सबसे बड़ा मोड़ तब आया जब उनका संपर्क हिंदी के महान विद्वान और सरस्वती पत्रिका के संपादक आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी से हुआ। द्विवेदी ने उन्हें ब्रजभाषा छोड़कर खड़ी बोली में लिखने के लिए प्रेरित किया। उस समय खड़ी बोली को काव्य भाषा के रूप में स्वीकार नहीं किया जाता था, लेकिन गुप्त जी ने अपनी प्रतिभा से इसे इतना प्रभावशाली बना दिया कि वही आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख भाषा बन गई। आज हिंदी साहित्य में खड़ी बोली की जो प्रतिष्ठा है, उसमें मैथिलीशरण गुप्त का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

उनकी रचनाओं का सबसे बड़ा गुण यह था कि वे सरल, सहज और जनभाषा में थीं। उनकी कविताएं सामान्य पाठक भी आसानी से समझ सकता था, लेकिन उनमें निहित विचार अत्यंत गहरे और प्रेरणादायक होते थे। उनकी प्रसिद्ध पंक्तियां—

नर हो, न निराश करो मन को,
कुछ काम करो, कुछ काम करो।
जग में रहकर कुछ नाम करो,
यह जन्म हुआ किस अर्थ अहो,
समझो जिसमें यह व्यर्थ न हो।

आज भी हर पीढ़ी को कर्म, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का संदेश देती हैं।

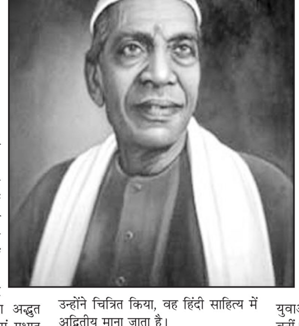

मैथिलीशरण गुप्त की सबसे प्रसिद्ध कृति भारत-भारती वर्ष 1912 में प्रकाशित हुई। यह पुस्तक स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रप्रेम का घोषणापत्र बन गई। इस कृति में भारत के गौरवशाली अतीत, तत्कालीन दयनीय वर्तमान और उज्ज्वल भविष्य की कल्पना का अद्भुत चित्रण मिलता है। इसकी कविताएं प्रभात फेरियों, विद्यालयों, राष्ट्रीय आंदोलनों और जनसभाओं में गाई जाती थीं। इस रचना ने देशवासियों के मन में स्वाधीनता की अलख जगाई और उन्हें अपने राष्ट्र के लिए समर्पित होने की प्रेरणा दी। इसी कालजयी कृति के प्रभाव से महात्मा गांधी ने उन्हें राष्ट्रकवि की उपाधि प्रदान की।

राष्ट्रप्रेम के साथ-साथ मैथिलीशरण गुप्त ने भारतीय संस्कृति और नारी चेतना को भी अपनी रचनाओं का केंद्र बनाया। उस समय जब साहित्य में स्त्रियों की उपेक्षा होती थी, तब उन्होंने रामायण, महाभारत और बौद्ध साहित्य की उपेक्षित लेकिन महान महिलाओं को अपनी रचनाओं की नायिका बनाया। उनका महाकाव्य साकेत इसकी सबसे बड़ी मिसाल है। इसमें राम कथा के बजाय लक्ष्मण की पत्नी उर्मिला के त्याग, धैर्य और विरह को केंद्र में रखा गया है। उर्मिला के मौन बलिदान को जिस संवेदनशीलता से उन्होंने चित्रित किया, वह हिंदी साहित्य में अद्वितीय माना जाता है।

इसी प्रकार यशोधरा में उन्होंने गौतम बुद्ध की पत्नी यशोधरा के मन की वेदना, आत्मसम्मान और त्याग को अत्यंत मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया। विष्णुप्रिया में चैतन्य महाप्रभु की पत्नी के जीवन की करुणा और समर्पण का चित्रण मिलता है। इन रचनाओं ने सिद्ध किया कि मैथिलीशरण गुप्त केवल राष्ट्रकवि ही नहीं बल्कि मानवीय संवेदनाओं के भी अप्रतिम शिल्पी थे। उनकी प्रसिद्ध पंक्तियां—

अबला जीवन हाय तुम्हारी यही कहानी,
आंचल में है दूध और आंखों में पानी।

भारतीय समाज में स्त्री की पीड़ा और उसके त्याग को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से व्यक्त करती हैं। आज भी ये पंक्तियां समाज को आत्ममंथन के लिए विवश करती हैं।

मैथिलीशरण गुप्त ने अपने साहित्य में केवल राष्ट्रवाद का ही नहीं बल्कि सामाजिक सुधार, धार्मिक सहिष्णुता, नैतिक मूल्यों और मानवीय एकता का भी संदेश दिया। उनकी रचनाओं पंचवटी, जयद्रथ-वध, द्वापर, जय भारत, झंकार, गुरुकुल, काबा और कर्बला, किसान, नहुष तथा शक्ति में भारतीय संस्कृति की विविधता, आध्यात्मिकता और सामाजिक समरसता का अद्भुत चित्रण मिलता है। वे मानते थे कि भारत की शक्ति उसकी सांस्कृतिक विविधता और नैतिक मूल्यों में निहित है।

उनकी एक और अमर पंक्ति—
जो भरा नहीं है भावों से,
जिसमें बहती रसधार नहीं।
वह हृदय नहीं है पत्थर है,
जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।

देशभक्ति की भावना को अत्यंत सरल और प्रभावशाली ढंग से व्यक्त करती है। यही कारण है कि उनकी कविताएं स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बनीं। मैथिलीशरण गुप्त केवल साहित्यकार ही नहीं बल्कि सार्वजनिक जीवन से भी जुड़े रहे। वर्ष 1952 से 1964 तक वे राज्यसभा के मनोनीत सदस्य रहे। संसद में भी उन्होंने भारतीय भाषा, संस्कृति और शिक्षा के विकास से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। साहित्य और समाज के प्रति उनके योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने उन्हें वर्ष 1954 में पद्मभूषण से सम्मानित किया। इसके अलावा उन्हें साकेत के लिए मंगलाप्रसाद पारितोषिक, साहित्य वाचस्पति सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया। आगरा और इलाहाबाद विश्वविद्यालयों ने उन्हें डी.लिट. की मानद उपाधि भी प्रदान की। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उनकी जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा था कि राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त का काव्य जन-जागरण, राष्ट्रीय चेतना और नैतिक मूल्यों से ओतप्रोत था। उनकी रचनाओं ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान देशवासियों के हृदय में राष्ट्रप्रेम की ज्योति प्रज्वलित की और आज भी नई पीढ़ी को प्रेरणा प्रदान कर रही हैं। 12 दिसंबर 1964 को राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त का निधन हो गया, लेकिन उनकी लेखनी आज भी भारतीय जनमानस में जीवित है। उनके साहित्य ने हिंदी को नई पहचान दी, खड़ी बोली को प्रतिष्ठा दिलाई और भारतीय संस्कृति को नई अभिव्यक्ति प्रदान की। उनकी कविताएं केवल साहित्य नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का दस्तावेज हैं। वे हमें यह सिखाती हैं कि सच्चा साहित्य वही है जो समाज को दिशा दे, मनुष्य में नैतिकता का संचार करे और देश के प्रति समर्पण की भावना जागृत करे।

आज जब समाज अनेक चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है, तब मैथिलीशरण गुप्त का साहित्य पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक दिखाई देता है। उनकी कविताएं हमें कर्म, राष्ट्रप्रेम, सामाजिक समरसता, नारी सम्मान और सांस्कृतिक गौरव का संदेश देती हैं। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त केवल हिंदी साहित्य के महान कवि नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के अमर गायक हैं। उनकी रचनाएं आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेंगी और हिंदी साहित्य के आकाश में उनका नाम सदैव सूर्य की भांति आलोकित रहेगा।

-कांतिलाल मांडोत

इंदौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इंदौर। एजेंसी। आयातित मालों में बने नरमी के रूख से आलौच्य सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में सोयाबीन सुस्ती पर रहा। दलहनों में चने में बाजार बड़त पर रहे। उड़द में बाजार मामूली लटक पर रहे। किराना जिंसों में नारियलों में उछाल पर रहे।

किराना- शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार अच्छा रहा। शक्कर में पूछपरख सामान्य है। मिलो के टेंडर ऊँचे भावों पर जाने से बाजार बड़त पर रहे। शक्कर में बाजार 4720-4800 से 4780-4830 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। खोपरे गोले में पूछपरख से बाजार 375-410 रू. प्रति किलो पर आ गये। कालीमिर्च-जीरे में सामान्य कारोबार के बीच बाजार में विशेष हलचल का अभाव रहा। हरि इलायची में दिसावरी तेजी से बाजार बड़त पर रहे। हरि इलायची में बाजार 3400-3800 रू. प्रति किलो पर आ गयी। सूखे मेवों में पूछपरख से भावों में सुधार देखा गया। काजू (240) 880-925 रू. प्रति किलो पर आ गये। नारियलों में श्रावणी माँग अच्छी है। आवकें औसत से अधि?क नहीं होने से बाजार बड़त पर रहे। नारियलों में 120 भरती मालों में बाजार 2700 रू. से उछलकर 3000 रू. प्रति थैले पर आ गये। अन्य किराना जिंसों में बाजार पूर्वस्तर पर बने रहे।

तेल तिलहन- आलौच्य सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों व तिलहनों में व्यापार की मात्रा अच्छी रही। आयातित मालों में बनी सुस्ती से खाद्य तेलों में बाजार 10-20 रू. प्रति 10 किलो की गिरावट पर रहे। इस दौरान सींगदाना तेल इंदौर लाइन पर 1740-1760 रू. प्रति 10 किलो से घटकर 1730-1740 रू. प्रति 10 किलो पर आ गयी। कपास्या तेलों में भी बाजार नमरी के देखे गये। तिलहनों में सोयाबीन बाजार 100 रू. प्रति क्विंटल से घटकर 7100 से 7000 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। सरसो व रायडे में बाजार बने रहे।

दाल दलहन- समीक्षा सप्ताह के दौरान दाल दलहनों में व्यापार अच्छा रहा। चने में लगातार तेजी मंदी का रूख बना हुआ है। आलौच्य अवधि में निचले भावों पर माँग आने से बाजार 100 रू. क्विंटल तक उछल गये। चना बढ़िया मालों में 6450-6550 रू. प्रति क्विंटल से बड़कर 6550-6650 रू. क्विंटल पर आ गया। तुअर में बाजार 6500-7600 रू. प्रति क्विंटल के मध्य क्वालिटी अनुसार रहे। वहीं, उड़द में 100-200 रू. प्रति क्विंटल की नरमी बनी। मसूर में कामकाज विशेष का अभाव है। मसूर में बढ़िया माल 6000 रू. प्रति क्विंटल पर बने रहे।

त्योहारी मांग के बीच किसानों की कम आवक से तेल-तिलहनों के दाम मजबूत

नई दिल्ली। एजेंसी। देश के तेल-तिलहन बाजारों में बीते सप्ताह सभी खाद्य तेलों और तिलहनों के दाम में मजबूती दर्ज की गई। आगामी त्योहारों की मांग में तेजी और किसानों द्वारा फसल की आवक घटने से कीमतों में उछाल आया है। फिलहाल घरेलू बिनौला, सरसों और मूंगफली तेल आयातित तेलों की तुलना में महंगे बिक रहे हैं। बाजार सूत्रों के अनुसार, किसान पहले ही ऊंचे दाम का लाभ ले चुके हैं और अब मौजूदा, हालांकि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से ऊपर, कीमतों पर अपनी उपज (बिनौला, सोयाबीन, सरसों) बेचने से कतरा रहे हैं, जिससे आवक प्रभावित हुई है। त्योहारों की बढ़ती मांग ने भी इस स्थिति को और मजबूत किया है। सूत्रों ने सरकार से खाद्य तेलों के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) को नियंत्रित और व्यवस्थित करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि इसमें मनमाने ढंग से हेरफेर होता है। उदाहरण के लिए, थोक में सरसों और मूंगफली तेल का दाम लगभग 170 रुपये प्रति किलोग्राम है, लेकिन खुदरा में मूंगफली तेल काफी महंगा मिलता है। सूत्रों के अनुसार, सरसों तेल का एमआरपी 180-185 रुपये प्रति लीटर से अधिक नहीं होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, आयातकों की वित्तीय तंगी के कारण लागत से नीचे दामों पर बिकवाली भी एक बड़ी समस्या है। विशेषज्ञों ने सरसों की बढ़ती मांग के मद्देनजर सरकार को अक्टूबर में आने वाली सोयाबीन और मूंगफली का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखने की सलाह दी है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 125 रुपये के सुधार के साथ 8,250-8,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों तेल दादरी 100 रुपये के सुधार के साथ 16,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 15-15 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,720-2,820 रुपये और 2,720-2,870 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 75-75 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 7,525-7,575 रुपये और 7,375-7,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 15,800 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 15,650 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 12,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। औद्योगिक मांग बढ़ने के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 25 रुपये के सुधार के साथ 7,400-7,975 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 50 रुपये के सुधार के साथ 17,150 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 20 रुपये के सुधार के साथ 2,700-3,000 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 75 रुपये के सुधार के साथ 15,775 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 75 रुपये के सुधार के साथ 14,575 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। औद्योगिक मांग बढ़ने के बीच बिनौला तेल का दाम 50 रुपये के सुधार के साथ 16,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने आवास ऋण पर ब्याज दर घटाकर सात प्रतिशत किया

नई दिल्ली। एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने ग्राहकों को बड़ी राहत देते हुए अपने आवास ऋण पर ब्याज दरों में कटौती की है। बैंक ने एक सीमित अवधि की विशेष पेशकश मानसून धमाका के तहत होम लोन की ब्याज दर को 7.1 प्रतिशत से घटाकर अब मात्र 7 प्रतिशत कर दिया है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र द्वारा जारी बयान के अनुसार, इस योजना में केवल कम ब्याज दर ही नहीं, बल्कि ग्राहकों को प्रसंस्करण शुल्क और दस्तावेजीकरण शुल्क से भी पूरी छूट दी जाएगी। बैंक ने कहा कि इस विशेष पेशकश का उद्देश्य ग्राहकों को बेहतर वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध कराना और उन्हें अपने घर के सपने को पूरा करने में सहायता देना है। बैंक का दावा है कि आवास ऋण पर 7 प्रतिशत और वाहन कर्ज पर 7.45 प्रतिशत की उनकी ब्याज दरें उद्योग में सबसे प्रतिस्पर्धी दरों में शामिल हैं।

आरबीआई, कच्चे तेल और कंपनियों के नतीजों पर रहेगी बाजार की नजर

मुंबई। एजेंसी। पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में करीब 3 फीसदी की मजबूत बढ़त दर्ज करने के बाद, निवेशकों की निगाहें अब भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक पर टिकी हैं, जिसके फैसले 5 अगस्त को आने वाले हैं। इसके साथ ही अमेरिका-ईरान तनाव, कच्चे तेल की कीमतें, विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और कॉर्पोरेट नतीजों का नया दौर इस सप्ताह बाजार की अगली दिशा तय करेगा। इस सप्ताह बाजार का सबसे बड़ा फोकस आरबीआई की एमपीसी बैठक पर रहेगा। केंद्रीय बैंक के सतर्क रुख से बैंकिंग और ब्याज दर से जुड़े सेक्टर प्रभावित हो सकते हैं। मध्य-पूर्व के भू-राजनीतिक घटनाक्रम भी निवेशकों के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के खिलाफ सैन्य हमले रोकने के संकेत से तनाव कम हो सकता है, लेकिन स्ट्रैट ऑफ होर्मुज में

जहाजों पर हमले की खबरों ने वैश्विक बाजारों की चिंता बढ़ाई है। इसी वजह से कच्चे तेल की कीमतों पर भी बाजार की पैनी नजर रहेगी। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड में तेजी दर्ज हुई थी और जुलाई में इसने मार्च के बाद सबसे बड़ी मासिक बढ़त दर्ज की। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें महंगाई की आशंका बढ़ा सकती हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) की गतिविधियां भी बाजार के लिए अहम रहेंगी। लगातार बिकवाली के बाद एफआईआई पिछले तीन सत्रों में शुद्ध खरीदार बने हैं, खासकर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में उनकी दिलचस्पी बढ़ी है। वैश्विक तकनीकी शेयरों का रुझान भी भारतीय बाजार को प्रभावित कर सकता है, जहां माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन के मजबूत नतीजों ने भरोसा बढ़ाया है। इसके अतिरिक्त, अप्रैल-जून तिमाही के लिए 573 कंपनियां अपने वित्तीय नतीजे घोषित करेंगी, जिनमें एसबीआई, भारती एयरटेल और टाइटन जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। इन नतीजों और प्रबंधन की भविष्य की टिप्पणी से संबंधित सेक्टरों और पूरे बाजार की धारणा पर असर पड़ेगा।

पीएनबी की अनुषंगी कंपनियों के मौद्रीकरण की तत्काल योजना नहीं-बैंक अधिकारी

नई दिल्ली। एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का अपनी अनुषंगी कंपनियों के मौद्रीकरण का तत्काल कोई इरादा नहीं है। बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मजबूत पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) के साथ बैंक का जोर इन कंपनियों की कार्यक्षमता और कारोबार को मजबूत कर उनका मूल्य बढ़ाने पर है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 18 प्रतिशत है, जो नियामक आवश्यकता (11.5 प्रतिशत) से काफी अधिक है और 30 जून, 2026 तक 18.13 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। इस मजबूत स्थिति के कारण, बैंक बाजार से अतिरिक्त धन जुटाने की तत्काल योजना नहीं बना रहा है। पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस और पीएनबी गिल्ट्स जैसी सभी प्रमुख अनुषंगी कंपनियों की पूंजी की स्थिति अच्छी है और उन्हें फिलहाल अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकता नहीं है। बैंक इन कंपनियों को और मजबूत कर भविष्य में अधिकतम मूल्य हासिल करने की दिशा में काम कर रहा है। चालू वित्त वर्ष में बैंक करीब 5,000 करोड़ रुपये के एटी-1 और टियर-2 बॉन्ड का भुगतान करेगा, जिससे ब्याज खर्च में लगभग 300 करोड़ रुपये की बचत होगी। उन्होंने अनुमान जताया कि चालू वित्त वर्ष में बैंक का शुद्ध लाभ 20,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर सकता है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 16,904 करोड़ रुपये था। बैंक लगातार 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का तिमाही मुनाफा दर्ज कर रहा है। विकास को गति देने के लिए बैंक खुदरा, कृषि, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) और स्वयं सहायता समूहों को ऋण विस्तार के प्रमुख क्षेत्रों के रूप में देख रहा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य में एलएनजी टैंकर पर हमला, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर मंडराया खतरा

नई दिल्ली। एजेंसी। मध्य-पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव ने वैश्विक व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा पर एक और गहरा प्रभाव डाला है। दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापारिक धमनियों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य में कतर से लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) लेकर जा रहे एक टैंकर पर हमला हुआ है। सिक्योरिटी इंटेलिजेंस फर्मों और शिप ट्रैकिंग डेटा से पता चला है कि इस हमले के कारण टैंकर फंस गया है, जिससे सुपर-चिल्ड फ्यूल की वैश्विक डिलीवरी में और रुकावट आने का खतरा पैदा हो गया है। सिक्योरिटी कंसल्टेंसी वैनगार्ड टेक और मारिस्क ने इस जहाज़ की पहचान गैसलॉग शंघाई एलएनजी टैंकर के तौर पर की है। ओमान तट के पास स्ट्रेट से गुजरते समय इस पर एक अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ। हमले के कारण जहाज की बिजली चली गई और हल्की आग भी लगी, जिसे तुरंत बुझा दिया गया। गनीमत रही कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और अब तक पर्यावरण पर भी कोई गंभीर असर नहीं पड़ा है। यह टैंकर 27 जुलाई को कतर से एनएनजी लेकर चला था और 31 जुलाई को होर्मुज के पश्चिमी प्रवेश द्वार के पास इसके सिग्नल आने बंद हो गए थे। यह घटना मिडिल ईस्ट में बढ़ते भू-राजनीतिक टकरावों का सीधा परिणाम है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनियाभर में कुल एलएनजी आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा ले जाने वाला एक महत्वपूर्ण मार्ग है। जुलाई की शुरुआत में भी कतर के एक एलएनजी टैंकर पर हुए हमले के कारण तीन हफ्तों तक शिपमेंट रोकना पड़ा था। हाल ही में, उत्तरी मिस्र के एक बंदरगाह पर गैसलॉग के ही एक और एलएनजी कैरियर गैसलॉग सलेम पर ड्रोन से हमला हुआ था। इन लगातार हो रहे हमलों की जिम्मेदारी अभी तक किसी समूह ने नहीं ली है, जिससे क्षेत्र में समुद्री व्यापार की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं बढ़ गई हैं और वैश्विक ऊर्जा बाजारों में अनिश्चितता बनी हुई है।

मेष- आज किस्मत आपको एक बड़ा संकेत दे रही है। प्रॉपर्टी से जुड़ा अटका काम अचानक सुलझ सकता है और समाज में आपकी पहचान चमक सकती है। लेकिन प्रेम में थोड़ी सावधानी जरूरी है, साथी को नजरअंदाज किया तो दूरी बढ़ सकती है। मां की सेहत चिंता दे सकती है, भागदौड़ बढ़ेगी। इच्छा पूरी होगी, पर मन फिर भी कुछ अधूरा महसूस करेगा। लेनदेन में ढिलाई से बचें. रुटीन नियमित बनाए रखें. वाणिज्यिक अवसर साधारण बनेंगे. नीति नियमों की सजगता रखें. पेशेवरों भरोसा जीतें. आर्थिक सावधानी रखें।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए मौके लेकर आया है। कोई नई खरीदारी दिल खुश कर देगी और परिवार में रिश्ते पहले से मजबूत होंगे। घर में नई शुरुआत, चाहे वाहन हो या मरम्मत शुभ संकेत दे रही है। लंबे समय से अटकी डील फाइनल हो सकती है। लेकिन सेहत को हल्के में लिया तो परेशानी बढ़ सकती है।

मिथुन- भागदौड़ भरा दिन है। लेकिन राहत की बात है कि, मदद खुद चलकर आएगी। खर्चों पर कंट्रोल रखना जरूरी है, नहीं तो बजट बिगड़ सकता है। अपने काम खुद करें, दूसरों पर भरोसा भारी पड़ सकता है। बच्चों पर नजर रखें, उनकी दिशा सही रखना आपकी जिम्मेदारी है। सरकारी काम में जल्दबाजी नहीं, सोच-समझकर कदम बढ़ाएं। आर्थिक गतिविधियों को उचित दिशा प्रदान करेंगे. सत्ता से करीबी बनी रहेगी. महत्वपूर्ण मामलों को आगे बढ़ाएंगे. पदोन्नति के संकेत बने हुए हैं।

कर्क- आज का दिन परीक्षा ले सकता है, लेकिन आप संभाल लेंगे। काम में फोकस बढ़ेगा और बॉस की नजर में आपकी वैल्यू भी। दिल में सहयोग की भावना रहेगी, जो आपको आगे बढ़ाएगी। छोटी-छोटी बातों का तनाव रहेगा, लेकिन परिवार के विवादों से राहत मिलेगी। लाइफस्टाइल में पॉजिटिव बदलाव दिखेगा। विविध प्रयास बल पाएंगे. कारोबार को सहजता से आगे बढ़ाएंगे. तेजी से कार्य संवारेंगे. लाभ प्रतिशत बढ़त पर रहेगा. कार्यक्षेत्र में निरंतरता रखेंगे।

सिंह- आज आत्मविश्वास आपका सबसे बड़ा हथियार है। लेकिन मन में चल रही उलझनें आपको थोड़ा परेशान कर सकती हैं। प्लानिंग के साथ काम करेंगे तो जीत आपकी होगी। सेहत, खासकर शुगर और बीपी को नजरअंदाज ना करें। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन खास है, मनचाहा रिजल्ट मिल सकता है। करियर कारोबार में सूझबूझ बढ़ाएं. आर्थिक परिणाम साधारण रहेंगे. लेनदेन में चूक से बचें. पेशेवरों से सामंजस्य रखें. सफलता प्रतिशत औसत रहेगा।

कन्या- आज सेहत पर बिल्कुल भी लापरवाही न करें। पेट से जुड़ी परेशानी आपको परेशान कर सकती है। नौकरी की तलाश खत्म हो सकती है। किसी भी काम में जल्दबाजी नुकसान दे सकती है। अपने राज किसी से शेयर ना करें, कोई फायदा उठा सकता है। फोकस बनाए रखेंगे तो रास्ता खुद बन जाएगा। औद्योगिक स्थितियां बल पाएंगी. टीम वर्क में सकारात्मक रहंगी. कार्य व्यापार को गति देंगे. अवसरों को भुनाएंगे. साझा प्रयासों में तेजी आएगी।

तुला- सुबह की शुरुआत ही खुशखबरी लेकर आएगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और घर का माहौल खुशनुमा रहेगा। पुराने झगड़े खत्म होंगे और काम की रफ्तार तेज होगी। जिम्मेदारियों को समय पर निभाकर आप सबका दिल जीत लेंगे। प्रमोशन की बात भी आगे बढ़ सकती है। व्यक्तिगत मामले लंबित रह सकते हैं. अतिउत्साह से बचें. समता सामंजस्य से आगे बढ़ें. जोखिम के कार्य न करें. परिश्रम पर भरोसा बढ़ेगा।

वृश्चिक- आज धैर्य ही आपकी असली ताकत है। मीठी वाणी से आप हर मुश्किल आसान कर सकते हैं। प्रॉपर्टी मामले में भाइयों से बात आगे बढ़ेगी। विद्यार्थियों के लिए सफलता के दरवाजे खुल सकते हैं,स्कॉलरशिप तक मिल सकती है। लेकिन वाहन चलाते समय सावधानी जरूरी है, वरना परेशानी हो सकती है।

धनु- आज रिश्तों में पारदर्शिता जरूरी है। जीवनसाथी से कुछ भी छुपाना भारी पड़ सकता है। डूबा हुआ पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। राजनीति या नए काम में हाथ आजमाने का मन बनेगा। बिजनेस में ग्रोथ दिखेगी और पेंडिंग काम पूरे होंगे। पिता से बहस से बचें, नहीं तो बात बिगड़ सकती है। जिद व अहंकार में आकर व्यक्तिगत संबंधों को प्रभावित न होने दें. प्रबंधन के प्रयास बनाए रखें. पारिवारिक मामलों में रुचि बढ़ेगी

मकर- आज नौकरी वालों के लिए खुशखबरी है। नया पद या प्रमोशन मिल सकता है। लक्ष्य पर फोकस रखेंगे तो सफलता तय है। प्लानिंग के साथ काम करेंगे तो हर काम समय पर पूरा होगा। लेकिन सेहत को नजरअंदाज किया तो बड़ी समस्या बन सकती है। दिनचर्या सुधारेंगे तो लाइफ बैलेंस में आ जाएगी।

कुंभ- आज का दिन आपको मुस्कुराने की वजह देगा। समस्याओं का हल मिलेगा और आर्थिक स्थिति सुधरेगी। नौकरी की तलाश खत्म हो सकती है। कोई अच्छी खबर मिलेगी। नया वाहन लेने का सपना भी पूरा हो सकता है। कुल मिलाकर आज फायदा ही फायदा आपको हो सकता है।

मीन- आज थोड़ा संभलकर चलना होगा। खर्चे बढ़ सकते हैं, इसलिए कंट्रोल जरूरी है। आपके काम आपको नई पहचान दिलाएंगे। बच्चे आपकी तरफ उम्मीद भरी नजरों से देखेंगे। अनजान लोगों की बातों में आकर फैसला लेना नुकसान दे सकता है। लेकिन एक शुभ समाचार आपका दिन बना देगा।

शब्दजाल - 8339

ती	स	री	मं	जि	ल	ब	रे	ली	झ	क
ज	ल	ल	प	का	रिं	पू	ना	दि	शा	ऊ
अं	इ	रा	म	सं	ज	ल	श	जिं	द	गी
क	कु	दा	म	ध	बा	ल	प	ख	श	रा
क	ति	शि	न	इं	क	र	ल	ग	वी	म
शो	ले	ल	का	का	र	र्त	ऐ	ठ	प	ब
ती	अ	ल	श	र	प	म	ग	कौ	ला	ल
क	ड्र	अ	ब	त	क	म	प्प	न	श	रा
क	न	थो	तें	ज्वे	ल	थी	फ	शा	जू	म
द	ढ़	ल	प	आ	रं	र्त	ऐ	बैं	प	रु
थो	त	सा	वो	कौ	न	थी	जा	ए	प	क

शब्दजाल में 'हेलन' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

शोले,ज्वेलथीफ,शिकार,राम बलराम, डान, इंकार,वो कौन थी, जिंदगी,तीसरी मंजिल, काजल

शब्दजाल - 8338 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

3 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.36 बजे से
चंद्र	मीन में	कन्या	08.48 बजे से
मंगल	मिथुन में	तुला	10.59 बजे से
बुध	मिथुन में	वृश्चिक	13.13 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	15.29 बजे से
शुक्र	कन्या में	मकर	17.35 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.21 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.54 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.24 बजे से
राहुकाल		वृष	00.04 बजे से
7.30 से 9.00		मिथुन	02.03 बजे से
बजे तक		कर्क	04.16 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 215 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** पंचमी 22.55 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 22.01 बजे को समाप्त। **योग** सुकर्मा 21.14 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 11.09 बजे तदनन्तर तैतिल 22.55 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 19.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 17° 33' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872790 **जूलियन दिन** 2461255.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** सफर **तारीख** 19 **विशेष** मौना पंचमी, श्रावण सोमवार व्रत, डॉ. मैथिली शरण गुप्त जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7283

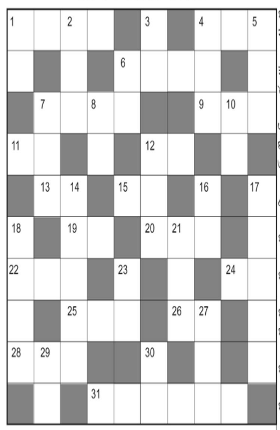

ऊपर से नीचे:-

१. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
२. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'गुड मार्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म-२
४. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले गला ले' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
६. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीतवाली फिल्म-२
७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
८. देव आनंद, माला सिन्हा की 'जारे जारे उड़ जारे पंछी' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१२. अजय, मास्टर सत्यजीत, अलका की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म-२,३
१६. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राकेश रोशन, हेमा की फिल्म-३,२
१८. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'तुम्हे जिंदगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म-३
२३. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२७. 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम ?-२
३०. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक-बधिर बनी है-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म-४
४. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
६. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म-४
७. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था-४
९. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ सरफि री ओ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'अंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा रवीना की फिल्म-२
१२. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'अपनी चाहतों पे' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'एरी रे एरी क्या है पहेली' गीत वाली ऋतिक, जैकी, करीना की फिल्म-२
२०. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था-३
२४. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'चप्पा चप्पा चरखा' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३
२६. 'मिलती है जिंदगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
३१. अमिताभ, शशि, स्मिता की 'आज रपट जायें तो' गीत वाली फिल्म-३,३

फिल्म वर्ग पहेली- 7282

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: दार्शनिक का संदेश

दार्शनिक हिक्री के पास रोज ढेरों लोग परामर्श लेने आते थे। लोग प्राय: उन्हें अपने पारिवारिक जीवन की उलझनें बताते और उनसे उनका कोई समाधान पूछते। हिक्री सबको समान भाव से सलाह दिया करते थे। एक दिन एक व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ उनके पास आया और पत्नी के आलस्य और कंजूसी की निंदा करने लगा। हिक्री ने उस औरत को स्नेहपूर्वक अपने पास बुलाया। फिर उन्होंने अपने एक हाथ की मुट्ठी बांधकर उसके सामने की और पूछा, 'यदि यह हमेशा ऐसे ही रहे तो क्या नतीजा निकलेगा?' पहले तो वह औरत सकपकाई, पर साहस कर बोली, 'अगर यह मुट्ठी हमेशा ऐसे ही बंधी रहेगी तो हाथ अकड़कर निकम्मा हो जाएगा।' उस औरत का उत्तर सुनकर हिक्री बहुत प्रसन्न हुए। फिर उन्होंने दूसरे हाथ की हथेली बिल्कुल खुली रखकर फिर पूछा, 'यदि यह हाथ ऐसे ही खुला रहे तो फिर इस हाथ का क्या होगा?' स्त्री बोली, 'ऐसी हालत में ये भी अकड़ कर बेकार हो जाएगा।' हिक्री ने लोगों से कहा, 'यह तो बुद्धिमान भी है और दूरदर्शी भी। यह तो अच्छी तरह जानती है कि मुट्ठी बंद रखने और सीधा हाथ रखने से क्या हानि होती है।' फिर उन्होंने स्त्री से कहा, 'बेटी, तुम तो सब कुछ खुद ही समझती हो। इस समझ का उपयोग अपने जीवन में भी करो, तुम्हारा सुख-सौभाग्य बढ़ेगा। किसी भी चीज की अति अच्छी नहीं होती। न खुला हाथ अच्छा, न बंद हाथ। दोनों में संतुलन होना चाहिए। न लापरवाही से खर्च करो न ही कंजूसी से।' वह स्त्री हिक्री के संदेश को समझ गई।

सूडोकू नवताल- 7592

★★★★☆ कठिन

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक है.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -7591 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

शब्द पहेली - 8807

बाएँ से दाएँ

1. उच्च कुल का-3
6. जलज,पंकज,नीरज-3
7. चरित्र,धर्म-5
8. वचन,प्रतिज्ञा-3
10. आनेवाला दिन-2
12. पक्षियों का शोर, पक्षियों की चहचहाट -4
15. अनबन,कहासुनी-4
17. रुपया,पैसा-2
19. भ्रम,संदेह-3
21. कहानी लिखनेवाला-5
23. अंजन-3
24. वजह-3

ऊपर से नीचे

2. अधिवर्ष,29 फरवरी वाला वर्ष-2,3
3. कंठ,गला-3
4. लाज,लज्जा-3
5. विवाह,ब्याह-2
6. सोना,धतूरा-3
9. टेका,आसरा-3
11. बुरी आदत-2
13. रेखा,लाइन-3
14. हत्या,मर्डर-2
16. नवचंद्राकार -5
18. अनुकृति-3
19. भला कार्य-3
20. घर,गृह,निवास-3
22. युद्ध,संग्राम -2

शब्द पहेली -8806 का हल

	भ	क्त		सा	र	सं	भा	ल
का	या		ब	ज	ह		त	प
ग	न	र		न	न	द		ल
	क	स	म		स		पा	पा
ह		म	न	मो	ह	क		ना
म	स्त		भा		न	म	क	
स		क	ब	च		र	म	ल
फ	ना		न	र	म		त	ब
र	म	ण		म		शो	र	

Jagrutidaur.com, Bangalore

निर्माण के कुछ ही समय बाद क्षतिग्रस्त होने लगी सड़क

ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारी व ठेकेदार पर उठाए सवाल

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश शासन के लोक निर्माण विभाग, संभाग बालाघाट द्वारा लांजी तहसील अंतर्गत नीमटोला नहर से थानेगांव तक 1.80 किलोमीटर लंबी सीसी सड़क का निर्माण हाल ही में कराया गया है। निर्माण कार्य पूरा होने के कुछ ही समय बाद सड़क की गुणवत्ता को लेकर स्थानीय ग्रामीणों और किसानों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि नई बनी सड़क कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त होने लगी है, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर संदेह उत्पन्न हो रहा है। यह वारी डेम से होकर निकलने वाली नहर पर यह मार्ग निर्मित है जो क्षेत्र के कई गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है। प्रतिदिन हजारों ग्रामीण, किसान एवं वाहन चालक इसी सड़क से आवागमन करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण में बरती गई कथित लापरवाही अब आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही है।

साइड शोल्डर नहीं बनने से किसानों की बढ़ी मुश्किलें

सड़क के दोनों ओर हजारों किसानों की कृषि भूमि स्थित है। किसान प्रतिदिन ट्रैक्टर, बैलगाड़ी, कृषि उपकरण और मवेशियों के साथ खेतों तक पहुंचते हैं, लेकिन सड़क के दोनों किनारों पर साइड शोल्डर (कंधे) नहीं बनाए जाने से उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क अपेक्षाकृत ऊंची होने के कारण कृषि वाहन खेतों में उतरते और वापस चढ़ते समय असंतुलित हो जाते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

पुलिया पर सुरक्षा इंतजामों का अभाव

ग्रामीणों के अनुसार सड़क के बीच स्थित नहर की पुलिया पर न तो सुरक्षा रेलिंग लगाई गई है और न ही डिवाइडर बनाया गया है। मार्ग के कई हिस्सों में भी सुरक्षा रेलिंग का अभाव है ऐसे में विशेषकर रात और बारिश के मौसम में दुर्घटनाओं की आशंका और बढ़ जाती है।

समतलीकरण पर भी उठे सवाल

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क का समतलीकरण भी तकनीकी मानकों के अनुरूप नहीं किया गया। कई स्थानों पर सड़क ऊंची-नीची होने के कारण दोपहिया और चारपहिया वाहन हिचकोले खाते हुए गुजरते हैं। वाहन चालकों का कहना है कि सड़क पर सफर करते समय वाहन असंतुलित महसूस होता है, जिससे सुरक्षित आवागमन प्रभावित हो रहा है।

उच्च स्तरीय जांच और सुधार कार्य की मांग

ग्रामीणों, किसानों और राहगीरों ने लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं जिला प्रशासन से मांग की है कि नीमटोला नहर से थानेगांव तक बनी इस 1.80 किलोमीटर लंबी सीसी सड़क की उच्च स्तरीय तकनीकी जांच कराई जाए। यदि निर्माण कार्य में गुणवत्ता संबंधी अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित ठेकेदार एवं जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।साथ ही सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत, समुचित समतलीकरण, दोनों ओर साइड शोल्डर निर्माण, पुलिया पर सुरक्षा रेलिंग एवं डिवाइडर सहित आवश्यक सुरक्षा उपाय शीघ्र सुनिश्चित किए जाने की मांग भी ग्रामीणों ने की है, ताकि इस मार्ग से प्रतिदिन आवागमन करने वाले हजारों लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

गोंदिया क्षेत्र के आधा सैकड़ा साइकिल राइडर्स ने साइकिल से यात्रा कर कोटेश्वर महादेव का किया पूजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। देवों के देव महादेव के पावन स्वरूप श्री कोटेश्वर नाथ भगवान सदियों से करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र रहे हैं। ऐसी मान्यता है कि सच्चे मन से उनके दरबार में पहुंचने वाले प्रत्येक भक्त की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीवन में नई ऊर्जा एवं आध्यात्मिक शक्ति का संचार होता है। सावन माह में शिवभक्ति का यही अनुपम स्वरूप उस समय देखने को मिला, जब महाराष्ट्र के गोंदिया जिले के नगर परिषद अध्यक्ष एवं प्रखर शिवभक्त सचिन भाऊ गोविंददास शेंडे ने लगभग आधा सैकड़ा साइकिल राइडर्स के साथ 102 किलोमीटर की धार्मिक साइकिल यात्रा कर मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक एवं प्राचीन कोटेश्वर महादेव धाम, लांजी पहुंचकर भगवान भोलेनाथ के श्रीचरणों में शीश नवाया। सचिन भाऊ शेंडे ने बताया कि यह यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, हिंदू धर्म के प्रति जन-जन में आस्था जागृत करने तथा समाज में धार्मिक चेतना का संदेश देने का एक विनम्र प्रयास है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव के प्रति उनकी गहरी श्रद्धा और अटूट विश्वास ही उन्हें निरंतर ऐसी धार्मिक यात्राओं के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने बताया कि सभी शिवभक्त रविवार प्रात: 5:10 बजे गोंदिया से साइकिल यात्रा पर निकले और लगभग 8:10 बजे कोटेश्वर महादेव धाम पहुंचे। वहां सभी श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान कोटेश्वर नाथ का पूजन-अर्चन एवं जलाभिषेक कर प्रदेश, देश, समाज एवं जनकल्याण की मंगलकामना की। श्री शेंडे ने कहा कि कोटेश्वर धाम पहुंचकर जो आध्यात्मिक शांति और दिव्य अनुभूति प्राप्त हुई, वह अविस्मरणीय है। मंदिर परिसर की सुव्यवस्थित व्यवस्थाएं, श्रद्धालुओं के लिए उत्कृष्ट सुविधाएं तथा सेवा भाव से संचालित भंडारे ने सभी का मन मोह लिया। उन्होंने विशेष रूप से बोल बम सेवा समिति के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि समिति पिछले कई वर्षों से हजारों कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं के लिए नि:स्वार्थ भाव से महाप्रसाद, विश्राम और सेवा की व्यवस्था कर रही है। वर्तमान समय में जब समाज को अपनी संस्कृति और धार्मिक मूल्यों से जोड़ने की आवश्यकता है, तब समिति का यह कार्य वास्तव में अनुकरणीय और प्रेरणादायी है। ऐसे सेवा कार्यों से हिंदू धर्म के प्रति लोगों की आस्था और अधिक सुदृढ़ होती है तथा समाज में सनातन संस्कृति के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्मित होता है। यात्रा के दौरान बोल बम सेवा समिति के पदाधिकारियों ने सभी साइकिल यात्रियों का अपने कार्यालय में आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया तथा आगामी 24 अगस्त को आयोजित होने वाले विशाल महाभंडारे में शामिल होने का आमंत्रण दिया। इस पर सचिन भाऊ शेंडे ने कहा कि वे पुनः कोटेश्वर महादेव की सेवा में उपस्थित होकर भगवान

भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। श्री शेंडे ने बताया कि संपूर्ण सावन माह के दौरान उनकी टीम जिले एवं आसपास के क्षेत्रों के प्रमुख शिव मंदिरों तक लगातार धार्मिक साइकिल यात्राएं करेगी। इन यात्राओं का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के साथ-साथ युवाओं एवं समाज में सनातन संस्कृति, हिंदू धर्म और भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं के प्रति आस्था एवं जागरूकता का विस्तार करना है। इस धार्मिक यात्रा में घनश्याम उके, मनोज बिसेन, ललित बहेलिया, संतोष श्रीवास, निखिल बहेकार, विवेक सोनेकर, कुणाल शेंडे, ऋषि कठाने, अभिषेक जगने, अथर्व शेंडे सहित लगभग आधा सैकड़ा शिवभक्त एवं साइकिल राइडर्स शामिल रहे। बोल बम... हर-हर महादेव के गगनभेदी जयघोष के साथ पूरी यात्रा भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुई।

कृषि साख सहकारी समिति पालडोंगरी के वरिष्ठ लेखापाल डी. पी. महिश्वरे को सेवा निवृत्ति पर दी बिदाई

पद्मेश न्यूज। लांजी। बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी-पैक्स) पालडोंगरी में शुक्रवार को वरिष्ठ लेखापाल डी. पी. महिश्वरे के 38 वर्षों के सेवाकाल पूर्ण होने पर

सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित किया गया। समारोह में संस्था से जुड़े पदाधिकारियों, कर्मचारियों, कृषकों और परिजनों की उपस्थिति में उनके दीर्घ सेवाकाल को याद करते हुए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष प्रदीप उमरे ने की। इस अवसर पर राजेंद्रप्रसाद उमरे, महेन्द्रसिंह उमरे, आर. के. हरिनखेड़े (शाखा प्रबंधक), एस. बी. राहंगडाले (पर्यवेक्षक) तथा एम. एल. नगपुरे (संस्था प्रबंधक) विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह में प्रभारी प्रबंधक विजय कावड़े, विलास चौरे, जितेंद्र जाम्भूरकर, डी. सी. धारने (विक्रेता), जितेंद्र धारने (लिपिक), पुनाराम लिल्हारे (डाटा ऑपरेटर) सहित रोशनलाल कछवाहे, नवलबिहारी पालीवाल, बी. आर. आसटकर, भीकमचंद आचरे, प्रीति वानखेड़े, तिलक लिल्हारे, इशनलाल ऐडे, कैलाश चौरे, बुद्धीप्रसाद ऐडे, गिरीश बड़गैया, घनश्याम पंचाले, समिति के कर्मचारी तथा कार्यक्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में कृषक मौजूद रहे। महिश्वरे के परिवार से उनकी पत्नी दमयंती महिश्वरे, भाई जितेंद्र महिश्वरे एवं विष्णुप्रसाद महिश्वरे, पुत्र मनीष महिश्वरे सहित अन्य परिजन भी समारोह में शामिल हुए। वक्ताओं ने कहा कि डी. पी. महिश्वरे ने अपने 38 वर्षों के सेवाकाल में ईमानदारी, निष्ठा और कर्तव्यपरायणता के साथ संस्था एवं कृषकों के हित में उल्लेखनीय कार्य किए। सहकारिता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और कार्यशैली आने वाले कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगी। समारोह के दौरान डी. पी. महिश्वरे को शॉल, श्रीफल, स्मृति-चिह्न और प्रशस्ति-पत्र भेंट कर सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। उपस्थित जनों ने उनके स्वस्थ, सुखद और दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का समापन आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

श्रावण के प्रथम सोमवार पर शिवमय होगा कोटेश्वर धाम

हर-हर महादेव के जयघोष के साथ कोटेश्वर धाम में उमड़ेगा आस्था का सैलाब, हजारों शिवभक्त करेंगे जलाभिषेक

पद्मेश न्यूज। लांजी। भगवान शिव की आराधना के पवित्र श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर आज कोटेश्वर धाम में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगेगा दूर-दराज के गांवों सहित नगर क्षेत्र से हजारों श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए कोटेश्वर धाम पहुंचेंगे। श्रद्धालु बेलपत्र, धतूरा, पुष्प, दूध एवं पवित्र जल अर्पित कर भगवान शिव का अभिषेक करेंगे तथा परिवार की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना करेंगे। श्रावण सोमवार का विशेष धार्मिक महत्व होने के कारण मंदिर परिसर में भक्ति और आस्था का अद्भुत वातावरण देखने को मिलेगा । स्थानीय प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, पार्किंग तथा यातायात व्यवस्था के लिए आवश्यक तैयारियां की गई हैं। श्रद्धालुओं से भी अपील की गई है कि वे अनुशासन बनाए रखते हुए दर्शन करें और प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करें।

कांवड़ यात्रा का धार्मिक महत्व

कांवड़ यात्रा भगवान शिव के प्रति श्रद्धा, आस्था, तप और समर्पण का पावन प्रतीक है। श्रावण मास में श्रद्धालु पवित्र नदियों, सरोवरों या जलस्रोतों से जल भरकर कांवड़ के माध्यम से शिवलिंग पर अर्पित करते हैं। मान्यता है कि श्रावण मास में भगवान शिव को जलाभिषेक करने से वे अत्यंत प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं

पूर्ण करते हैं। पौराणिक मान्यता के अनुसार समुद्र मंथन के समय निकले कालकूट विष का पान भगवान शिव ने समस्त सृष्टि की रक्षा के लिए किया था। विष की ज्वाला को शांत करने हेतु देवताओं ने उन पर पवित्र जल अर्पित किया। तभी से भगवान शिव पर जल चढ़ाने की परंपरा चली आ रही है, जो आगे चलकर कांवड़ यात्रा के रूप में व्यापक रूप से प्रचलित हुई। कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि अनुशासन, संयम, सेवा, भाईचारे और सामाजिक एकता का भी संदेश देती है। यात्रा के दौरान श्रद्धालु सात्विक जीवन, भजन-कीर्तन, सेवा और नियमों का पालन करते हुए भगवान शिव की आराधना करते हैं।

चहेली सीतापाला से कोटेश्वर धाम तक निकलेगी 42 किलोमीटर की कांवड़ यात्रा

श्रावण मास के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर आज चहेली सीतापाला से कोटेश्वर धाम, लांजी तक 42 किलोमीटर की भव्य कांवड़ यात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली जाएगी। यात्रा में बड़ी संख्या में शिवभक्त कांवड़ में पवित्र जल लेकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए पैदल यात्रा करेंगे। यात्रा के दौरान पूरा मार्ग बोल बम, हर-हर महादेव और जय भोलेनाथ के जयघोष से गुंजायमान रहेगा। श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए अनुशासन एवं श्रद्धा के साथ कोटेश्वर धाम पहुंचेंगे, जहां भगवान शिव का विधि-विधान से जलाभिषेक एवं पूजन-अर्चन किया जाएगा। कांवड़ यात्रा के आयोजक बोल बम सेवा समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि समिति के कार्यालय से सुबह 7 बजे कांवड़ यात्रीयो का पहला जत्था रवाना होगा जंहा सभी कांवड़ यात्री छोटी बाघ नदी के उद्धम स्थल चहेली सीतापाला पंहुच कर. उद्गम के पवित्र जल से स्नान कर. महादेव की पूजा अर्चना कर कांवड़ मे बोल बम के जयकारे और ओऽम नम: शिवाय के जय घोष के साथ पैदल यात्रा का संकल्प कर जल पात्रों मे भरकर अपनी यात्रा प्रारंभ करेंगे. बता दे कि कांवड़ यात्रियों के लिए समिति के द्वारा कांद्री घाट मे जल पान स्वल्पाहार की वयवस्था की जाती है जंहा प्रसाद ग्रहण कर यात्रा अग्रिम पडाव के लिए प्रस्थान करती है यात्रा के मार्ग मे अनेकों सेवा भावी लोग मे सामाजिक धार्मिक संगठन के सद्स्य कांवड़ यात्रियों की सेवा ओ मे नज़र आते है जोकि यात्रा के मार्ग मे फल सहित अनेकों खान पान की वस्तुए कांवड़ यात्री के सेवा के लिए लाते है. करीब शाम 6 बजे कांवड़ यात्री धर्म नगरी लांजी स्थित कोटेश्वर धाम पहुचते है. जंहा मंदिर के पुजारी के द्वारा मंत्रों उच्चारण के साथ कांवड़ यात्रीयो के द्वारा लाया गया पवित्र जल महादेव को अर्पित कर मनवांछित फल हेतु प्राथना की जाकर भगवान कोटेश्वर नाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। कांवड़ यात्रा की अधिक जानकारी और अगले चरणों की यात्रा के लिए बोल बम सेवा समिति के पदाधिकारियों से संपर्क किया जा सकता है।

मैत्रेय पब्लिक स्कूल देवलगांव में छात्र संघ का चुनाव सम्पन्न

तनवी पटले अध्यक्ष व छवि पटले उपाध्यक्ष निर्वाचित

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम देवलगांव स्थित मैत्रेय पब्लिक स्कूल में शनिवार 1 अगस्त को लोकतंत्र का अनूठा उदाहरण देखने को मिला। विद्यालय में पहली बार वास्तविक चुनावी प्रक्रिया के तहत छात्र संघ का चुनाव कराया गया। नामांकन, चुनाव प्रचार, गुप्त मतदान, मतपेटी तथा मतगणना सहित पूरी प्रक्रिया विधानसभा और लोकसभा चुनाव की तर्ज पर पारदर्शी एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न हुई। सुबह से ही विद्यालय परिसर में चुनावी माहौल बना रहा। छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक मतदान कर अपने पसंदीदा उम्मीदवारों के पक्ष में मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान समाप्त होने के बाद मतगणना की गई, जिसमें पूरे विद्यालय परिसर में परिणामों को लेकर उत्सुकता का माहौल रहा। कड़े मुकाबले के बाद घोषित परिणामों में तनवी पटले ने वर्ष 2026-27 के लिए अध्यक्ष पद पर शानदार जीत दर्ज की, जबकि छवि पटले उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुईं। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय तालियों और खुशी के नारों से गूंज उठा। विद्यालय के संचालक प्रशांत मेश्राम ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य केवल छात्र प्रतिनिधियों का चयन करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को लोकतंत्र

की वास्तविक चुनावी प्रक्रिया से परिचित कराना भी था। इस प्रयोग के माध्यम से विद्यार्थियों ने मतदान की पूरी प्रक्रिया को निकट से देखा और जिम्मेदार मतदाता बनने के महत्व को समझा। चुनाव की संपूर्ण प्रक्रिया मुख्य निर्वाचन अधिकारी सुरेन्द्र नाईक, चमरूलाल ढवरे, कार्यक्रम संयोजक सुभाष नेवारे तथा विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं की निगरानी में निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हुई। परिणाम घोषित होने के बाद संचालक प्रशांत मेश्राम एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का माल्यार्पण कर तथा मिठाई खिलाकर स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को मतदान के महत्व, लोकतंत्र की मूल भावना तथा जिम्मेदार नागरिक बनने के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।अपने संबोधन में प्रशांत मेश्राम ने कहा कि लोकतंत्र को समझने का सबसे प्रभावी तरीका मतदान की प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अनुभव है। वहीं प्राचार्य एवं चुनाव अधिकारियों ने विद्यार्थियों से कहा कि लोकतंत्र केवल पुस्तकों तक सीमित विषय नहीं, बल्कि जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस प्रकार के प्रयोग विद्यार्थियों में मतदान के प्रति जागरूकता, जिम्मेदारी और सही प्रतिनिधि चुनने की समझ विकसित करते हैं, जो उन्हें भविष्य का सजग मतदाता बनने में सहायक सिद्ध होंगे।

लांजी में "पद्मेश"

इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

तिरंगे में घर लौटे मेजर हमजा, इंदौर ने नम आंखों से दी अंतिम विदाई

एक माह पहले हुई थी शादी, जैसलमेर हादसे में गई सेना अधिकारी की जान; पत्नी ने थामा शहादत का तिरंगा

इंदौर। एक माह पहले जिस घर में शहनाइयों की गूंज थी और नई जिंदगी के सपने सज रहे थे, रविवार को वहीं मातम पसरा था। भारतीय सेना के मेजर हमजा आरिफ जब तिरंगे में लिपटकर अपने शहर इंदौर लौटे तो पूरा शहर उन्हें अंतिम सलाम करने उमड़ पड़ा। सैन्य सम्मान, देशभक्ति के नारों और नम आंखों के बीच वीर अधिकारी को अंतिम विदाई दी गई।

अंतिम विदाई का सबसे भावुक क्षण तब आया, जब पत्नी ज्योति अरोरा ने पति के पार्थिव शरीर पर लिपटे तिरंगे को नमन किया। कुछ दिन पहले जिस हाथ में उन्होंने जीवनभर साथ निभाने का संकल्प थामा था, रविवार उसी हाथ ने पति की शहादत की अंतिम निशानी तिरंगा संभाला। गार्ड ऑफ ऑनर के बाद सेना के अधिकारियों ने उन्हें वही तिरंगा सौंपा, जिसमें लिपटकर मेजर हमजा अंतिम यात्रा पर आए थे। ज्योति ने तिरंगे को सीने से लगा लिया और यह दृश्य देखकर वहां मौजूद हर आंख नम हो गई।

शादी के एक माह बाद ही थम गया खुशियों का सफर

31 वर्षीय मेजर हमजा आरिफ का विवाह करीब एक माह पहले ही हुआ था। शादी के बाद परिवार के साथ कुछ समय बिताकर वे देशसेवा के कर्तव्य पर वापस लौटे थे। किसी ने नहीं सोचा था कि नई जिंदगी की शुरुआत के कुछ ही दिनों बाद परिवार को उन्हें अंतिम विदाई देनी पड़ेगी।

मेजर हमजा पिछले नौ वर्षों से भारतीय सेना में सेवाएं दे रहे थे। उनके परिवार में माता-पिता और तीन बहनें हैं। उनके पिता आरआर कैट से सेवानिवृत्त हैं। दोस्तों के अनुसार, हमजा अनुशासित, मिलनसार और कर्तव्य के प्रति समर्पित अधिकारी थे।

जैसलमेर में सड़क हादसे में गई जान

मेजर हमजा आरिफ गुरुवार देर रात अपने दो साथी अधिकारियों के साथ ड्यूटी पूरी कर सैन्य स्टेशन लौट रहे थे। जैसलमेर के थईयात सैन्य क्षेत्र के पास अचानक सड़क पर आए ऊंट से सेना की एसयूवी टकरा गई।

टक्कर के बाद वाहन अनियंत्रित होकर कई बार पलट गया। हादसे में मेजर हमजा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके साथ मौजूद दो लेफ्टिनेंट गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों का सैन्य अस्पताल में उपचार जारी है।

सैफी नगर से कब्रिस्तान तक उमड़ा जनसैलाब

रविवार सुबह सैफी नगर में जनाजे की नमाज के बाद मेजर हमजा की अंतिम यात्रा शुरू हुई। सेना के वाहन से निकली यात्रा माणिकबाग पुल, कलेक्टर चौराहा, राजबाड़ा और सदर बाजार होते हुए इमली बाजार स्थित शिया दाऊदी बोहरा कब्रिस्तान पहुंची।

रास्तेभर लोग घरों और दुकानों के बाहर खड़े होकर वीर अधिकारी को अंतिम सलाम करते रहे। राजबाड़ा पर बड़ी संख्या में शहरवासी मौजूद थे। सेना का वाहन पहुंचते ही 'भारत माता की जय' और 'मेजर हमजा आरिफ अमर रहें' के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। लोगों ने हाथ जोड़कर और सैल्यूट कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

सेना ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर दी अंतिम सलामी

अंतिम यात्रा में राजस्थान और मध्य प्रदेश से सेना के वरिष्ठ अधिकारी, बोहरा समाज के लोग, रिश्तेदार और बड़ी संख्या में शहरवासी शामिल हुए। सेना की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर देकर मेजर हमजा को अंतिम सलामी दी गई। इसके बाद धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

दोस्तों ने याद किया देशसेवा का जज्बा

मेजर हमजा के कॉलेज मित्रों ने उन्हें अनुशासित, सरल और देश के प्रति समर्पित अधिकारी के रूप में याद किया। वर्ष 2016 में चमेली देवी कॉलेज में साथ पढ़ाई करने वाले दोस्तों ने कहा कि जिस दिन लोग दोस्ती का जश्न मना रहे थे, उसी दिन उन्हें अपने साथी को अंतिम विदाई देनी पड़ी।

दोस्तों ने बताया कि मेजर हमजा हमेशा अपने कर्तव्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते थे। उनका सरल व्यवहार और देशसेवा का जज्बा हमेशा स्मृतियों में रहेगा।

नौ वर्षों तक भारतीय सेना में सेवा देने वाले मेजर हमजा आरिफ को अंतिम विदाई ने पूरे इंदौर को भावुक कर दिया। शहर ने अपने वीर अधिकारी को गर्व और नम आंखों के साथ अंतिम सलाम किया।

पं. रविशंकर शुक्ल का प्रदेश निर्माण में योगदान सदैव प्रेरणादायी रहेगा - मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री एवं प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय पंडित रविशंकर शुक्ल का प्रदेश के विकास और सुशासन की मजबूत नींव रखने में अमूल्य योगदान रहा है। उनका राष्ट्रसेवा, जनकल्याण और विकास के प्रति समर्पित जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।

रविवार को विधानसभा के सेंट्रल हॉल में पंडित रविशंकर शुक्ल की जयंती पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर विधायक भगवानदास सबनानी, विधानसभा के अधिकारी तथा स्वर्गीय शुक्ल के परिजन भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित रविशंकर शुक्ल ने शिक्षा, सिंचाई, उद्योग और प्रशासनिक विकास के क्षेत्रों में दूरदर्शी निर्णय लेकर प्रदेश की प्रगति की मजबूत आधारशिला रखी। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई और अविभाजित मध्य प्रांत एवं बरार (सीपी एंड बरार) के मुख्यमंत्री के रूप में भी उल्लेखनीय सेवाएं दीं। राज्य पुनर्गठन के बाद 1 नवंबर 1956 को गठित मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने प्रदेश के समग्र विकास की दिशा तय की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित रविशंकर शुक्ल के आदर्श, नेतृत्व क्षमता और जनसेवा की भावना आज भी प्रदेश के विकास के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से उनके बताए मार्ग पर चलकर समृद्ध और विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

उल्लेखनीय है कि पंडित रविशंकर शुक्ल का जन्म 2 अगस्त 1877 को हुआ था। वे मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री रहे और 31 दिसंबर 1956 तक इस पद पर रहते हुए प्रदेश की विकास यात्रा को नई दिशा दी।

इंस्टाग्राम पर आरएसएस शाखा का वीडियो शेयर करना पड़ा भारी, इंदौर में भड़का विवाद; छात्र के खिलाफ एफआईआर

इंदौर। सूरज नगर स्थित नार्थ एवेन्यू के खाली मैदान में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की शाखा चलती है। करीब छह माह पहले वहां रहने वाले छात्र क्षितिज वाने ने शाखा के क्रिया कलाप पर आपत्ति जताई थी। उसका कहना था कि सुबह होने वाली आवाज से उसकी नींद प्रभावित होती है। इस दौरान उसकी स्वयं सेवकों से बहस भी हुई।

छह माह पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर डाला

टीआई सुशील पटेल के अनुसार, बहस के वक्त क्षितिज ने वीडियो बना लिया था, लेकिन उस समय वह वहां से चला गया। दो दिन पूर्व उसने 'सच्चा राष्ट्रीय भक्त' नाम से इंस्टाग्राम पर पेज बनाया और छह माह पुराना वीडियो अपलोड कर दिया। इसके बाद वीडियो पर भड़काऊ कमेंट्स आने लगे और मामला और गंभीर हो गया।

मोहन मालवीय ने थाने में दर्ज कराई शिकायत

शनिवार रात मोहन मालवीय थाने पहुंचे और छात्र के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने मामले को विभिन्न समुदायों में घृणा और वैमनस्यता फैलाने के आरोप से जोड़कर जांच शुरू की है। जिन स्वयं सेवकों से छात्र की बहस हुई थी, उनमें दीपक शर्मा, लोकेंद्र कोष्ठी, लाला प्रजापत, बाबूलाल पंवार और नितिन विश्वकर्मा शामिल हैं।

पुलिस अब सोशल मीडिया पोस्ट, वीडियो और उसके बाद आए कमेंट्स की जांच कर रही है। मामले के सभी पहलुओं को खंगाला जा रहा है।

खत्म हुआ इंतजार... शिक्षा-रोजगार मामलों में जल्द मिलेगा न्याय, इंदौर को मिलेगा स्थाई फास्ट-ट्रैक कोर्ट

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से इंदौर सहित चार शहरों में नए स्थाई फास्ट-ट्रैक कोर्ट (MP Fast Track Court) के गठन की घोषणा के बाद न्यायिक व्यवस्था को लेकर नई उम्मीद जगी है। वर्तमान में इंदौर में एक भी स्थाई फास्ट-ट्रैक कोर्ट संचालित नहीं है। ऐसे में इस पहल से लंबित मामलों के जल्द निपटारे का रास्ता आसान होने की संभावना है।

शिक्षा और रोजगार मामलों को मिलेगी गति

इंदौर जिला न्यायालय में फिलहाल 82 कोर्ट संचालित हैं। दुष्कर्म और पाक्सो जैसे गंभीर मामलों की सुनवाई कई बार अलग से फास्ट-ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था नहीं होने के कारण ऐसे प्रकरण लंबे समय तक लंबित रहते हैं।

वर्षों से महसूस हो रही थी जरूरत

स्थाई फास्ट-ट्रैक कोर्ट फास्ट-ट्रैक कोर्ट की तर्ज पर की जाती रही है, लेकिन शिक्षा और रोजगार से जुड़े मामलों के लिए की मांग लंबे समय से महसूस की जा रही थी। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद उम्मीद है कि शिक्षा और रोजगार से जुड़े मामलों के साथ अन्य लंबित प्रकरणों का भी तेजी से निराकरण हो सकेगा। फिलहाल इंदौर में एक भी स्थाई फास्ट-ट्रैक कोर्ट नहीं है, इसलिए नई व्यवस्था न्यायिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।

मुख्यमंत्री के इंदौर में फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन की घोषणा के बाद मामलों की त्वरित सुनवाई संभव हो सकेगी। पक्षकारों को राहत मिलेगी।

- अभिजीत सिंह राठौर, लोक अभियोजक, इंदौर

अग्निवीर भर्ती का फिजिकल टेस्ट भिंड-मुरैना के अभ्यर्थियों लिए बना चुनौती! 10 जिलों के 12 हजार अभ्यर्थी सागर में देंगे परीक्षा

ग्वालियर। भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया के तहत शारीरिक परीक्षा (फिजिकल टेस्ट) का आयोजन अक्टूबर के पहले और दूसरे सप्ताह में सागर में किया जाएगा। इसके लिए, सागर जिला प्रशासन ने सेना भर्ती कार्यालय को अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी कर दिया है। परीक्षा का आयोजन सागर स्थित इंदिरा गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज के मैदान में होगा।

करीब 12 हजार अभ्यर्थी इस शारीरिक परीक्षा में हिस्सा लेंगे। इनमें सबसे अधिक संख्या ग्वालियर, भिंड और मुरैना के युवाओं की है। सेना भर्ती कार्यालय परीक्षा की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा है। अग्निवीर भर्ती के पहले चरण के तहत अप्रैल में ऑनलाइन लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से करीब 46 हजार अभ्यर्थियों ने भाग लिया था। इनमें से लगभग 12 हजार उम्मीदवार सफल घोषित हुए हैं, जिन्हें अब शारीरिक परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा। शारीरिक परीक्षा का विस्तृत कार्यक्रम तय होने के बाद सफल अभ्यर्थियों को ई-मेल के माध्यम से प्रवेश पत्र (एडमिट कार्ड) भेजे जाएंगे। उम्मीदवारों को निर्धारित तिथि और समय पर परीक्षा केंद्र पर पहुंचना होगा।

10 जिलों के अभ्यर्थी लेंगे हिस्सा

सागर में होने वाली इस परीक्षा में प्रदेश के 10 जिलों के करीब 12 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे। इनमें लगभग 70 प्रतिशत अभ्यर्थी ग्वालियर, भिंड और मुरैना जिले के हैं। बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन और सेना भर्ती कार्यालय व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर रहे हैं।

भिंड, मुरैना और शिवपुरी के अभ्यर्थियों के लिए बढ़ी परेशानी

भिंड, मुरैना और शिवपुरी के अभ्यर्थियों को परीक्षा स्थल तक पहुंचने में यात्रा संबंधी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इन जिलों से सागर के लिए पर्याप्त ट्रेन सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में उम्मीदवारों को पहले ग्वालियर पहुंचना होगा और वहां से ट्रेन के जरिए सागर जाना पड़ेगा। सीमित रेल सेवाओं के कारण कई अभ्यर्थियों को परीक्षा से एक दिन पहले ही ग्वालियर पहुंचना पड़ सकता है, ताकि समय पर सागर के लिए ट्रेन पकड़ सकें और निर्धारित तिथि पर शारीरिक परीक्षा में शामिल हो सकें।

अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सेना के अधिकारी रेलवे को विशेष ट्रेन चलाने के लिए पत्र लिखेंगे। इससे भिंड, मुरैना, शिवपुरी और आसपास के जिलों के उम्मीदवारों को सागर तक पहुंचने में आसानी होगी और परीक्षा में शामिल होने में किसी तरह की परेशानी नहीं आएगी।

सागर में होने वाली अग्निवीर भर्ती की शारीरिक परीक्षा के लिए सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है और अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। रेलवे को भी पत्र लिखेंगे, ताकि स्पेशल ट्रेन चलाई जाए, वर्तमान ट्रेन में बोगियां बढ़ाई जाएं।

-कर्नल पंकज कुमार, निदेशक, सेना भर्ती कार्यालय।

भोपाल में चातुर्मास कलश स्थापना महोत्सव में सीएम मोहन यादव ने की घोषणा

आचार्य समय सागर महाराज होंगे मध्य प्रदेश के राजकीय अतिथि

भोपाल। राजधानी भोपाल में आयोजित आचार्य समय सागर महाराज ससंघ के चातुर्मास कलश स्थापना महोत्सव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बड़ा ऐलान करते हुए आचार्य समय सागर महाराज को मध्य प्रदेश का राजकीय अतिथि घोषित करने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने आचार्य श्री को मध्य प्रदेश विधानसभा आने का निमंत्रण भी दिया, ताकि जनप्रतिनिधि उनके मार्गदर्शन का लाभ ले सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी में आचार्य समय सागर महाराज के पुनः आगमन पर राज्य सरकार उनकी आध्यात्मिक परंपरा और समाज के प्रति उनके योगदान का सम्मान करते हुए उन्हें राजकीय अतिथि का दर्जा प्रदान करती है। इस घोषणा का समारोह में मौजूद हजारों श्रद्धालुओं ने जयघोष के साथ स्वागत किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आचार्य समय सागर महाराज का पाद प्रक्षालन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आचार्य श्री ने उन्हें शास्त्र भेंट किए। इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष पंकज सुपारी, पूर्व अध्यक्ष मनोज बांगा, प्रमोद जैन, हिमांशु जैन सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। समारोह में मंत्री विश्वास सारंग, विधायक आलोक शर्मा, राहुल कोठारी, रविंद्र यति, राजकुमार पटेल तथा बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं समाजजन शामिल हुए।

संतों का सान्निध्य जीवन को देवमार्ग पर ले जाता है

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि मनुष्य जीवन 84 लाख योनियों के बाद प्राप्त होता है और इसी जीवन से देवत्व तथा कष्ट—दोनों मार्ग निकलते हैं। यदि जीवन में संतों का सान्निध्य मिल जाए तो मनुष्य का मार्ग स्वतः देवत्व की ओर अग्रसर हो जाता है। उन्होंने आचार्य विद्यासागर महाराज के साथ अपने लंबे जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि उन्हें वर्षों तक उनका सान्निध्य और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ तथा अब आचार्य समय सागर महाराज उसी आध्यात्मिक परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की पहचान उसकी आध्यात्मिक विरासत, संत परंपरा, अहिंसा और सेवा भाव से है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि शासक नहीं बल्कि जनता के सेवक होते हैं और शासन का हर निर्णय समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए होना चाहिए।

आचार्य समय सागर महाराज का संदेश

अपने आशीर्वचन में आचार्य समय सागर महाराज ने कहा कि अहिंसा केवल जैन धर्म का नहीं, बल्कि पूरे विश्व का आधार है। उन्होंने वर्षायोग की महत्ता बताते हुए समाज से आह्वान किया कि आचार्य विद्यासागर महाराज की प्रेरणा के अनुरूप अहिंसा, जीव दया, शिक्षा, चिकित्सा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्रों में सेवा कार्यों को आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम भी है।

विधानसभा आने का दिया निमंत्रण

मुख्यमंत्री ने आचार्य समय सागर महाराज से मध्य प्रदेश विधानसभा आने का आग्रह करते हुए कहा कि प्रदेश के सभी विधायक उनके मार्गदर्शन से सेवा, संयम और लोककल्याण के मूल्यों को अपने सार्वजनिक जीवन में आत्मसात कर सकें।

नरेंद्र सिंह तोमर के 'गुलाटी' वाले बयान पर मचा बवाल

मुरैना। दिमनी के विधायक और मप्र विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कुशवाह को गुलाटी मारने वाला और खुद की विश्वसनीयता को खंडित करने वाला कह दिया। इस बयान पर अब मुरैना से लेकर भोपाल तक के राजनीतिक गलियारों में हल्ला मच गया है। कुशवाह समाज के पूर्व विधायक, जनप्रतिनिधि व समाजसेवियों ने विस अध्यक्ष के बयान पर कड़ी आपत्ति लेकर सबक सिखाने तक की बात कह रहे हैं। उधर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी विस अध्यक्ष के बयान को पिछड़ा वर्ग विरोधी बता दिया।

भाजपा जिलाध्यक्ष के घर कार्यक्रम में तोमर का बयान-कहा- 'एक खूंटे से बंधकर रहने पर ही रहती है प्रतिष्ठा'

शुक्रवार को भाजपा के मुरैना जिलाध्यक्ष कमलेश कुशवाह के आवास पर कुशवाह समाज का एक कार्यक्रम रखा गया। इस कार्यक्रम में सैकड़ों कुशवाह लोग थे। इतनी भीड़ को देख विस अध्यक्ष ने कहा, कि मुझे लगा कि जिलाध्यक्ष कमलेश ने दो-चार लोगों के साथ चाय पर बुलाया है, पर यहां इतने लोगों के दर्शन होंगे यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है। इसके बाद विस अध्यक्ष ने कहा, कि एक समय था जब कुशवाह समाज को भाजपा का समर्थक समाज मानते थे। जब बसपा जैसी पार्टियों का जन्म भी नहीं हुआ था, उस कालखंड में भाजपा ने कालीचरण कुशवाह को टिकट दिया, जब कोई पार्टी कल्पना भी नहीं कर सकती, कि कुशवाह समाज को टिकट देना है।

पदाधिकारी का तो समय होता है, एक समय के बाद बदल जाता है, लेकिन भाजपा का कार्यकर्ता सदैव रहता है। भाजपा कुशवाह समाज के प्रति समर्पित रही है, लेकिन यह बात अलग है, कि बीच-बीच में कुशवाह समाज थोड़ा इधर-उधर गुलाटें खाता रहा और उसके कारण आपने अपनी विश्वसनीयता को खंडित किया। लोकतंत्र में सवाल इस बात का है, कि पूछ और प्रतिष्ठा उसी की रहती है, जो एक खूंटे से बंधकर रहता है, रहती है, कि नहीं रहती। इस बयान पर विस अध्यक्ष तोमर का सोशल मीडिया पर विरोध बढ़ता जा रहा है, दूसरी तरफ भाजपा समर्थक कुशवाह समाज के जनप्रतिनिधि भी फेसबुक-इंस्टाग्राम पर विस अध्यक्ष के समर्थन में पोस्ट कर रहे हैं।

नेताओं के बयान और प्रतिक्रियाएं

विस अध्यक्ष मेरे निवास पर पारिवारिक कार्यक्रम में समाज के बंधुओं से मिले थे। उन्होंने भाजपा में काम करने वाले कुशवाह समाज के लोगों को पार्टी काम के लिए प्रेरित करते हुए समाज के वरिष्ठ नेता रहे कालीचरण कुशवाह का उदाहरण दिया, कि उन्हें पार्टी ने तीन टिकट दिए, संगठन अध्यक्ष भी बनाया। कालीचरण की मरने के बाद भी पार्टी में सम्मान मिलता है। कुशवाह समाज के जो लोग इधर-उधर चले जाते हैं, उनका सम्मान नहीं होता। कांग्रेसियों ने इस मामले को अलग तरीके से पेश कर विवाद खड़ा करने का षड्यंत्र रचा था, समाज हमारा समझदार है, वह सब समझता है।

- कमलेश कुशवाह, भाजपा जिलाध्यक्ष

नरेंद्र सिंह तोमर और उनकी पार्टी संविधान विरोधी, लोकतंत्र विरोधी, इंसानियत विरोधी, आरक्षण विरोधी, छात्रवृत्ति विरोधी, स्कूल बंद कर शिक्षा विरोधी, अनुसूचित जाति-जनजाति व अल्पसंख्यक विरोधी, हमारे महापुरुषों की विचारधारा की विरोधी है। पिछले साल कुशवाह समाज के 85-86 निर्दोष लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई, फिर भी आप उम्मीद करते हैं, कि कुशवाह समाज आपके खूंटे से बंधकर रहे, तो नहीं तोमर साहब नहीं। कुशवाह समाज के प्रति विस अध्यक्ष की इस सोच की निंदा करता हूं, समाज से अपील करता हूं कि समय आने पर इसका जवाब दिया जाए।

- बैजनाथ कुशवाह, पूर्व विधायक, सबलगढ़

कुशवाह समाज एक जगह वोट नहीं देता, गुलाटी खा जाता है, एक खूंटे से बंधा नहीं रहता। यह एक बयान नहीं है, बल्कि पूरे समाज के आत्मसम्मान पर सीधा वार किया है। आप भूल गए हो, मुरैना-श्योपुर से जीतकर संसद तक पहुंचे, तब कुशवाह समाज के एक-एक वोट का समर्पण व योगदान रहा है। आपको शर्म आनी चाहिए, आप उस समाज को दलबदलू बोल रहे हो। इसमें हमारे समाज के जो दलाल नेता हैं, जो आपके गुलाम हैं, चाटुकारिता कर रहे हैं, उनकी भी गलती है, वरना विस अध्यक्ष कौन होते हैं दलबदलू बोलने वाले। यह समाज गुलाटी खाता नहीं, गुलाटी खिलाता है। नेताजी सोच-समझकर बोला कीजिए।

- रंजेश कुशवाह, प्रदेश अध्यक्ष, कुशवाह समाज महिला मोर्चा

नरेंद्र सिंह तोमर चाहते हैं कि पूरा समाज उनके खूंटे से बंधकर रहे, मैं उनसे कहना चाहता हूं आप और आपकी पार्टी संविधान विरोधी है। कुशवाह समाज में कुछ लोग दलाल चाटुकार हैं, लेकिन पूरा समाज दलाल-चाटुकार नहीं है। यह समाज वो है जो स्वाभिमान की जिंदगी जीना चाहता है, कुशवाह समाज किसी तरह से कमजोर नहीं है। कुशवाह समाज को गुलाम बनाने की तैयारी चल रही है।

एमपी में प्रमोशन का इंतजार कर रहे कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर, इस दिन से शुरू हो सकती है सुनवाई

भोपाल। प्रदेश में 2016 के बाद पदोन्नतियां प्रारंभ तो हुईं मगर इसे लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। कुछ विभागों में केवल नोटिस के आधार पर पदोन्नतियां रोकी जा रही हैं तो कुछ विभागों में अनारक्षित श्रेणी के पदों पर पदोन्नतियां नहीं दी गईं। भारतीय पशु चिकित्सा परिषद ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल से की है।

उधर, तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने भी कंप्यूटर दक्षता प्रमाणीकरण (सीपीसीटी) की आड़ में पदोन्नति रोकने का आरोप लगाया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय ने जांच कर उचित कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उधर, पदोन्नति नियम 2025 को लेकर एक-दो दिनों में हाई कोर्ट जबलपुर में सुनवाई हो सकती है।

पशुपालन विभाग की पदोन्नति पर उठे सवाल

प्रदेश में बंद पदोन्नतियां फिर प्रारंभ होने से अधिकारी-कर्मचारी उत्साहित हैं। सभी विभागों में पदोन्नति समिति की बैठकें चल रही हैं लेकिन कुछ विभागों में प्रक्रिया का पालन नहीं करने और गड़बड़ियों को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। पशुपालन एवं डेयरी विभाग में हुई पदोन्नति को लेकर भारतीय पशु चिकित्सा परिषद के अध्यक्ष डॉ. उमेश कुमार शर्मा ने आपत्ति की है।

उन्होंने मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव को लिखे पत्र में कहा कि 27 जुलाई 2026 को पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ से उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं के 202 पदों के विरुद्ध पदोन्नति के लिए विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक की गई।

पदोन्नति के लिए अनुपयुक्त घोषित किया

इनमें से लगभग 30 पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञों को पूर्व में जारी मात्र कारण बताओ नोटिस के आधार पर पदोन्नति के लिए अनुपयुक्त घोषित कर दिया गया। जबकि, उनके विरुद्ध कोई भी विभागीय जांच संस्थापित नहीं की गई थी और न ही कोई आरोप पत्र जारी किए गए थे।

जबकि, नियमानुसार आरोप पत्र जारी होने के बाद ही किसी अधिकारी को पदोन्नति के लिए अनुपयुक्त घोषित किया जा सकता है। इसके साथ ही अनारक्षित श्रेणी के 14 पदों पर जानबूझकर पदोन्नति की कार्रवाई नहीं की गई जबकि इस श्रेणी में पर्याप्त संख्या में पात्र अधिकारी पदोन्नति के लिए उपलब्ध थे।

अब की जा रही है ये मांग

पदोन्नति के बाद पदस्थापना की कार्यवाही में भी अनियमितताओं की सूचना प्राप्त हो रही हैं। इसे देखते हुए पूरे मामले की जांच कराई जाए। विभागीय पदोन्नति की बैठक फिर की जाए और उसमें सामान्य प्रशासन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी को सदस्य के रूप में शामिल किया जाए।

लोक निर्माण विभाग और सीपीसीटी को लेकर भी आपत्ति

उधर, लोक निर्माण विभाग की मुख्य अभियंता के पद को लेकर तत्कालीन मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में हुई बैठक में सवाल उठ चुके हैं। जिन अधिकारियों के विरुद्ध जांच थीं, उनकी गोपनीय चरित्रावली भी क प्लस श्रेणी की होने पर आपत्ति उठाई गई थी, जिसके बाद प्रक्रिया रुक गई। उधर, सहायक श्रेणी तीन के पदों पर भर्ती में सीपीसीटी की आड़ लेकर पदोन्नति न देने को लेकर तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ सवाल उठा चुका है।

भारतीय टीम नौवी बार श्रीलंका में द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज खेलेगी

12 खिलाड़ी पहली बार श्रीलंकर में टेस्ट खेलेंगे

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम अगले माह 15 अगस्त से श्रीलंका में दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। 9 साल के बाद भारतीय टेस्ट टीम एक बार फिर श्रीलंका में खेलती दिखेगी। भारतीय टीम को ये दौरा 9वां द्विपक्षीय टेस्ट दौरा होगा। अगर पिछले तीन दशक के इतिहास पर नजर डालें, तो साल 1985 से 2017 तक भारतीय टीम ने श्रीलंका में कुल 24 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान भारत ने 9 जीत दर्ज की हैं, 7 में उसे हार मिली और 8 मुकाबले ड्रॉ रहे। हालांकि, पिछले कुछ सालों से भारत का पलड़ा भारी रहा है और टीम ने श्रीलंकाई मैदानों पर अपने पिछले पांचों टेस्ट मैच जीते हैं। इस बार भारतीय टीम के 15 सदस्यीय दल में से 12 खिलाड़ी ऐसे हैं जो पहली बार श्रीलंका में टेस्ट मैच खेलने उतरेंगे। इसमें कप्तान शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इन खिलाड़ियों ने भले ही बाकी जगहों पर कई रिकार्ड बनाये हों पर श्रीलंका में टर्निंग विकेट पर स्पिनरों के सामने इनकी असल परीक्षा होगी।

गौरतलब है कि भारतीय टीम ने पहली बार 1985 में कपिल देव की कप्तानी में श्रीलंका का दौरा किया, जहां उसे सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। 1993 में, भारत को श्रीलंका की धरती पर अपनी पहली टेस्ट जीत मिली, लेकिन सीरीज बराबरी पर समाप्त हुई। इसके बाद 1997, 1999 और 2001 में भी भारतीय टीम को खास सफलता नहीं मिली और या तो सीरीज ड्रॉ रही या भारत को हार झेलनी पड़ी। 2008 का दौरा अजंता मेंडिस की रहस्यमी स्पिन के लिए याद किया जाता है, जिसने भारतीय बल्लेबाजों को खासा परेशान किया था, और भारत को सीरीज गंवानी पड़ी। 2010 में रोमांचक सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही।

हालांकि, 2015 का श्रीलंका दौरा भारतीय क्रिकेट इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। गॉल में 63 रनों की हार श्रीलंका की धरती पर टेस्ट मैचों में भारत की आखिरी हार थी। उस हार के बाद, विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम ने वापसी की और अगले दोनों टेस्ट जीतकर 2-1 से ऐतिहासिक सीरीज अपने नाम की। 2017 में भारत ने श्रीलंकाई टीम का पूरी तरह सफाया कर दिया। 26 जुलाई को गॉल में 304 रनों की विशाल जीत, 3 अगस्त को एसएससी में पारी और 53 रनों की जीत, और 12 अगस्त को पल्लेकेले में पारी और 171 रनों की धमाकेदार जीत के साथ भारत ने सीरीज 3-0 से जीती और अपना दबदबा साबित किया।

अगर द्विपक्षीय सीरीज के नतीजों पर नजर डालें तो 1985, 1993, 2001 और 2008 की चारों सीरीज में भारत को नाकामी मिली थी (1993 ड्रॉ, अन्य में हार), जबकि 2010 की सीरीज 1-1 से बराबर रही थी। लेकिन 2015 (2-1) और 2017 (3-0) की पिछली दो सीरीज जीतकर भारत ने अपना दबदबा साबित किया है। अब 2026 में, जब भारतीय टीम 9 साल बाद श्रीलंका में टेस्ट सीरीज खेलने उतर रही है, तो उनके सामने अपने पिछले 5 टेस्ट मैचों की जीत की लय को बरकरार रखने की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

भारत की इशरूप ने रेपेशॉज मुकाबले में जॉर्जिका को हराया

ग्लास्गो । राष्ट्रमण्डल खेलों में रविवार का दिन भारतीय खिलाड़ियों के लिए खास नहीं रहा। भारत की जूडो खिलाड़ी इशरूप नारंग (78 किग्रा) ने कांस्य पदक जीतने की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है, वहीं अन्य भारतीय खिलाड़ियों को निराशा का सामना करना पड़ा और वे प्रतियोगिता से बाहर हो गए। इशरूप ने महिलाओं के 78 किग्रा वर्ग के रेपेशॉज मुकाबले में कैमरून की जॉर्जिका वेस्ली जेंगुए मौने को हराया। इशरूप ने अपनी लंबी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए दो युको हासिल किए और अंततः वाजा-आरी के आधार पर मुकाबला जीता। इस जीत के साथ, इशरूप अब कांस्य पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिससे भारत के लिए पदक की एक और उम्मीद बंधी है। जूडो में, युको तब दिया जाता है जब कोई खिलाड़ी अपने प्रतिद्वंद्वी को सफलतापूर्वक गिराता है या उसे पांच से नौ सेकंड तक होल्ड-डाउन करता है। वहीं स्वर्ण पदक जीतने की उनकी उम्मीदें अभियान क्वार्टर फाइनल में हार के साथ ही समाप्त हो गयी थीं। उन्हें इंग्लैंड की एमा रीड ने इप्पोन से मात दी। चार मिनट तक चले इस कड़े मुकाबले में इशरूप को दो पेनल्टी (शिडो) मिलीं, जबकि एमा ने दो वाजा-आरी हासिल कर अपनी जीत तय की। इशरूप ने अपने अभियान की अच्छी शुरुआत करते हुए स्कॉटलैंड की निकोल वुड को हराया था। महिलाओं के 78 किग्रा वर्ग के इस शुरुआती मुकाबले में निर्धारित समय तक स्कोर बराबर रहा था, जिसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने एक मिनट 40 सेकंड के बाद निर्णायक युको हासिल कर पांच मिनट 40 सेकंड तक चले मुकाबले में जीत दर्ज की। वहीं, इप्पोन जूडो का सर्वोच्च अंक होता है, जिसके मिलते ही मुकाबला तुरंत समाप्त हो जाता है। वहीं अन्य भारतीय जूडो खिलाड़ियों को हार का सामना करना पड़। पुरुषों के 100 किग्रा वर्ग में भारत के अवतार सिंह को प्री-क्वार्टर फाइनल में साइप्रस के अरिस्टोस माइकल के खिलाफ इप्पोन से हार का सामना करना पड़ा और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। इसके अलावा इसी तरह, यश घंगास भी पुरुषों के 100 किग्रा से अधिक वजन वर्ग में हार के साथ ही बाहर हो गये पाए।

दिलीप ट्रॉफी मुकाबलों में लाल गेंद से होगी वैभव की असली परीक्षा

मुम्बई। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबज वैभव सूर्यवंशी की असली परीक्षा अब दिलीप ट्रॉफी मुकाबलों में लाल गेंद से खेलते समय होगी। सीमित ओवरों के प्रारूप में वैभव ने जमकर रन बनाये हैं पर लाल गेंद से रन बनना आसान नहीं होता। आगामी दलीप ट्रॉफी उनके लिए केवल एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने वाला मंच साबित होगा। चयनकर्ताओं ने उन पर बड़ा भरोसा जताते हुए उन्हें टीम का उपकप्तान नियुक्त किया है, जो उनके लिए अतिरिक्त दबाव के साथ ही प्रेरणास्पद भी होगा। जहां एक ओर वैभव अपनी आक्राममक बल्लेबाजी से सफेद गेंद क्रिकेट में छाये रहते हैं। वहीं वहीं फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनकी राह उतनी आसान नहीं रही है। पिछले आईपीएल सत्र में उन्होंने राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए 16 मैचों में 237.30 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए थे और ऑरेंज कैप जीती थी। इसके अलावा, वह टीम इंडिया के लिए टी-20 अंतरराष्ट्रीय में भी खेल चुके हैं और लिस्ट-ए मैचों में 43.88 की औसत से 564 रन बनाए हैं। लेकिन रणजी ट्रॉफी के आंकड़े एक विपरीत रहे हैं। वैभव ने जनवरी 2024 में मुंबई के खिलाफ महज 12 साल की उम्र में अपना रणजी डेब्यू कर इतिहास रचा था। 8 फर्स्ट क्लास मैचों में उनका औसत केवल 17.25 रहा है, जिसमें वे 207 रन ही बना सके हैं। इस प्रारूप में उनका सबसे अधिक स्कोर 93 रन है और वे अभी तक एक भी शतक नहीं लगा पाए हैं। लाल गेंद क्रिकेट पांच दिनों का खेल होता है, जबकि फेद गेंद के परिणाम तत्काल आते हैं। लाल गेंद प्रारुप धैर्य, तकनीक और मानसिक मजबूती की मांग करता है। दलीप ट्रॉफी में वैभव को देश के सबसे बेहतरीन और अनुभवी तेज गेंदबाजों का सामना करना होगा, जो सटीक लाइन-लेंथ और स्विंग-सीम से उनकी हर कमी को उजागर करने का प्रयास करेंगे। उन्हें अपनी आक्रामकता पर थोड़ा लगाम लगाकर पिच पर लंबा समय बिताने की कला सीखनी होगी। स्विंग होती गेंद के खिलाफ फुटवर्क को दुरुस्त करना, खराब गेंदों का इंतजार करना और सेशन दर सेशन बल्लेबाजी करने का अनुशासन दिखाना उनकी असली चुनौती होगी। वैभव सूर्यवंशी के लिए यह दलीप ट्रॉफी सिर्फ एक अवसर नहीं, बल्कि उनके टेस्ट करियर का निर्णायक मोड़ हो सकता है। उपकप्तानी की जिम्मेदारी के साथ खुद को साबित करने का यह सुनहरा मौका उन्हें अपने अंदर छिपे सर्वश्रेष्ठ लाल गेंद के खिलाड़ी को बाहर लाने के लिए प्रेरित करेगा।

भारत की तन्वी ने ताइपे ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट जीता

ताइपे सिटी। भारत की 17 साल की उभरती हुई बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने रविवार को यहां ताइपे ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। तन्वी ने महिला एकल फाइनल में वियतनाम की छठी वरीयता प्राप्त थुई लिन्ह एनगुएन को सीधे गेम में हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीता। 17 साल की तन्वी ने फाइनल में थुई लिन्ह को केवल 36 मिनट में ही 21-16, 21-16 से हरा दिया। इस शानदार जीत के साथ ही तन्वी ताइपे ओपन में सबसे कम उम्र की चैंपियन बन गई हैं, उन्होंने ताइवान की महान खिलाड़ी ताई जू यिंग का रिकॉर्ड तोड़ा। खिताब जीतने के बाद तन्वी ने अपनी खुशी जताते हुए कहा कि उसका लक्ष्य केवल अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना था। पूरे टूर्नामेंट में केवल एक गेम खोने वाली तन्वी ने फाइनल मुकाबले में भी जबरदस्त खेल दिखाया। उन्होंने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और अपने प्रभावी ड्रॉप शॉट और क्रॉस कोर्ट स्मैश से थुई लिन्ह पर 10-2 की बड़ी बढ़त बना ली। वियतनाम की खिलाड़ी तन्वी के सामने टिक नहीं पायी। इस भारती खिलाड़ी ने पहला गेम 21-16 से अपने नाम किया। वहीं दूसरे गेम में वियतनामी खिलाड़ ने तेज शुरुआत करते हुए 3-0 की बढ़त बनाई पर तन्वी ने धैर्य बनाए रखते हुए शानदार नेट शॉट्स और सटीक बैक कोर्ट प्ले के दम पर स्कोर 3-3 से बराबर किया और फिर 8-4 की बढ़त बना ली। मध्यांतर तक 11-8 की बढ़त बनाए रखने के बाद, तन्वी ने धीरे-धीरे अपनी बढ़त को 18-12 तक पहुंचाया। कुछ मैच अंक खोने के बावजूद, तन्वी ने चौथे अवसर का फायदा उठाते हुए ये मुकाबला जीत लिया। पूर्व विश्व जूनियर नंबर एक और विश्व जूनियर चैंपियनशिप में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय तन्वी ने 16 साल की उम्र में 2025 अमेरिकी ओपन में अपने पहले सुपर 300 फाइनल में भी जगह बनाई थी।

राष्ट्रमण्डल खेलों में भारतीय मुक्केबाजों ने जीते 7 स्वर्ण और और 3 रजत

ग्लासगो । भारतीय मुक्केबाजों ने राष्ट्रमण्डल खेलों में स्वर्णिम पंच लगाते हुए 7 स्वर्ण और तीन रजत पदकों के साथ ही कुल 10 पदक जीते। इन खेलों के फाइनल में पहुंचे सभी 10 भारतीय खिलाड़ियों ने पदक जीते हैं। भारतीय दल ने इन खेलों में 10 पदक जीते है। इसमें 7 स्वर्ण और 3 रजत पदक शामिल हैं। इसके साथ ही भारतीय मुक्केबाजों ने साल 2018 राष्ट्रमण्डल खेलों के प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया है। इसमें भारतीय टीम ने तीन स्वर्ण सहित कुल सात पदक जीते थे। इसमें भारतीय महिला मुक्केबाजों ने पांच स्वर्ण पदक जीते। वहीं पुरुष वर्ग में भी दो स्वर्ण जीते। विश्व चैंपियन जैसमीन लंबोरिया ने 57 किग्रा, प्रीति पंवार ने 54 किग्रा, साक्षी चौधरी ने 51 किग्रा, अरुंधति चौधरी ने 70 किग्रा और प्रिया घंघास ने 60 किग्रा में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने भार वर्गों में स्वर्ण पदक अपने नाम किए। पुरुष वर्ग में सचिन सिवाच ने 60 किग्रा और अंकुश पंघाल ने 80 किग्रा भार वर्ग में दो स्वर्ण जीते।

सिवाच ने 60 किग्रा वर्ग में शुरुआती दो दौर में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए नामीबिया के ट्रायागेन मॉर्निंग एनडेवेलो को 3-2 के विभाजित फैसले से हराकर स्वर्ण अपने नाम किया। वहीं महिला वर्ग में प्रीति पंवार ने महिलाओं के 54 किग्रा फाइनल में कनाडा की स्कारलेट डेलगाडो को 5-0 से पराजित किया। वहीं विश्व चैंपियन जैसमीन लंबोरिया ने भी उत्तरी आयरलैंड की गत चैंपियन माइकेला वॉल्श को 57 किग्रा वर्ग में कड़ी टक्कर के बाद 5-0 के समान अंतर से हराकर स्वर्ण जीता। वहीं साक्षी चौधरी ने 51 किग्रा वर्ग में इंग्लैंड की रूबी वाइट को हराकर तीसरा स्वर्ण जीता। प्रिया घंघास ने 60 किग्रा में कनाडा की मैरी बाथोल अल अहमदिएह को 4-1 से हराकर जीत हासिल की

पुरुष वर्ग में अंकुश पंघाल ने 80 किग्रा वजन वर्ग के फाइनल में इंग्लैंड के दिमेजी शिट्ठू को 4-1 के विभाजित फैसले से हराकर भारत की ओर से सातवां स्वर्ण जीता। अरुंधति चौधरी ने भी महिलाओं के 70 किग्रावर्ग के फाइनल में इंग्लैंड की शेंटेले रीड को 5-0 से हराकर आसान जीत हासिल की। वहीं ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन के हाथों से स्वर्ण निकल गया। लवलीना को 75 किग्रा फाइनल में ऑस्ट्रेलिया की एम्मा सू ग्रीनट्री से कड़े मुकाबले में 4-1 से मिली हार के बाद रजत पदक ही मिल पाया।

भगवान बालाजी की शरण में पहुंचे हार्दिक पंड्या

तिरुपति। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या तिरुपति बालाजी की शरण में पहुंचे हैं। पंड्या भक्ति भ्राव से तिरुमाला स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना करते दिखे। इस दौरान उनके बदले हुए स्वरूप ने सभी को हैरान कर दिया। हार्दिक ने भगवान वेंकटेश्वर के दरबार में मुंडन भी कराया। इस दैरान वह सफेद कमीज, लुंगी और गले में गमछे में दिखे। उन्होंने भगवान बालाजी की पूजा अर्चना कर आर्शीवाद भी प्राप्त किया। उनके इस नए लुक को देखकर कई प्रशंसक भी हैरान हो गये।

मंदिर में प्रवेश के लिए हार्दिक ने पारंपरिक अंगवस्त्रम धारण किया, जिसमें सफेद कमीज के साथ सफेद लुंगी और गले में गमछा शामिल था। दक्षिण भारतीय परंपरा में यह पहनावा पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। इस दौरान उनकी महिला मित्र महिका शर्मा भी मौजूद थीं। हार्दिक ने मंदिर के तय प्रोटोकॉल के तहत भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए। दर्शनोपरांत, मंदिर के पुजारियों ने उन्हें वैदिक आशीर्वाद प्रदान किया और पवित्र तीर्थ प्रसाद भेंट किया। दरअसल, तिरुमाला मंदिर में श्रद्धालु अपनी श्रद्धा और मन्नत पूरी होने पर केशदान करते हैं, और हार्दिक ने भी इसी परंपरा के तहत अपना मुंडन कराया।

गौरतलब है कि तिरुमाला का श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर हिंदू धर्म के सबसे पवित्र और तीर्थस्थलों में से एक माना जाता है। आंध्र प्रदेश के तिरुमाला जिले की पहाड़ियों पर स्थित यह मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है, जहां वे श्री वेंकटेश्वर के रूप में विराजमान हैं।

हार्दिक आध्यात्मिक शांति की तलाश में यहां पहुंचे। इन दिनों वह अपनी चोट से उबर रहे हैं। उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ लिमिटेड ओवरों की सीरीज के दौरान ये चोट लगी थी, जिसके कारण ही वह इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे पर भी भारतीय टीम में जगह नहीं बना पाये थे। अभी वह बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में फिटनेस हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत विजेता यामिनी को 25 लाख रुपये और सरकारी नौकरी देगी मध्यप्रदेश सरकार

ग्लास्गो। भारत की यामिनी मौर्य ने स्कॉटलैंड की राजधानी ग्लास्गो में जारी राष्ट्रमण्डल खेमों की जूडो स्पर्धा में शानदर प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता है। यामिनी मध्यप्रदेश के सागर जिले से है। उनकी इस शानदार सफलत पर बधाई देते हुए मध्यप्रदेश सरकार ने 25 रुपये का नगद पुरस्कार और सरकारी नौकरी देने की घोषणा की है। यामिनी ने ये सफलता विपरीत हालातों से निकलकर हासिल की है।

खिताबी मुकाबले में यामिनी की टक्कर महिलाओं के 57 किग्रा से कम भार वर्ग में इंग्लैंड की अनुभवी एसिल्या टॉपराक से हुई थी। यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। इसमें यामिनी बहुत ही कम अंतर से स्वर्ण पदक नहीं जीत पायी। उन्होंने इस दौरान विरोधी खिलाड़ी को कड़ी चुनौती देते हुए अंतिम क्षणों तक संघर्ष किया।

यामिनी का यहां तक का सफर बेहद कठिन रहा। यामिनी के पास हमेशा से ही साधनों की कमी रही पर उनके सपने बड़े थे। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई स्थानीय सरकारी स्कूल से की। शुरुआती दिनों में उन्हें जूडो जैसे खेल को चुनने के लिए अपने समाज से ताने भी सुनने पड़े, पर उन्होंने किसी की परवाह नहीं की। उनका ध्यान सिर्फ अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहा।

साल 2017 में एक मुकाबले के दौरान उन्हें एक गंभीर चोट लगी, जिसमें उनका घुटना टूट गया था। सर्जरी के बाद वह एक साल तक खेल से दूर रहीं पर यामिनी ने हार नहीं मानी। उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और अटूट लगन से न सिर्फ वापसी की, बल्कि पहले से भी ज्यादा दमदार प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। वह 2022 से लगातार भारतीय दल का हिस्सा रही हैं और दो बार सीनियर नेशनल चैंपियन का खिताब भी इस खिलाड़ी ने जीता।

यामिनी की इस असाधारण उपलब्धि पर मध्य प्रदेश सरकार उन्हें सम्मानित करेगी। मध्य प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास सारंग ने यामिनी को बधाई देते हुए कहा है कि उनकी सफलता से देश का गौरव बढ़ा है। सारंग ने वीडियो कॉल के जरिये से यामिनी से बात भी की और उनका हौसला बढ़ाया। मध्य प्रदेश की खेल नीति के अनुसार, यामिनी को 25 लाख रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी और साथ ही उन्हें सरकारी नौकरी भी प्रदान की जाएगी। यह सम्मान न सिर्फ यामिनी को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा, बल्कि अन्य युवा खिलाड़ियों के लिए भी एक प्रेरणा बनेगा। यामिनी के अलावा भ्रारोत्तोलन में रजत पदक जीतने वाले मध्य प्रदेश के ही अजय बाबू को भी 25 क इनाम और सरकारी नौकरी दी जाएगी।

जीएसएल फाइनल में 85 रनों पर आउट होने के बाद भी जीती गयाना अमेजन वॉरियर्स

गयाना । गयाना अमेजन वॉरियर्स ने ग्लोबल सुपर लीग (जीएसएल) 2026 टी20 क्रिकेट के फाइनल में केवल 85 रनों पर आउट होने के बाद भी मुकाबला जीतकर सभी को हैरान कर दिया। इस मुकाबले में गयाना अमेजन ने सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्नस को हराया। इस मैच के परिणाम को देखकर सभी हैरान रह गये। फाइनल में अनुभवी इमरान ताहिर की कप्तानी वाली गयाना अमेजन वॉरियर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी शुरु की। जब गयाना की टीम शुरुआत खराब रही और उसके बल्लेबाज एक के बाद एक पेवेलियन लौट गये। केवल 29 रन के स्कोर पर उसके 8 प्रमुख बल्लेबाज पवेलियन लौट चुके थे, जिनमें से कोई भी दो अंको तक भी नहीं पहुंच पाया। टीम का शीर्ष क्रम असफल रहा पर निचले क्रम में ड्वेन प्रीटोरियस ने 17 रन, मैथ्यू फोर्ड ने 28 रन और खुद कप्तान ताहिर ने 11 रन बनाकर टीम किसी तरह 18.5 ओवर में 85 रन तक पहुंचाया। यह स्कोर टी20 फाइनल के लिहाज से बेहद मामूली था और जीत की उम्मीदें लगभग समाप्त हो चुकी थीं। सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्नस के गेंदबाजों ने प्रभावी प्रदर्शन किया। पीटर सीडल ने 4 ओवर में केवल 18 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि अनिरुद्ध इमैनुएल ने 4 ओवर में सिर्फ 7 रन खर्च कर 3 महत्वपूर्ण विकेट झटके। फेबियन एलन, कॉलम स्टो और कारिमा गोरे ने भी एक-एक विकेट अपने नाम किया, जिससे गयाना की टीम को एक बेहद कम स्कोर पर रोक दिया गया। इससे गयान की हार तय लग रही थी। 85 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्नस ने एक के बाद एक विकेट खोये। गयाना के गेंदबाजों ने इस छोटे लक्ष्य का बचाव करने के लिए पूरी ताकत लगा दी। इससे सैन फ्रांसिस्को के बल्लेबाज दबाव में आ गये और टीम बिखर गयी। ओलिवर पीक के 31 रन और पीटर सिडल के 11 रनों के अलावा कोई भी सैन फ्रांसिस्को का बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंचा। सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्नस की पूरी टीम 18.3 ओवर में मात्र 79 रन ही बना पायी।

पंड्या बंधुओं के बीच सुलह वाला वीडियो पुराना निकला

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और उनके भाई क्रुणाल पंड्या के बीच सुलह की अटकलों की बात गलत निकली है। हार्दिक और कुणाल के बीच पिछले कुछ समय से मतभेद का दावा किया जा रहा था। इसी कारण दोनो सार्वजनिक स्थानों पर एकसाथ नहीं देखते हैं। हाल ही में टी20 विश्व कप जीतने के बाद क्रुणाल द्वारा हार्दिक के लिए कोई सोशल मीडिया पोस्ट न करने से रिश्तों में अनबन और तेज़ होने की बात कही गयी। इसी बीच ही सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेज़ी से वायरल हुआ, जिसमें दोनों भाइयों को मस्ती के मूड में एक साथ देखा गया, जिसके बाद यह दावा किया जाने लगा कि उनके बीच सब कुछ ठीक हो गया है। हालांकि, इस वायरल वीडियो की पड़ताल करने पर सामने आया कि ये फर्जी है। मुंबई एयरपोर्ट के इस वायरल वीडियो में पंड्या बंधुओं को एक साथ हंसते-बात करते हुए दिखाया गया है। वीडियो में दोनों भाई एयरपोर्ट से निकलते हुए बेहद खुशमिजाज नज़र आ रहे हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने तुरंत यह दावा करना शुरू कर दिया कि हार्दिक और क्रुणाल के बीच चल रही दूरियां अब खत्म हो गई हैं और उनके रिश्ते पहले की तरह हो गये हैं। यह वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गया और लोगों ने मान लिया कि इनके बीच सब पहले जैसा हो गया। वहीं जब इस वीडियो की सच्चाई की जांच की गई तो पता चला कि यह क्लिप हाल का नहीं है। यह वीडियो काफी पुराना है, जिसे किसी यूजर ने मौजूदा संदर्भ में दोबारा शेयर कर दिया। परिणामस्वरूप, कई लोगों ने इसे हाल का वीडियो समझ लिया और दोनों भाइयों के रिश्ते को लेकर तरह-तरह के दावे और चर्चाएं करने लगे। ऐसे में, केवल इस पुराने वीडियो के आधार पर यह कहना सही नहीं होगा कि हार्दिक और क्रुणाल के बीच सब कुछ ठीक हो गया है या उनके रिश्तों पर पड़ी बर्फ पिघल गई है।

अमेरिकी ओपन के मिश्रित युगल में पहली बार उतरेगी जोकोविच-साबालेंका की जोड़ी

न्यूयार्क। अमेरिका में इस माह के अंत में शुरु होने वाली यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट की मिश्रित युगल स्पर्धा इस साल और भी रोमांचक होगी। इसमें दुनिया के कई दिग्गज टेनिस सितारे एक साथ कोर्ट पर उतरने जा रहे हैं। इमसें सर्बिया के नोवाक जोकोविच और बेलारुस की महिला टेनिस स्टार आर्यना साबालेंका की जोड़ी है, जो पहली बार इस स्पर्धा में एक साथ खेलती नजर आएगी।

जोकोविच और साबालेंका 25 अगस्त से न्यूयॉर्क में शुरू होने वाली इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। टेनिस जगत इस जोड़ी को प्रतियोगिता की सबसे मजबूत जोड़ियों में से एक मान रहा है। पिछले वर्ष यूएस ओपन के मिश्रित युगल प्रारूप में बड़े बदलाव किए गए थे, जिसका उद्देश्य इसे अधिक आकर्षक बनाने और दुनिया के नामी एकल खिलाड़ियों को एक साथ खेलने के लिए प्रोत्साहित करना था। हालांकि इस बदलाव को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं, पर इसका असर इस साल की स्टार-स्टडेड लाइनअप में साफ दिख रहा है।

इस बार भी कई चर्चित जोड़ियां मैदान में उतरने को तैयार हैं। ब्रिटेन के जैक ड्रेपर और अमेरिका की जेसिका पेगुला, जो पिछले वर्ष सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, एक बार फिर साथ खेलेंगे। पोलैंड की इगा स्वियातेक और नॉर्वे के कैस्पर रूड, जो पिछले साल उपविजेता रहे थे, भी अपनी साझेदारी को दोहरा रहे हैं। इनके अलावा, जापान की नाओमी ओसाका और केई निशिकोरी, अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज और कजाकिस्तान की एलेना राइबाकिना, तथा रूस की मिर्रा आंद्रेयेवा और आंद्रेई रुबलेव ने भी साथ खेलने की इच्छा जताई है। इन जोड़ियों के मैदान में उतरने से प्रतियोगिता का स्तर और भी ऊंचा होने की उम्मीद है।

हालांकि, कुछ बड़े नाम इस बार प्रतियोगिता का हिस्सा नहीं होंगे। स्पेन के युवा स्टार कार्लोस अल्काराज अपनी कलाई की चोट से उबर रहे हैं, और उनकी वापसी की तारीख अभी तय नहीं हुई है। वहीं, हाल ही में विंबलडन का खिताब जीतने वाले यानिक सिनर ने अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए पहले कनाडाई ओपन से नाम वापस लिया था और अब उन्होंने यूएस ओपन मिश्रित युगल में भी भाग नहीं लेने का फैसला किया है।

महिला टेनिस की दिग्गज खिलाड़ी सेरेना विलियम्स का नाम भी शुरुआती सूची में शामिल नहीं है। पिछले महीने विंबलडन में वापसी के बावजूद, घुटने की चोट के कारण वह अपनी बहन वीनस विलियम्स के साथ प्रस्तावित युगल मुकाबला नहीं खेल सकी थीं। प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 17 अगस्त तक पूरी होगी। इसके बाद सर्वश्रेष्ठ संयुक्त एकल रैंकिंग वाली छह जोड़ियों को सीधे मुख्य दौर में जगह मिलेगी, आठ जोड़ियों को विशेष आमंत्रण मिलेगा, जबकि अंतिम दो स्थानों का फैसला 24 अगस्त को होने वाले क्वालीफिकेशन मुकाबलों से होगा।

फिंच ने सर्वकालिक एकदिवसीय टीम में सचिन से पहले विराट को रखा

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एरोन फिंच ने अपनी पसंदीदा खिलाड़ियों की सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय टीम बनायी है। हैरानी की बात ये है कि फिंच ने अपनी इस टीम में शीर्ष -8 बल्लेबाजों की जो रैंकिंग जारी की है उससे क्रिकेट जगत में विवाद उठ गया है। फिंच ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को दूसरे स्थान पर रखा है जबकि विराट कोहली को पहले पायदान पर रखा है। वहीं भारत के आक्रामक सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा को फिंच की इस प्रतिष्ठित सूची में शीर्ष-3 में भी जगह नहीं मिल पाई, जिससे कई क्रिकेट प्रशंसकों में नाराजगी है।

गौरतलब है कि एकदिवसीय प्रारुप में जब भी सर्वकालिक महान बल्लेबाजों की बात होती है, तो तेंदुलकर और विराट के बीच तुलना होना लाजमी है पर फिंच ने आंकड़ों और आधुनिक क्रिकेट में प्रभाव के विश्लेषण के आधार पर एक अलग निष्कर्ष निकाला। फिंच के अनुसार, आधुनिक क्रिकेट की चुनौतियों, दबाव और मैच जिताने की निरंतर क्षमता को देखते हुए विराट इतिहास के सबसे महान वनडे बल्लेबाज हैं। कोहली जिस दबाव में खेलते हुए निरंतर मैच जिताऊ पारियां खेलते हैं, वह उन्हें सचिन से आगे खड़ा करती है। वहीं अगर आंकड़ों के दृष्टिकोण से इस तुलना को देखें, तो तेंदुलकर ने अपने करियर में 463 एकदिवसीय मैचों की 452 पारियों में 18,426 रन बनाए हैं, जिसमें 49 शतक और 96 अर्धशतक शामिल हैं जबकि विराट कोहली ने अब तक खेले गए अपने 314 एकदिवसीय मुकाबलों की 302 पारियों में ही 14,941 रन बना लिए हैं। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि कम मैच खेलने के बावजूद विराट ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में 54 शतक और 79 अर्धशतक जड़े हैं। सचिन के मुकाबले काफी कम मैच खेलकर शतकों के मामले में उनसे आगे निकल जाना ही विराट की उस क्षमता को दर्शाता है, जिसने एरोन फिंच जैसे दिग्गज को कोहली को सचिन से ऊपर नंबर एक पायदान पर रखने पर मजबूर किया।

एक करोड़ से अधिक युवाओं ने लिया नशामुक्त भारत का संकल्प

पीएम मोदी ने 'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत' अभियान का किया शुभारंभ और बोले- तन और मन दोनों से स्वस्थ हों युवा

-100 सप्ताह चलेगा राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन, हर रविवार देशभर में जागरूकता गतिविधियां आयोजित होंगी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत संकल्प अभियान' का शुभारंभ किया। इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत देशभर के 28 हजार से अधिक स्थानों से एक करोड़ से ज्यादा युवा जुड़े। प्रधानमंत्री के संबोधन से पहले सभी प्रतिभागियों ने एक साथ नशामुक्त भारत बनाने की शपथ ली। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवाओं का तन और मन दोनों स्वस्थ होना आवश्यक है तथा उन्हें नशे जैसी घातक प्रवृत्तियों से दूर रखना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, यह अभियान केवल किसी एक व्यक्ति या संगठन का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का संकल्प है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश का युवा आत्मविश्वास से भरपूर, स्वस्थ और नशे से मुक्त होगा। उन्होंने युवाओं से नशे के दुष्प्रभावों को समझने और समाज में इसके खिलाफ जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

इस अभियान में पूज्य अम्मा, गुरुदेव श्री श्री रविशंकर, पूज्य दाजी, डॉ. चिन्मय पंड्या और स्वामी ब्रह्मविहारीजी सहित कई प्रमुख आध्यात्मिक गुरु शामिल हुए। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के राज्यपाल, मुख्यमंत्री और जनप्रतिनिधियों ने भी भागीदारी की। इसके अलावा ब्रह्माकुमारीज, इस्कॉन, चिन्मय मिशन, ऑरोविले सहित 125 से अधिक आध्यात्मिक संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों और औद्योगिक संघों ने अभियान का समर्थन किया।

सोशल मीडिया पर जानकारी की साझा

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भी अभियान की जानकारी साझा करते हुए बताया कि यह 100 सप्ताह तक चलने वाला राष्ट्रव्यापी जनभागीदारी अभियान होगा। इसके अंतर्गत प्रत्येक रविवार देशभर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें 10 हजार से अधिक स्थानों पर युवा सक्रिय रूप से भाग लेंगे। अभियान में माय भारत, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवक, स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, युवा क्लब, गैर-सरकारी संगठन तथा आध्यात्मिक संस्थाएं भी सहयोग करेंगी।

युवा बनेंगे समारात्मक सामाजिक परिवर्तन के वाहक

सरकार के अनुसार अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ उन्हें अपने समुदायों में सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन का वाहक बनाना है। इसके तहत खेल प्रतियोगिताएं, वॉकाथॉन, ध्यान सत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, कला प्रतियोगिताएं, परिचर्चाएं और जनजागरूकता अभियान आयोजित किए जाएंगे। सरकार का मानना है कि व्यापक जनभागीदारी के माध्यम से नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में यह पहल एक प्रभावी राष्ट्रीय आंदोलन का रूप लेगी।

शाह के खिलाफ आपत्तिजनक वीडियो साझा करने पर जीरो एफआईआर

-जांच मैसूर पुलिस को सौंपी गई

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित रूप से आपत्तिजनक वीडियो साझा करने के मामले में लद्दाख पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज की है। लेह पुलिस स्टेशन में दर्ज यह मामला आगे की जांच के लिए कर्नाटक के मैसूर स्थित देवराजा पुलिस स्टेशन को स्थानांतरित कर दिया गया है। मामला सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर योगेश परमार के खिलाफ दर्ज किया गया है। लिखित शिकायत के अनुसार, आरोपी ने फेसबुक पर एक वीडियो का लिंक साझा किया, जिसमें गृह मंत्री के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक और नफरत फैलाने वाली टिप्पणियां की गई थीं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इस तरह की सामग्री से समाज में वैमनस्य फैल सकता है, सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित हो सकती है और सामाजिक तथा सांप्रदायिक सौहार्द को नुकसान पहुंचने की आशंका है।

पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। इन धाराओं के तहत दोष सिद्ध होने पर दो से तीन वर्ष तक की सजा और जुर्माने का प्रावधान है।अधिकारियों के अनुसार, घटना का क्षेत्राधिकार मैसूर के देवराजा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आता है। इसी कारण कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए पहले लेह में जीरो एफआईआर दर्ज की गई और बाद में केस डायरी तथा अन्य दस्तावेज आगे की जांच के लिए संबंधित पुलिस स्टेशन को भेज दिए गए। अब मामले की जांच और आवश्यक कानूनी कार्रवाई मैसूर पुलिस करेगी। जीरो एफआईआर ऐसी व्यवस्था है, जिसके तहत किसी भी पुलिस थाने में, क्षेत्राधिकार की परवाह किए बिना, प्रारंभिक प्राथमिकी दर्ज की जा सकती है। इसके बाद मामला जांच के लिए संबंधित क्षेत्र के पुलिस थाने को स्थानांतरित कर दिया जाता है।

दीपके के परिवार की संपत्ति जांचने की मांग

मुंबई। सूरत के आरटीआई कार्यकर्ता अमित तिवारी ने कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके के परिवार की आर्थिक स्थिति की जांच की मांग की है। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार, चुनाव आयोग और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड को शिकायत भेजी है। तिवारी का दावा है कि अभिजीत दीपके के पिता भगवानराव दीपके महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन में जूनियर इंजीनियर थे। उनकी मासिक सैलरी करीब 60-65 हजार रूपए थी। ऐसे में यह जांच होनी चाहिए कि उन्होंने अपने बच्चों की अमेरिका में उच्च शिक्षा का खर्च कैसे उठाया। अमित तिवारी ने महाराष्ट्र सरकार से भगवानराव दीपके की आय और संपत्ति की जांच कराने की मांग की है।

भारत-लेसोथो संबंधों को नई मजबूती : दोनों देशों ने समन्वय पर दिया जोर

नई दिल्ली। भारत और लेसोथो ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को नई गति देने और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया हैं। 30 जुलाई, 2026 को नई दिल्ली में आयोजित संयुक्त द्विपक्षीय सहयोग आयोग (जेबीसीसी) की छठी बैठक में दोनों देशों ने विकास साझेदारी, क्षमता निर्माण, मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर) और संयुक्त राष्ट्र सहित विभिन्न बहुपक्षीय मंचों पर आपसी समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया। विदेश मंत्रालय में पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका प्रभाग के संयुक्त सचिव जनेश काइन और लेसोथो के विदेश एवं अंतरराष्ट्रीय संबंध मंत्रालय के प्रधान सचिव थाबांग लेखेला ने संयुक्त रूप से बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने व्यापार, शिक्षा, कृषि, खाद्य सुरक्षा और पर्यटन सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में प्रस्तावित समझौता ज्ञापनों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने और जल्द से जल्द हस्ताक्षरित करने पर सहमति व्यक्त की। इस बात पर जोर दिया गया कि दोनों देश साझा हितों से जुड़े मुद्दों पर प्रभावी सहयोग सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करेंगे और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपना समन्वय बढ़ाएंगे। यह जेसीबीबी व्यवस्था, जो मार्च 2004 में स्थापित की गई थी, बारी-बारी से नई दिल्ली और लेसोथो की राजधानी मासेरू में आयोजित की जाती है।

भारत ने लेसोथो को अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) और आपदा प्रतिरोधी

बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन (सीडीआरआई) जैसे महत्वपूर्ण वैश्विक पहलों में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया, ताकि नवीकरणीय ऊर्जा और आपदा-प्रतिरोधी विकास में सहयोग को बढ़ावा दिया जा सके। दोनों देशों ने दक्षिण-दक्षिण सहयोग के माध्यम से सतत विकास को बढ़ावा देने और क्षेत्रीय व बहुपक्षीय मंचों पर अपनी साझेदारी को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। जेबीसीसी की सातवीं बैठक लेसोथो की राजधानी मासेरू में आयोजित करने का निर्णय लिया गया, जिसकी तारीख राजनयिक माध्यमों से तय की जाएगी। अफ्रीका के दक्षिणी हिस्से में स्थित लेसोथो एक छोटा, अनोखा देश है जो चारों ओर से केवल दक्षिण अफ्रीका से घिरा हुआ है, इसलिए दुनिया के गिने-चुने एनक्लेव देशों में शामिल किया जाता है। समुद्र तल से 1,000 मीटर से अधिक ऊंचाई पर स्थित होने के कारण किंगडम इन द स्काई या आसमान में बसा देश भी कहा जाता है। लेसोथो अपनी प्राकृतिक सुंदरता, पर्वतीय भूभाग, जल संसाधनों, हीरा खदानों और वस्त्र उद्योग के लिए जाना जाता है, जिसकी राजधानी मासेरू है।

पंजाब कांग्रेस में बढ़ी कलह- वारिंग ने पूर्व एमएलए को पार्टी से निकाला

चंडीगढ। पंजाब कांग्रेस में लंबे समय से चल रही अंदरूनी कलह अब खुलकर सामने आ गई है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने पार्टी से निलंबित पूर्व विधायक मदन लाल जलालपुर के आवास पहुंचकर उनसे मुलाकात की। इस मुलाकात को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग के नेतृत्व पर अप्रत्यक्ष सवाल और संगठन के भीतर बढ़ते असंतोष के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। खास बात यह रही कि जलालपुर ने पार्टी की कार्यशैली और प्रदेश नेतृत्व पर सवाल उठाने के कुछ ही घंटों बाद चन्नी उनसे मिलने पहुंचे। मुलाकात के बाद चन्नी ने वरिष्ठ नेताओं को निलंबित करने के फैसले पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह लड़ाई किसी पद या अध्यक्ष की कुर्सी के लिए नहीं, बल्कि पंजाब के मुद्दों की है। उन्होंने कहा कि संगठन को सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलना चाहिए। उनका कहना था कि कांग्रेस की असली लड़ाई उन ताकतों से है जो बाहर से आकर पंजाब की राजनीति को प्रभावित करना चाहती हैं। वहीं, मदन लाल जलालपुर ने आरोप लगाया कि संगठन को मजबूत करने की बात उठाने पर उन्हें निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व के किसी भी नेता के खिलाफ अभद्र टिप्पणी नहीं की। उनका कहना था कि उन्होंने केवल प्रदेश नेतृत्व के प्रदर्शन पर सवाल उठाए थे, लेकिन बिना कारण बताओ नोटिस दिए ही उन्हें निलंबित कर दिया गया। उन्होंने कार्रवाई को एकतरफा और अनुचित बताया। दूसरी ओर, पटियाला में आयोजित पार्टी कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष राजा वारिंग ने अनुशासनात्मक कार्रवाई का बचाव किया। उन्होंने कहा कि जलालपुर को हाल ही में नहीं, बल्कि केंद्रीय नेतृत्व के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियों के कारण पहले ही निलंबित किया जा चुका था। कार्यक्रम में पार्टी प्रभारी भूपेश बघेल भी मौजूद रहे और संगठन में अनुशासन बनाए रखने पर जोर दिया गया।

इस पूरे घटनाक्रम ने पंजाब कांग्रेस में दो स्पष्ट शक्ति केंद्रों की तस्वीर सामने ला दी है। एक ओर राजा वारिंग के नेतृत्व में आधिकारिक कार्यक्रम आयोजित हुआ, वहीं दूसरी ओर चन्नी की जलालपुर से मुलाकात में कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। इनमें सांसद धर्मवीर गांधी और पूर्व मंत्री भारत भूषण आशु प्रमुख रहे, जिन्होंने आधिकारिक कार्यक्रम से दूरी बनाए रखी। उधर, समाना में एक अन्य कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं द्वारा राजा वारिंग के खिलाफ नारेबाजी ने यह संकेत दिया कि पार्टी के भीतर असंतोष लगातार बढ़ रहा है। आलाकमान के प्रयासों के बावजूद पंजाब कांग्रेस की गुटबाजी फिलहाल थमती नजर नहीं आ रही है।

नीट-पीजी 2026 परीक्षा: छात्रों को मिलेगी राहत, पारदर्शी होगा मूल्यांकन

नई दिल्ली। मेडिकल प्रवेश के लिए महत्वपूर्ण नीट-पीजी परीक्षा 30 अगस्त 2026 को संभावित है, और इस बार नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन (एनबीई) ने परीक्षा पैटर्न में बड़े बदलावों की घोषणा की है। ये सुधार लंबे समय से अभ्यर्थियों द्वारा उठाई जा रही समस्याओं, जैसे परीक्षा केंद्रों की दूरी और कई शिफ्ट में पेपर कराने से होने वाले नॉर्मलाइजेशन के मुद्दों को ध्यान में रखकर किए गए हैं। नए नियमों का मुख्य उद्देश्य परीक्षार्थियों का तनाव कम करना और पूरी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाना है।

अभ्यर्थियों की प्रमुख शिकायत रही है कि उन्हें अक्सर अपने गृह शहर से दूर दूसरे राज्यों में परीक्षा केंद्र आवंटित किए जाते थे। इससे उन्हें परीक्षा से ठीक पहले यात्रा का भारी तनाव और आर्थिक बोझ उठाना पड़ता था। नए नियमों के तहत, यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा कि प्रत्येक उम्मीदवार को उसका परीक्षा केंद्र उसके गृह जिले या सबसे नजदीकी शहर में ही मिले। इससे यात्रा का समय और खर्च दोनों बचेंगे, और अभ्यर्थी बिना किसी थकावट के शांत व फ्रेश माइंड से परीक्षा दे पाएंगे। नीट पीजी परीक्षा में सबसे बड़ा विवाद अलग-अलग शिफ्ट में पेपर होने के कारण उत्पन्न होता था। दो या अधिक शिफ्टों में पेपर होने से अक्सर एक शिफ्ट का पेपर कठिन और दूसरी का आसान आ जाता था, जिससे मार्क्स के लिए 'नॉर्मलाइजेशन' का सहारा लेना पड़ता था। इस प्रक्रिया से कई बार मेधावी छात्रों को भी नुकसान उठाना पड़ता था। 2026 से, पूरी परीक्षा केवल एक ही शिफ्ट में आयोजित की जाएगी। इससे देश भर के सभी उम्मीदवारों को एक समान प्रश्न पत्र मिलेगा, जिससे मेरिट लिस्ट एकदम साफ और निष्पक्ष बनेगी और किसी भी प्रकार के भेदभाव की गुंजाइश खत्म हो जाएगी।

परीक्षा के स्ट्रक्चर में भी एक राहत देने वाला बदलाव किया गया है। अब उम्मीदवारों को पहले के मुकाबले कम सवाल हल करने होंगे। हालांकि, कुल परीक्षा समय में कोई कटौती नहीं की गई है। इसका अर्थ है कि प्रत्येक सवाल को पढ़ने, समझने और सोच-समझकर उसका जवाब देने के लिए परीक्षार्थियों को पहले से अधिक समय मिलेगा। इससे जल्दबाजी में गलत उत्तर टिक होने की आशंका काफी कम हो जाएगी और उम्मीदवार प्रत्येक सेक्शन को बेहतर तरीके से हल कर पाएंगे। मेडिकल की पढ़ाई अपने आप में काफी चुनौतीपूर्ण होती है, और परीक्षा का कड़ा व उलझाऊ पैटर्न उम्मीदवारों पर अतिरिक्त मानसिक दबाव डालता था। ये नए बदलाव छात्रों को उनकी तैयारी का सही फल सुनिश्चित करेंगे। यात्रा की भागदौड़ से मुक्ति, प्रश्नों के लिए बेहतर समय प्रबंधन और एक निष्पक्ष मार्किंग सिस्टम से नीट पीजी 2026 की परीक्षा अधिक छात्र-अनुकूल और तनावमुक्त बन जाएगी, जिससे उनका मनोबल बढ़ेगा।

बसपा के 25 उम्मीदवार तय, आकाश के ससुर से छिना 4 राज्यों का प्रभार

बसपा में बड़ा संगठनात्मक फेरबदल, 2027 चुनाव पर नजर

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय स्तर पर बड़े संगठनात्मक बदलाव किए हैं। पार्टी ने अशोक सिद्धार्थ को चार राज्यों के प्रभारी पद से हटा दिया है, वहीं पार्टी अध्यक्ष मायावती ने आगामी चुनाव के लिए लगभग 25 उम्मीदवारों के नाम तय करने की भी घोषणा की है। साथ ही, उन्होंने उम्मीदवार चयन में राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद की किसी भी भूमिका की खबरों का खंडन किया है। इन बदलावों के तहत, अशोक सिद्धार्थ को केरल, कर्नाटक, गुजरात और दिल्ली के प्रभारी पद से हटाया गया है। उनके करीबी नितिन सिंह को भी पदों से मुक्त किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, अशोक सिद्धार्थ को अब उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए प्रयागराज, मिर्जापुर और सोनभद्र मंडल की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। गौरतलब है कि अशोक सिद्धार्थ बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद के ससुर हैं। राष्ट्रीय संयोजक और मध्य प्रदेश के प्रभारी राजाराम को केरल, गुजरात और कर्नाटक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसके अलावा, राष्ट्रीय संयोजक रामजी गौतम को दिल्ली में संगठन को मजबूत करने की जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें पंजाब के प्रभारी पद से हटाकर, अब रणधीर सिंह बेनीवाल को पंजाब का प्रभारी नियुक्त किया गया है। संगठनात्मक बदलावों के बीच, बसपा अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को घोषणा की कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी ने लगभग 25 सीटों पर अपने उम्मीदवार तय कर लिए हैं। उन्होंने लखनऊ स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय में राज्य स्तरीय कई बैठकें करने और आगे भी जारी रखने की जानकारी दी। इन बैठकों में प्रदेश और मंडल स्तरीय पदाधिकारियों को उम्मीदवार चयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। मायावती ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पोस्ट में स्पष्ट किया, साक्षात्कार लेकर अब तक लगभग दो दर्जन से ज्यादा उम्मीदवार तय कर दिए गए हैं। आगे भी सभी सीटों पर उम्मीदवारों का अंतिम फैसला मेरे द्वारा ही किया जाएगा। यह कदम पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है, जिसका प्रदर्शन 2007 में अपने दम पर बहुमत की सरकार बनाने के बाद से लगातार गिरा है। 2022 के चुनाव में बसपा उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में से सिर्फ एक पर सिमट गई थी। अध्यक्ष मायावती ने राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद (बसपा प्रमुख के भतीजे) के संबंध में उम्मीदवार चयन को लेकर फैलाई जा रही विभिन्न भ्रामक खबरों को भी सिरे से खारिज किया। उन्होंने कहा कि इन खबरों में रत्ती भर भी सच्चाई नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि न सिर्फ उप्र में, बल्कि पूरे देश में विधानसभा और लोकसभा चुनावों में उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप मैं ही देती हूं। यह बयान उन रिपोर्ट्स के बाद आया है जिनमें आकाश आनंद को उम्मीदवार चयन की जिम्मेदारी दिए जाने की बात कही गई थी।

न्याय प्रदर्शन में गोपनीयता भंग- दुष्कर्म पीड़िता की पहचान सार्वजनिक होने पर कानूनी सवाल

गोरखपुर। एक सिपाही की हैवानियत का शिकार बनी बिटिया को न्याय दिलाने के लिए आल इंडिया महापद्मनन्द कम्युनिटी एजुकेटेड एसोसिएशन ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। हालांकि, संवेदना व्यक्त करने और न्याय की मांग के इस भावनात्मक माहौल में, संगठन से दुष्कर्म पीड़िता और उसके परिवार की पहचान सार्वजनिक करने की भूल हो गई, जो ऐसे मामलों में स्पष्ट कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन है। एसोसिएशन के महानगर अध्यक्ष ने अपनी भूल स्वीकार करते हुए कहा कि यह सब गुस्से और भावुकता के माहौल में अनजाने में हुआ। यह लापरवाही केवल सड़क पर प्रदर्शन तक सीमित नहीं रही, बल्कि इंटरनेट मीडिया पर भी इसका व्यापक दर्शन हुआ। कई यूट्यूबरों ने घटना स्थल से रिपोर्ट करते हुए बिटिया की तस्वीर फ्लैश की, वहीं अन्य कंटेंट क्रिएटरों ने भी रोष में होश खोकर बालिका की तस्वीरें और पहचान साझा कर दीं। एडवोकेट कृष्णानंद तिवारी ने ऐसी लापरवाही को कानूनी दिक्कत का कारण बताया। वहीं, गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के शिक्षक डॉ. मनीष पांडेय ने इस पर गहरी चिंता व्यक्त की। उनके अनुसार, भावुकता में लोग प्राय: नियम और नैतिकता को भूल जाते हैं। उन्होंने जोर दिया कि किसी भी मुद्दे पर संवेदनशीलता एवं भावुकता होने के साथ-साथ समझदारी और व्यक्तिगत निजता का सम्मान भी अत्यंत आवश्यक है, ताकि सामूहिक हित में काम करते हुए भी किसी की गरिमा को ठेस न पहुंचे।

ई20 पेट्रोल पॉलिसी के खिलाफ प्रोटेस्ट से पहले पुलिस ने किया हाउस अरेस्ट

राजनीतिक विश्लेषक, सामाजिक कार्यकर्ता तहसीन पूनावाला ने किया दावा

नई दिल्ली। ई20 पेट्रोल पॉलिसी के खिलाफ उनके प्रोटेस्ट मार्च और भूख हड़ताल को लेकर राजनीतिक विश्लेषक, सामाजिक कार्यकर्ता तहसीन पूनावाला ने दावा किया है कि उन्हें दिल्ली पुलिस ने हाउस अरेस्ट किया है। उन्होंने शनिवार को एक वीडियो शेयर किया, जिसमें पुलिस उनके दरवाजे पर नजर आ रही है। उन्होंने एक्स खाते पर कई वीडियो साझा करते हुए पूनावाला ने दावा किया कि सुबह करीब 9.30 बजे यानी मार्च के लिए निकलने से आधे घंटे पहले, दिल्ली पुलिस के कई जवान जिनमें महिला अधिकारी भी शामिल थीं उनके घर पहुंचे और उन्हें बाहर निकलने से रोक दिया।

उन्होंने कहा कि पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेने के लिए न तो कोई आदेश दिखाया और न ही कोई दस्तावेज दिया। पूनावाला ने यह भी आरोप लगाया कि अधिकारियों ने उनसे कहा कि वे उन्हें जाने से इसलिए रोक रहे हैं, क्योंकि मार्च में हजारों लोगों के शामिल होने की उम्मीद थी। एक वीडियो में पूनावाला को एक पुलिस अधिकारी से यह पूछते दिख रहा है कि उन्हें बिना किसी लिखित आदेश के कैसे हिरासत में लिया जा सकता है। उन्होंने अधिकारी से कहा कि कोई कागजात नहीं, कुछ भी नहीं। मैं घर में नजरबंद हूं...आजादी के 15 दिन पहले आप मुझे हिरासत में ले रहे। पुलिस अधिकारी ने जवाब दिया कि प्रस्तावित मार्च से कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ सकती थी और उन्होंने पूनावाला से सहयोग करने को कहा। एक्स पर एक पोस्ट में पूनावाला ने आरोप लगाया कि उनके फ्लैट के बाहर पत्रकारों ने उन्हें बताया कि वे इंटरनेट का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे थे, क्योंकि घर के पास जैमर लगाए गए थे। कार्यकर्ता ने शुक्रवार को अकेले मार्च निकालने की घोषणा की, क्योंकि पुलिस ने 31 जुलाई को संसद तक उनके प्रस्तावित टीम भारत गाड़ी मार्च की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में यह भी कहा कि उनका इंस्टाग्राम खाता स्थगित कर दिया गया था और कुछ घंटों बाद उसे बहाल कर दिया गया। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली पुलिस ने उन्हें मीडिया से बात करने से रोका और धमकी दी कि विरोध प्रदर्शन में शामिल होने वाले नागरिकों को गिरफ्तार किया जा सकता है और उनकी गाड़ियां जब्त की जा सकती हैं। पूनावाला ने प्रदर्शन की घोषणा करते हुए कहा था कि अकेले घूमना और शांति से अकेले बैठना किसी कानून का उल्लंघन नहीं है। मैं उस जगह पर मौन व्रत और दिन भर का उपवास रख कर बैठूंगा, जहां बापू की हत्या हुई थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पूनावाला ई20 ईंधन नीति के खिलाफ अभियान चला रहे हैं और इस मुद्दे पर केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की आलोचना कर चुके हैं। उन्होंने मांग की है कि ग्राहकों को ई20 ईंधन का इस्तेमाल करने के लिए मजबूर करने के बजाय, ई5 और ई10 ईंधन मिश्रणों के साथ-साथ पारंपरिक पेट्रोल खरीदने का विकल्प भी दिया जाए। सरकार के ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल को लागू करने पर कुछ विपक्षी नेताओं और उपभोक्ता समूहों ने आलोचना की है।

हथियार के साथ ओवर ग्राउंड वर्कर गिरफ्तार

बारामूला। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षाबलों ने एक ओवर ग्राउंड वर्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एमपी-5 पिस्टल, 10 जिंदा कारतूस, मैगजीन, मोबाइल फोन और बैग बरामद हुआ है। मामले में शिरी थाने में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। सुरक्षाबलों ने रविवार को जंदफरन-गोरिवान क्रॉसिंग पर नाकेबंदी की थी। इसमें 46 राष्ट्रीय राइफल्स, एसओजी बारामूला, सीआरपीएफ की 53वीं बटालियन और बीएसएफ की 112वीं बटालियन शामिल थी। जांच के दौरान गोरिवान की ओर से आ रहा एक संदिग्ध नाकेबंदी देखकर भागने लगा। जवानों ने पीछा कर उसे मौके पर ही पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान ऐजाज अहमद गनी के रूप में हुई है। वह नामबलन, शीरी का रहने वाला है। सुरक्षा एजेंसियां उसके आतंकी नेटवर्क से संबंध और गतिविधियों की जांच कर रही हैं। अधिकारियों ने कहा कि सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य एजेंसियां क्षेत्र में शांति बनाए रखने और आतंकियों के मददगारों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखेंगी।

बालाघाट
सोमवार 03 अगस्त 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पदमेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

अब ओटीपी नहीं, सीधे मोबाइल हो रहा है हैक

जिले में साइबर ठगों का नया खेल, मोबाइल हैक कर परिचितों के नाम पर भेजे जा रहे पैसों की मांग वाले मैसेज

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में साइबर अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। पहले जहां साइबर ठग ओटीपी, केवाईसी अपडेट, बैंक अधिकारी बनकर कॉल करने और फर्जी लिंक भेजकर लोगों की गाढ़ी कमाई पर हाथ साफ करते थे, वहीं अब उन्होंने ठगी का और भी खतरनाक तरीका अपना लिया है। अब साइबर अपराधी सीधे लोगों के मोबाइल फोन को ही अपना निशाना बना रहे हैं। एक अनजान लिंक और संदिग्ध एप पर क्लिक करते ही मोबाइल हैक हो रहा है और उसके बाद पूरा मोबाइल साइबर ठगों के नियंत्रण में पहुंच जाता है। इसके बाद ठग उसी मोबाइल से परिजनों, दोस्तों और रिश्तेदारों को मदद के नाम पर पैसे मांगने के संदेश भेज रहे हैं।

बीते कुछ दिनों में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से मोबाइल हैक होने की कई घटनाएं सामने आई हैं। पीड़ितों के मुताबिक उनके मोबाइल पर किसी अनजान नंबर और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए एक लिंक अथवा एप भेजा गया। सामान्य मैसेज समझकर जैसे ही उन्होंने उस लिंक पर क्लिक किया या एप डाउनलोड किया, कुछ ही देर में मोबाइल असामान्य तरीके से काम करने लगा। इसके बाद बिना उनकी जानकारी के उनके व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया अकाउंट से परिचित लोगों को संदेश भेजे जाने लगे। इन संदेशों में लिखा होता है कि तुरंत पैसों की जरूरत है , मेरा यूपीआई काम नही कर रहा हैं , इस बारकोड पर आर्जेंट पेसे डाल दो, मै दो घंटे में पैसे वापस कर दूगां, बहुत जरूरी है, इस प्रकार के भावनात्मक शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है, ताकि सामने वाला बिना सोचे-समझे पैसे ट्रांसफर कर दे। चूंकि

संदेश परिचित व्यक्ति के नंबर से आता है, इसलिए कई लोग उसे सही मान लेते हैं और ठगी का शिकार हो जाते हैं। हालांकि जिले में अब तक सामने आए मामलों में अधिकांश लोगों ने समझदारी दिखाई। पैसे भेजने से पहले उन्होंने संबंधित व्यक्ति को फोन लगाकर बात की, जिसके बाद मोबाइल हैक होने का खुलासा हुआ। इसी सतर्कता के कारण जिले में अभी तक बड़ी रकम की ठगी का मामला सामने नहीं आया है, लेकिन लगातार बढ़ती घटनाओं ने पुलिस और आम लोगों दोनों की चिंता बढ़ा दी है। साइबर विशेषज्ञों का कहना है कि मोबाइल हैक होने के बाद खतरा केवल व्हाट्सएप तक सीमित नहीं रहता। यदि मोबाइल में इंटरनेट बैंकिंग, यूपीआई, फोनपे, गूगल पे, भीम, पेटीएम या अन्य डिजिटल वॉलेट मौजूद हैं तो साइबर अपराधी इन एप तक भी पहुंचने का प्रयास कर सकते हैं। ऐसे में बैंक खातों से रकम निकलने, निजी दस्तावेज चोरी होने और व्यक्तिगत जानकारी के दुरुपयोग का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। यही वजह है कि एक छोटी-सी लापरवाही किसी व्यक्ति की वर्षों की मेहनत की कमाई पर भारी पड़ सकती है। साइबर अपराधियों ने अब ठगी का तरीका भी पूरी तरह बदल दिया है। पहले वे ओटीपी पूछकर या बैंक अधिकारी बनकर लोगों को ठगते थे, लेकिन अब मालवेयर लिंक, फर्जी एप, स्क्रीन शेयरिंग एप और रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर के जरिए मोबाइल का पूरा नियंत्रण अपने हाथ में ले रहे हैं। मोबाइल हैक होने के बाद संपर्क सूची, फोटो, दस्तावेज, ई-मेल और सोशल मीडिया अकाउंट तक का दुरुपयोग किया जा सकता है। कई मामलों में अपराधी मोबाइल से ही बैंकिंग संबंधी जानकारी जुटाने की कोशिश भी करते हैं। पुलिस का कहना है कि साइबर ठग लगातार नए-नए तरीके अपना रहे हैं, इसलिए लोगों को पहले से अधिक सतर्क रहने की जरूरत है। किसी भी अनजान लिंक, एप या फाइल को डाउनलोड न करें। यदि किसी परिचित के नंबर से अचानक पैसे मांगने का संदेश आए तो पहले उससे सीधे फोन पर संपर्क कर उसकी पुष्टि अवश्य करें। केवल व्हाट्सएप या सोशल मीडिया संदेश के आधार पर किसी भी खाते में पैसे ट्रांसफर न करें। यदि किसी का मोबाइल संदिग्ध तरीके से काम करने लगे, अपने-आप संदेश भेजने लगे या बैंक खाते से जुड़ी गतिविधियां असामान्य दिखाई दें तो तुरंत मोबाइल का इंटरनेट बंद करें, बैंक को सूचना दें और साइबर अपराध शाखा अथवा नजदीकी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराएं। जिले में तेजी से बढ़ रही मोबाइल हैकिंग की घटनाएं साफ संकेत दे रही हैं कि साइबर अपराधी अब तकनीक का इस्तेमाल कर लोगों के भरोसे और भावनाओं को हथियार बना रहे हैं। ऐसे में हर मोबाइल उपयोगकर्ता के लिए सतर्क रहना ही सबसे बड़ा बचाव है। एक गलत क्लिक न केवल मोबाइल पर साइबर ठगों का कब्जा करा सकता है, बल्कि वर्षों की जमा-पूंजी और निजी जानकारी भी पल भर में खतरे में डाल सकता है।

गुपचुप विक्रेता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

मृतक की पत्नी ने पड़ोसी दुकानदार पर लगाया प्रताड़ित करने का आरोप

कटंगी के वार्ड नंबर 3 का मामला ,जांच में जुटी पुलिस

पदमेश न्यूज। बालाघाट। कटंगी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कटंगी नगर परिषद वार्ड नंबर 3 मे बीती शाम उस वक्त चीख पुकार मच गई जब किराए के कमरे में रह रहे,एक गुपचुप बेचने वाले ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। हालांकि उसने ऐसा कदम क्यों उठाया फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है लेकिन मृतक की पत्नी द्वारा पड़ोसी पर प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाते हुए पड़ोसी की प्रताड़ना से तंग आकर उसके पति द्वारा यह कदम उठाए जाने की बात कही गई है।घटना शनिवार की देरशाम की बताई गई है।बताया गया कि जब पत्नी दुकान से घर पहुंची तो देखा कि पति फांसी के फंदे पर लटका है। जिसके शोर मचाने की आवाज से आसपास के लोग पहुंचे और तत्काल उसे उतारकर कटंगी अस्पताल लेकर गए। जहां ड्युटी डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी, के बाद पुलिस भी अस्पताल पहुंची और शव को बरामद कर आवश्यक कार्यवाही के बाद रविवार सुबह पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। तो वही मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

सप्ताह भर पहले शुरू किया था गुपचुप बेचने का काम

प्राप्त जानकारी के अनुसार कटंगी वार्ड नंबर 3 निवासी स्वतंत्रत राहगडाले के घर में केशव निर्मल नामक व्यक्ति किराए से रहता था, किराए के मकान में रहने वाले 40 साल के केशव निर्मल कपड़ा प्रेस की दुकान और गुपचुप का ठेला लगाया करता था जो अपने घर से 100 मीटर की दूरी पर ही अपने दोनों काम किया करता था।बताया कि वह कपड़ा प्रेस का काम काफी समय से किराए की दुकान में कर रहा था।जबकि सप्ताह भर पहले ही उसने दुकान के सामने गुपचुप का ठेला लगाना शुरू किया था। जिसका शव किराए के मकान में फांसी के फंदे पर लटका मिला है।

पीएम के बाद सौपा गया शव

बताया गया की घटना के बाद मृतक को,मृतक की पत्नी और पड़ोसियों के द्वारा कटंगी सरकारी अस्पताल लाया गया जहा चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। रात अधिक हो जाने के कारण शव को मरचुरी में सुरक्षित रखा गया जिसका पोस्टमार्टम रविवार की सुबह करा कर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है।उधर कटंगी पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है

पड़ोसी दुकानदार से प्रताड़ित होकर की आत्महत्या- वंदना

मृतक की पत्नी वंदना निर्मल ने बताया कि शनिवार कि शाम 4 बजे मैं दुकान मे थी मेरे पति अपने घर में अकेले थे बेटी भी स्कूल गई थी जब शाम 5 बजे हम घर गए तो देखा कि मेरे पति फांसी पर लटके हुए थे मृतक की पत्नी ने प्रेस को जानकारी देकर बताया कि हमारी दुकान के बाजू में झंकार जनरल स्टोर्स की दुकान है जिसे महेश भगत कटंगी वार्ड नंबर 3 का रहने वाला संचालित करता है काफी समय से उसकी दुकान के बाजू में हम कपड़ा प्रेस की दुकान चलाते है पिछले एक हफ्ता से धंधा कमजोर होने के चलते मेरे पति द्वारा गुपचुप का ठेला दुकान के बाहर लगना शुरू कर दिया। जब से ठेला लगाना शुरू हुआ तो महेश भगत द्वारा लड़ाई झगड़ा किया जाने लगा कि यहां पर दुकान मत लगाओ मैं तुम्हारी दुकान तोड़कर फेंक दूंगा। 1 अगस्त को जिस स्थान पर मेरे पति दुकान लगाते थे वहां महेश भगत द्वारा अपनी फोर व्हीलर गाड़ी लाकर भी खड़ी कर दी हमारे द्वारा पुलिस को शिकायत भी की गई पुलिस मौके पर पहुंची थी। लेकिन पुलिस वाले महेश भगत को कार हटाने बोलने की बजाए, पति को ही डांटने लगे। जिसके बाद पति घर चले गए। जब मैं शाम घर पहुंची तो देखा कि पति का शव फांसी के फंदे पर लटका था। महेश भगत मेरे पति को प्रताड़ित करते रहा मेरे पति की आत्महत्या का कारण महेश भगत है महेश भगत की प्रताड़ना के कारण मेरे पति ने आत्महत्या की है।

घर पर सो रही महिला को उठा ले गया बाघ, हुई मौत

बैहर बफर जोन के जंगल से लगे ग्राम पर्रापुर बैगाटोला का मामला

पदमेश न्यूज। बालाघाट। कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के बफर जोन से लगे जंगल के ग्राम पर्रापुर बैगाटोला थाना बैहर में शनिवार रात घर में सो रही 45 वर्षीय महिला को बाघ ने उठाकर ले गया।जहा बाघ के हमले में महिला की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, ग्राम पर्रापुर बैगाटोला निवासी सुगनी बाई पति बुधराम धुर्वे रोजाना की तरह शनिवार रात खाना खाने के बाद परिवार के साथ घर में सो रही थीं। रात करीब डेढ़ बजे जंगल से भटककर आया एक बाघ घर में घुस आया। सोते समय ही बाघ ने सुगनी बाई पर हमला कर दिया और उसे मुंह में दबाकर बाहर की ओर ले जाने लगा। अचानक हुए हमले और शोर से परिवार के लोग जाग गए। उन्होंने तुरंत शोर मचाना शुरू किया और टार्च जलाकर बाहर निकले। बताया जा रहा है कि बाघ घर के पास ही दलदल में फंस गया था। लोगों की आवाज और हलचल से घबराकर बाघ महिला को वहीं छोड़कर जंगल की ओर भाग गया।

मृतिका के घर में नही है दरवाजे

घटना के बाद परिजन तुरंत सुगनी बाई को उठाकर रात करीब तीन बजे बैहर के सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां ड्यूटी पर मौजूद डाक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।बताया गया कि मृतिका के घर में दरवाजे नहीं लगे है। बीएमओ डा. अनंत लिल्हारे ने बताया कि महिला के सिर पर बाघ ने गंभीर हमला किया था। सिर पूरी तरह क्षत-विक्षत हो जाने के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई थी।

घटना के बाद, पूरे गांव में दहशत का माहौल

उधर घटना के बाद पुलिस और वन विभाग की टीम को सूचना दी गई। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। इस घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है।बताया गया कि पर्रापुर बैगाटोला बफर जोन के जंगल से सटा हुआ गांव है। पिछले कुछ महीनों से इस क्षेत्र में बाघ और तेंदुए के घरों के आसपास देखे जाने की शिकायतें मिल रही थीं। ग्रामीणों का कहना है कि रात में खुले में सोना और अकेले जंगल की ओर जाना अब मुश्किल हो गया है।

वन विभाग ने बढ़ाई गश्त, लगाया पिंजरा

उधर घटना के बाद वन विभाग की टीम ने गांव में पिंजरा लगाने और गश्त बढ़ाने का कार्य शुरू कर दिया है। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि रात में घरों के दरवाजे बंद रखें, बच्चों और बुजुर्गों को अकेला न छोड़ें और जंगल की ओर न जाएं। प्रशासन ने मृतका के परिजनों को नियमानुसार आर्थिक सहायता दिलाने का भरोसा भी दिया है। इस हादसे ने एक बार फिर जंगल और मानव बस्तियों के बीच बढ़ते संघर्ष को उजागर कर दिया है। बफर जोन में रहने वाले लोग अब रात होते ही सहमे रहते हैं।

भटेरा में अवैध रेत परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

पदमेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने रविवार सुबह संयुक्त छापामार कार्रवाई की। जिला खनिज शाखा, तहसील बालाघाट, लामता एवं लालबर्रा के खनिज अमले ने पुलिस बल के साथ मिलकर यह कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान तहसील बालाघाट के ग्राम भटेरा से अवैध रूप से रेत का परिवहन करते हुए तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी गईं। सभी वाहनों को जब्त कर सुरक्षा की दृष्टि से कलेक्टर कार्यालय (खनिज शाखा), बालाघाट परिसर में रखा गया है। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि वाहन चालकों ने पूछताछ में बताया कि रेत ग्राम भटेरा से भरकर विक्रय के उद्देश्य से लाई जा रही थी। मामले में संबंधित वाहनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन के विरुद्ध आगे भी लगातार संयुक्त अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट